सूर्योदय 5:55 सूर्यास्त 6:50

आज का तापमान

शिमला	17 न्यू	23 अधि
धर्मशाला	20.7 न्यू	29 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80,786.54
निफ्टी	24,712.05
सोना 1,03,520	चांदी 1,24,200

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

हिमाचल के हर नागरिक को रोजगार और सेवाएं देना हमारी प्राथमिकता: डिप्टी सीएम

पृष्ठ 3 पर

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | वीरवार, 28 अगस्त 2025 | 13 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 240, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

सुप्रीम कोर्ट को मिले दो नए न्यायाधीश

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने न्यायमूर्ति न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना में मंत्रालय ने बताया कि बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। बीते सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने उनके नामों की सिफारिश की थी। इन दोनों लोगों के शपथ ग्रहण के बाद, सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सहित 34 न्यायाधीशों की पूर्ण संख्या हो जाएगी। (अनंत ज्ञान)

स्कूल के बाथरूम में मिली जली हुई छात्रा

एजेंसी, पटना। पटना में बुधवार को गर्दनीबाग इलाके के आमला टोला कन्या विद्यालय के बाथरूम में 5वीं की छात्रा जली हुई मिली है। गंभीर हालत में छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्ची की मौसी ने बताया कि किसी बच्ची को किसी ने जलाया है। वह सुसाइड नहीं कर सकती है। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और छात्रों ने स्कूल में तोड़फोड़ की है। पुलिस वालों के साथ भी मारपीट हुई है। छात्रा की पहचान दमडीया की रहने वाली जोया परवीन के रूप में हुई है। छात्रा के शरीर का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह से झुलसा है। घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल के बाहर भारी भीड़ जुट गई। सेंट्रल एसपी दीक्षा भी मौके पर पहुंची। मौके पर केरोसीन तेल का डिब्बा मिला है, जिसमें करीब आधा लीटर तेल बचा है। बाथरूम को सील कर दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

आसाराम की जमानत बढ़ाने से कोर्ट का इनकार

एजेंसी, जोधपुर। 86 साल के आसाराम को 30 अगस्त की सुबह 10 बजे तक जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर करना होगा। वह गुजरात और राजस्थान में रेप के मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुधवार अंतरिम जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया। आसाराम का 29 अगस्त को अंतरिम जमानत का समय खत्म हो रहा है। कोर्ट ने अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल से मिली मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने की याचिका को खारिज किया है। कोर्ट ने कहा कि सिविल हॉस्पिटल (अहमदाबाद) की मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, आसाराम की सेहत इतनी गंभीर नहीं है कि उसकी अंतरिम जमानत को बढ़ाया जाए। हालांकि कोर्ट ने जेल में आसाराम को व्हील चेयर की सुविधा और एक सहायक उपलब्धता की छूट दी है। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- यातायात के लिए 11 सड़कें अस्थायी रूप से शुरू -पेज 2
- सितंबर में हिमाचल बनेगा पूर्ण साक्षर राज्य: शिक्षा मंत्री -पेज 3
- धर्मशाला मंडल में तीन दिन में बहे जल शक्ति विभाग के डेढ़ करोड़ -पेज 5
- राजधानी में तहबाजारियों का फूटा गुस्सा -पेज 6
- शराबी ने सड़क पर गाड़ी रोककर लगाया जाम -पेज 9

सीएम बोले-प्रदेश की प्रगति को नई दिशा दे रहे शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और खेल क्षेत्र में लिए गए फैसले

हिमाचल में ठोस निर्णय लेने वाली सरकार

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल विधानसभा मानसून सत्र का आठवां दिन सदन में जोरदार बहस और उत्साह के साथ शुरू हुआ। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सदन में कहा कि हमारी सरकार केवल वादे करने वाली सरकार नहीं है, बल्कि ठोस निर्णय लेने वाली सरकार है। उन्होंने सदन को यह भी बताया कि हर कदम प्रदेश की विकास यात्रा को मजबूती प्रदान करता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी अवसर पैदा करता है। सुक्खू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल वर्तमान की समस्याओं का समाधान करना नहीं है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। उन्होंने सदन को बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और खेल में लिए गए निर्णायक कदम प्रदेश की प्रगति को नई दिशा दे रहे हैं। उनका कहना था कि आत्मनिर्भरता केवल संकल्पों से नहीं, बल्कि निर्णायक कार्यों से हासिल होती है।

कहा- आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत आधार तैयार करना लक्ष्य

सदन की फाइल फोटो

मुख्यमंत्री ने खेल और युवा विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर के खिलाड़ियों की डाइट मनी बढ़ाकर सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर युवा खिलाड़ी मैदान में अपनी पूरी क्षमता के साथ उतर सके। उनका मानना है कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि अनुशासन, साहस और आत्मविश्वास का प्रतीक है। सुक्खू ने कहा कि इस पहल से हिमाचल प्रदेश के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने में सक्षम होंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न विकास योजनाओं के कार्यान्वयन से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समग्र प्रगति सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सरकार की पहल प्रदेशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को नई ऊर्जा दे रही है।

डॉ. जनक राज ने उठाई भरमौर और मणिमहेश में फंसे यात्रियों के लिए हेलिकॉप्टर भेजने की मांग

लगातार तीन दिनों से हो रही भारी बारिश से चंबा जिले के भरमौर और मणिमहेश क्षेत्रों में सड़क संपर्क मार्ग बाधित हो गए हैं और दूरसंचार सेवा ठप हो गई है। इस वजह से हजारों यात्री मणिमहेश यात्रा के दौरान फंस गए हैं। विधायक डॉक्टर जनक राज ने इस मामले को प्रदेश सरकार के समक्ष उठाते हुए तुरंत सहायता भेजने और फंसे यात्रियों के रेस्क्यू की मांग की है। उन्होंने प्रधान सचिव को पत्र लिखकर और विधानसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए तुरंत प्रभाव से सुरक्षा बल और हेलिकॉप्टर भेजने की मांग की है।

एमपीडब्ल्यू की नई नीति पर विचार जारी: मुकेश

सदन में डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने सदन को बताया कि जल रक्षक, पैरा पंप ऑपरेटर और एमपीडब्ल्यू के कुल 5000 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 2500 पदों पर भर्ती हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पुराने जल रक्षकों को पंप ऑपरेटर के पद पर प्रमोट किया गया है और एमपीडब्ल्यू की नई पॉलिसी पर विचार अभी जारी है।

लोक निर्माण विभाग को 158 करोड़ का नुकसान

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने तीन दिन की भारी बारिश से हुए नुकसान का आंकड़ा सदन में पेश किया। 24 से 26 अगस्त तक लोक निर्माण विभाग को 158 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, जिसमें अकेले कुल्लू जिले का हिस्सा 30 करोड़ है। मानसून सीजन में अब तक प्रदेश की सड़कों और पुलों को 1444 करोड़ का नुकसान हो चुका है। मंत्री ने बताया कि नुकसान का आकलन करने के बाद तुरंत मरम्मत और पुनर्निर्माण की योजना बनाई जा रही है।

मानसून सत्र के बीच सीएम सुक्खू अचानक दिल्ली रवाना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू बुधवार को अचानक दिल्ली रवाना हो गए। विधानसभा के मानसून सत्र के बीच यह दौरा असामान्य माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, सीएम सुक्खू दिल्ली से अगले दिन बिहार के लिए प्रस्थान करेंगे और रविवार तक शिमला लौटेंगे। मानसून सत्र के दौरान उनके अनुपस्थित रहने से विधानसभा में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम प्रभावित हो सकता है।

राहुल गांधी के वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में होंगे शामिल

सदन में अनुपस्थित रहने से महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी प्रभावित

जानकारी के अनुसार सीएम सुक्खू वीरवार को बिहार जाकर कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान में सक्रिय भागीदारी करेंगे। यह अभियान पूरे देश में कांग्रेस द्वारा चलाया जा रहा है और बिहार में इसे विशेष गति दी जा रही है। हिमाचल के सीएम की भागीदारी से प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति को मजबूती मिलेगी।

संगठन को लेकर राहुल गांधी से चर्चा संभावित

सीएम के बिहार दौरे के दौरान संगठन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर राहुल गांधी से विचार-विमर्श की संभावना है। लंबे समय से हिमाचल में अध्यक्ष बदलने की चर्चाएं चल रही हैं, लेकिन गुटबाजी के कारण यह प्रयास स्थगित रहा है। अब राहुल गांधी से चर्चा के बाद संगठन और अध्यक्ष पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। गौर रहे कि बीते दिनों संगठनों को लेकर सीएम सुक्खू, सीनियर कैबिनेट मंत्रियों और प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह की राहुल गांधी से इस बारे में दिल्ली में मुलाकात हुई है। ऐसे में राहुल से चर्चा करके संगठन और अध्यक्ष को लेकर जल्द अंतिम फैसला भी संभावित है।

ट्रंप का भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू

मोदी बोले- किसानों, लघु उद्योगों के हितों से नहीं होगा समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल की खरीद पर भारत के खिलाफ लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ बुधवार से लागू हो गया है। अब अमेरिका में भारतीय आयात पर कुल 50% टैरिफ हो गया है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने प्रकाशित एक मसौदा आदेश में कहा कि बढ़े हुए शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होंगे, जो 27 अगस्त को पूर्वी डेलाइट समयानुसार रात 12:01 बजे या उसके बाद उपभोग के लिए प्रवेश किए गए हैं या उपभोग के लिए गोदाम से निकाले गए हैं।

ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जो 7 अगस्त को लागू हुआ, जिसके बाद लगभग 70 अन्य देशों पर भी टैरिफ लागू हो गया। 7 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की ओर से रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने की घोषणा की, लेकिन समझौते पर बातचीत के लिए 21 दिन का समय दिया था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर देकर कहा है कि वह किसानों, पशुपालकों, लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकते। (अनंत ज्ञान)

35 अरब डॉलर का निर्यात होगा प्रभावित

टैरिफ में इस बेतहाशा बढ़ोतरी से भारत का 30-35 अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित होगा। मुख्य रूप से समुद्री उत्पाद खासकर झींगा, आर्गेनिक केमिकल्स, अपैरल, टेक्सटाइल मेड-अप्स, हीरे व सोने के जेवरात, मशीनरी और मैकेनिकल उपकरण, फर्नीचर और बेड जैसे आइटम के निर्यात प्रभावित होंगे। अमेरिका कृषि, डेयरी व मत्स्य जैसे सेक्टर में भारतीय बाजार को पूरी तरह शुल्क मुक्त करवाना चाहता है। हालांकि, फार्मा, स्मार्टफोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक और पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात को 50 प्रतिशत के शुल्क से मुक्त रखा गया है।

ट्रंप का एक और दावा-मोदी को जंग रोकने के लिए दी थी धमकी

कहा था-इतने हाई टैरिफ लगाऊंगा कि सिर चकरा जाएगा

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच मई में तनाव कम करके न्यूक्लियर वॉर को रोकने का दावा किया है।

व्हाइट हाउस में बुधवार को कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत को भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। साथ ही उन्होंने जब तक कि दोनों देशों के बीच विवाद सुलझ नहीं जाता, तब तक व्यापार समझौते को रोकने की बात कही थी। ट्रंप ने दावा किया कि उनकी बातचीत के पांच घंटे बाद ही दोनों देश पीछे हट गए। ट्रंप ने कहा, 'मैंने मोदी से बात की, जो बहुत शानदार इंसान हैं। मैंने पूछा कि भारत और पाकिस्तान के बीच क्या हो रहा है। दोनों के बीच बहुत नफरत थी। यह विवाद लंबे समय से चल रहा है।' उन्होंने कहा कि यह मामला सुलझ गया। अब शायद यह फिर शुरू हो, मुझे नहीं पता, लेकिन अगर ऐसा हुआ, तो मैं इसे फिर रोकूंगा। हम ऐसी चीजें नहीं होने दे सकते। हालांकि, भारत हमेशा से ट्रंप के बातचीत और मध्यस्थता के दावों को खारिज करता आया है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि इस तनाव में कई जेट गिराए गए। उन्होंने कहा, 'यह अच्छा नहीं है। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई सबूत या आधिकारिक स्रोत नहीं दिया। (अनंत ज्ञान)

भारत-पाकिस्तान के बीच न्यूक्लियर वॉर को रोकने का दावा

प्रदेश में 5 आईपीएस अफसरों के तबादले

आईपीएस रानी बिंदु

आईपीएस सौम्या

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल सरकार ने बुधवार को 5 आईपीएस अफसरों के तबादले के आदेश जारी किए। 2006 बैच की आईपीएस रानी बिंदु को आईजी क्राइम के पद पर तैनात किया गया है। डीआईजी पुलिस क्राइम डॉ. डीके चौधरी को प्रिंसिपल पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज, डरोह, डीआईजी सेंट्रल रेंज मंडी सौम्या सांबशिवम को आईजी पुलिस नॉर्दर्न रेंज, धर्मशाला भेजा गया है। डीआईजी विजिलेंस ब्यूरो शिमला राहुल नाथ को डीआईजी पुलिस सेंट्रल रेंज मंडी और एसपी ट्रेनिंग कॉलेज डरोह के अरविंद चौधरी को एसपी लीव रिजर्व, पुलिस मुख्यालय शिमला लगाया गया है।

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 10वां टेस्ट सफल

एजेंसी, टेक्सास

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 10वां टेस्ट बुधवार (27 अगस्त) को किया गया, जो कामयाब रहा। रॉकेट को सुबह 5 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया। यह टेस्ट 1 घंटे 6 मिनट का था। इस मिशन में स्टारलिंक सिम्युलेटर सैटेलाइट को अंतरिक्ष में छोड़ने से लेकर इंजन चालू करने जैसे सभी ऑब्जेक्टिव पूरे हुए।

स्टारलिंक सिम्युलेटर सैटेलाइट असली स्टारलिंक सैटेलाइट्स के डमी हैं। इनका इस्तेमाल स्टारशिप की सैटेलाइट डिप्लॉयमेंट क्षमता को परखने के लिए किया जाता है। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इस रॉकेट को बनाया है। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। व्हीकल की ऊंचाई 403 फुट है। यह पूरी तरह से रीयूजेबल है। (अनंत ज्ञान)

टेक्सास के बोका चिका से किया गया लॉन्च

ऊपरी हिस्से की इंडियन ओशन में कराई लैंडिंग

स्टारशिप के ऊपरी हिस्से की इंडियन ओशन में लैंडिंग कराई गई। वहीं, सुपर हेवी बूस्टर को लॉन्च साइट पर वापस नहीं लाया गया। इसकी अमेरिका की खाड़ी में वॉटर लैंडिंग कराई गई। ऐसा जरूरी डेटा जुटाने के लिए किया गया। स्टेज सेपरेशन के बाद बूस्टर ने एक कंट्रोल्ड दिशा में फ्लिप किया और फिर बूस्टबैक बर्न शुरू किया। इसमें कम प्रोपेलेंट रिजर्व रखने की जरूरत होती है, जिससे चढ़ाई के दौरान ज्यादा प्रोपेलेंट इस्तेमाल हो सकता है और ऑर्बिट में ज्यादा पेलोड ले जाया जा सकता है।

गढ़चिरौली में मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

एजेंसी, मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई एक मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत कम से कम चार नक्सली मारे गए। पुलिस को 25 अगस्त को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि गट्टा दलम कंपनी नंबर 10 और गढ़चिरौली डिवीजन के अन्य माओवादी संगठन कोपरशी वन क्षेत्र में मौजूद हैं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने घेराबंदी की। इसके बाद गढ़चिरौली पुलिस की एंटी नक्सल कमांडो फोर्स सी-60 की 19 टुकड़ियां और सीआरपीएफ की क्विक एक्शन टीम की दो इकाइयां उस क्षेत्र में भेजी गईं। लगातार हो रही भारी बारिश के बावजूद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओएरेटिजन्स एम. रमेश के नेतृत्व में टीम बुधवार सुबह जंगल में पहुंची। तलाशी अभियान के दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में सुरक्षा बलों ने भी गोलीबारी की। दोनों ओर से लगभग आठ घंटे तक रुक-रुककर मुठभेड़ चलती रही। इसके बाद तीन महिलाओं और एक पुरुष नक्सली के शव बरामद किए गए। (अनंत ज्ञान)

वैष्णो देवी लैंडस्लाइड: 34 हुआ मौत का आंकड़ा, कई लोग लापता

एजेंसी, जम्मू

वैष्णो देवी मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर बुधवार को 34 हो गया। हादसा मंगलवार दोपहर 3 बजे पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ था।

मंगलवार देर रात तक सात लोगों के मरने की खबर थी, लेकिन सुबह आंकड़ा बढ़ गया। वहीं, 23 से ज्यादा लोग जख्मी हैं और कई लापता हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। गत दिवस दोपहर बादल फटने के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई थी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बुधवार को घायलों से मिलने कटरा पहुंचे। उन्होंने बताया कि घायलों की हालत स्थिर है। कई मृतकों की पहचान हो गई है और शव उनके घर भेजने की व्यवस्था हो रही है।

श्राइन बोर्ड मृतकों के परिजन को 5 लाख रुपए और डिजास्टर मैनेजमेंट 4 लाख रुपए देगा। जम्मू शहर में मंगलवार को 24 घंटे से भी कम समय में 290 मिमी से ज्यादा बारिश हुई थी। इससे कई जगह बाढ़ जैसे हालात हैं। घरों और खेतों में पानी भर गया है। वैष्णो देवी लैंडस्लाइड के चश्मदीद ने बताया कि बड़े-बड़े पत्थर अचानक गिरने लगे और सब तबाह हो गया। (अनंत ज्ञान)

कटरा और जम्मू जाने वाली 44 ट्रेनें कैंसिल

चक्की नदी में बाढ़ के चलते कटरा व जम्मू जाने वाली 44 ट्रेनें पूरी तरह रद्द कर दी गई हैं, वहीं 6 ट्रेनें आंशिक रूप से शुरू की गई हैं और 7 ट्रेनें पूरी तरह से चालू हो गई है। तीन ट्रेनें डाइवर्ट होकर चलेंगी। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क भी बनाया है, जो माता वैष्णो देवी कटरा, जम्मू तवी और पठानकोट रेलवे स्टेशन पर बनाया गया है।जम्मू के लिए हेल्पलाइन नंबर 7888839911 नंबर पर फोन कर सकते हैं, वहीं दिल्ली के लिए 9717638775 हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

आधे सांसदों-विधायकों पर क्रिमिनल केस

महिलाओं से जुड़े अपराध वाले राज्यों में पश्चिम बंगाल सबसे आगे

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने हाल ही में संसद में 130वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है। इस विधेयक में प्रावधान है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री किसी आपराधिक मामले में गिरफ्तार होकर 30 दिन तक जेल में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटाया जा सकेगा। वर्तमान में स्थिति यह है कि देशभर में 45% विधायक और 46% सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। महिलाओं से जुड़े अपराधों की बात करें तो इसमें पश्चिम बंगाल सबसे आगे है।

आंध्र प्रदेश का दूसरा नंबर है। देशभर में 45% विधायकों ने अपने ऊपर क्रिमिनल केस घोषित किए हैं, जबकि 29% गंभीर मामलों का सामना कर रहे हैं। विधायकों पर क्रिमिनल केसों में आंध्र प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। इसके बाद केरल, तेलंगाना और बिहार का स्थान है। चुनाव सुधार के लिए काम करने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। देश के 30 मुख्यमंत्रियों में से 12 यानी 40% मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 33 फीसदी पर हत्या की कोशिश, किडनैपिंग और रिश्वतखोरी जैसे गंभीर केस हैं। (अनंत ज्ञान)

संसद में लगातार बढ़ रहा आंकड़ा

संसद में समय के साथ यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। 2009 में 30% सांसदों पर आपराधिक मामले और 14% पर गंभीर मामले दर्ज थे। 2014 में सांसदों पर आपराधिक मामले का आंकड़ा एक-तिहाई और गंभीर मामले एक-पांचवां हो गए। 2019 में 43% सांसदों पर आपराधिक मामले और करीब 29% पर गंभीर आरोप थे। 2024 के चुनावों के बाद गठित संसद में यह संख्या और बढ़ गई। अभी 46% सांसद आपराधिक मामलों और 31% गंभीर मामलों का सामना कर रहे हैं।

गुड न्यूज

केंद्रीय कैबिनेट ने किया पीएम स्वनिधि योजना का विस्तार, बजट भी बढ़ाया

रेहड़ी-फड़ी वालों को अब मिलेगा ज्यादा लोन

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में रेहड़ी-फड़ी वालों को अब ज्यादा लोन मिलेगा। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना का विस्तार कर दिया है। योजना को 31 मार्च 2030 तक बढ़ाया गया है। साथ ही इसका बजट अब 7,332 करोड़ रुपए होगा।

अफसरों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में योजना के पुनर्गठन को मंजूरी दी गई। इसमें कहा गया है कि योजना के तहत पहली किस्त की ऋण सीमा 10,000 रुपए से बढ़ाकर 15,000 रुपए कर दी गई है। जबकि दूसरी किस्त 20,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए की गई है। तीसरी किस्त 50,000 रुपए रहेगी। अफसरों ने कहा कि समय पर अपना दूसरा ऋण चुकाने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को आकस्मिक व्यावसायिक और व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा। इसके अलावा खुदरा और थोक लेन-देन पर डिजिटल भुगतान का विकल्प चुनने वाले विक्रेताओं को 1600 रुपए तक का प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। अब नई योजना के तहत 50 लाख नए स्ट्रीट वेंडरों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। इसके अलावा अफसरों ने कहा कि योजना का कार्यान्वयन आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) और वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की संयुक्त जिम्मेदारी होगी। आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय योजना का संचालन करेगा, जबकि डीएफएस बैंकों और वित्तीय संस्थानों के माध्यम से ऋण और क्रेडिट कार्ड तक पहुंच को सुगम बनाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि योजना में बढ़ी हुई ऋण राशि के साथ यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड, डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन और व्यापक भौगोलिक कवरेज दिया जाएगा। इसके साथ ही योजना के तहत एफएसएसएआई के साथ साझेदारी में रेहड़ी-फड़ी वालों के लिए मानक स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

भारत कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की दावेदारी करेगा

भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी अहमदाबाद में करने के लिए दावा पेश करेगा। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने बिडिंग प्रपोजल को मंजूरी दे दी है। इससे पहले 14 अगस्त को भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन ने इसे मंजूरी दी थी। अब भारत को 31 अगस्त तक फाइनल बिडिंग प्रपोजल देना होगा। नवंबर के आखिर में यह फैसला होगा कि मेजबानी मिलेगी या नहीं। कनाडा के रेस से बाहर हो जाने के बाद भारत के लिए 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पिछले महीने कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के डायरेक्टर डैरेन हॉल की लीडरशिप में एक टीम ने अहमदाबाद में मौजूद आयोजन स्थलों का दौरा किया था।

यातायात के लिए 11 सड़कें अस्थायी रूप से शुरू

लगातार बारिश से हमीरपुर की सड़कें बुरी तरह प्रभावित, लोक निर्माण विभाग को अब तक 78 करोड़ का नुकसान

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

भारी बारिश के चलते भोटा से रोपड़ी मार्ग पर गिरे पेड़ को हटाते लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी।

हमीरपुर। जिला में पिछले चार दिनों से हो रही लगातार भारी बारिश से कई सड़कें बंद हो गई थी जिसे बुधवार को अस्थाई रूप से यातायात के लिए खोल दिया गया है। भारी बारिश के कारण 11 सड़कें ऐसी हैं जो लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो गई थी। इसके अलावा बारिश के पानी से कई सड़कें किनारे से टूटकर बह गई थी उन सड़कों की मरम्मत तो नहीं की जा रही, लेकिन इन सड़कों को अस्थाई रूप से खोल दिया गया है।

बता दें कि जिला कि अधिकांश सड़कों में गढ्डे बन गए हैं और इन गढ्डों से वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जहां तक मरम्मत की बात है तो बरसात के समाप्त होने तक इनकी मरम्मत संभव नहीं है। जानकारी के अनुसार बारिश से हुए नुकसान की रिपोर्ट प्रदेश सरकार को भेज दी गई है। प्रदेश सरकार से सड़कों की मरम्मत करने के लिए बजट जारी किया जाएगा उसके इन सड़कों को ठीक किया जाएगा।

गौर रहे कि अब तक जिला हमीरपुर में लोक निर्माण विभाग को लगभग 78 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। यदि बारिश से इसी तरह से जारी रही तो यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। बारिश के कारण वाहन चालक तो परेशान हैं लेकिन विभाग के कर्मचारी भी ऐसे मौसम में सड़क की मरम्मत करने में असमर्थ है। जिला के सुजानपुर, नादौन हमीरपुर और बिझड़ी उपमंडल की सड़कों में भी मल्बे के कारण सड़कें बंद हो गई थी। इस मल्बे को जेसीबी की सहायता से हटा दिया गया है, लेकिन अभी तक कई सड़कों पर दलदल बन हो गई है। हमीरपुर से नाल्टी सड़क की ही बात करें तो यहां पर लगातार सड़क पर पहाड़ी से मल्बा गिर रहा है। मलबे के साथ पानी भी सड़क पर बहने के कारण सड़क पर दो पहिया वाहन स्किड हो रहे हैं और बड़ी मुश्किल से जा पा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों पर गिरे पेड़ को हटाने के अलावा मिटटी को भी हटा दिया है जिससे वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है।

इस बारे में लोक निर्माण विभाग के अधीशाषी अभियंता दीपक कपिल ने बताया कि जिला में भारी बारिश से 11 सड़कों पर यातायात बंद हो गया था। उन्होंने बताया कि बुधवार को इन सड़कों को अस्थाई रूप से खोल दिया है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग को अभी तक 78 करोड़ रूपए का नुकसान हो चुका है। उन्होंने बताया कि बरसात के बाद ही इन सड़कों की मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा।

बारिश में जाहू बस अड्डा बना तालाब

चारों तरफ की नालियां बंद होने पर खुले में बहता पानी दुकानों में घुसा

अनंत ज्ञान, जाहू

बारिश के बाद तालाब में तब्दील हो गया जाहू का बस अड्डा।

उपमंडल भोरंज की तीन जिलों के संगम स्थली जाहू बस अड्डे की दुर्दशा पर न तो हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के अधिकारी ध्यान दे रहे हैं और न ही प्रदेश सरकार। बारिश के बाद बस अड्डा तालाब में तब्दील हो गया। चारों ओर पानी भरने से दुकानों में भी पानी घुस गया, जिससे दुकानदारों और यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

बस अड्डे के चारों तरफ की नालियां गंदगी से पूरी तरह भरी पड़ी हैं। बारिश के दौरान यह गंदगी खुले में बहकर बस अड्डे के परिसर में फैल गई, जिससे गंदगी का आलम और बढ़ गया। वहीं बस स्टैंड में पड़े गहरे गड्ढों में पानी भरने से यात्रियों को काफी दिक्कतें हो रही हैं। इन गड्ढों से सरिया बाहर निकलने के कारण कई बार लोग पैर फंसने से गिरकर घायल भी हो चुके हैं। इसके बावजूद बस अड्डे की सुध लेने वाला कोई नहीं है। जाहू बस अड्डा, जो तीन जिलों को जोड़ता है, एचआरटीसी विभाग को हर महीने लाखों रुपये की आमदनी देता है, लेकिन रखरखाव की अनदेखी से यहां की स्थिति दिन-प्रतिदिन दयनीय होती जा रही है। बस अड्डे के शौचालयों की हालत भी बेहद खराब है। पानी की कोई व्यवस्था नहीं होने से गंदगी का आलम बना रहता है। यात्रियों को शौचालय जाने के लिए मुंह पर रूमाल रखकर जाना पड़ता है।

नालियां जाम होने और दुर्गंध फैलने की वजह से भी यात्रियों को बस अड्डे से गुजरना मुश्किल हो रहा है। स्थानीय लोग और यात्री लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग और सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

न्यूज ब्रीफ

दुग्ध को-ऑपरेटिव सोसायटी की बैठक कल

अनंत ज्ञान, रंगस। दुग्ध को-ऑपरेटिव सोसायटी बनाने हेतू पशुपालकों की बैठक 29 अगस्त को जोलसप्पड़ स्थित पंचायत घर में होगी। जानकारी देते हुए पशु पालन विभाग नादौन के सीनियर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप पाटिल ने बताया कि पशुपालन विभाग और मिल्क फैडरेशन के सहयोग से होने वाली इस बैठक में पशुपालकों की एक 11 सदस्यीय सोसाइटी का गठन किया जाएगा। डॉ. पाटिल ने इलाके के सभी पशुपालकों को बैठक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आहवान किया है। उन्होंने बताया कि बैठक में पशुपालकों के हित में सरकार द्वारा चलाई जा रही जनहितैषी योजनाओं की भी जानकारी दी जाएगी।

एचआरटीसी पेंशनर्स चलाएंगे जनजागरण अभियान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। एचआरटीसी पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा बिलासपुर में 11 अगस्त को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार सितम्बर महीने में पूरे हिमाचल प्रदेश में परिवहन पेंशनरों द्वारा अपनी मांगों को लेकर बस अड्डों पर जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। जिसकी शुरुआत रोहड़ू से की जाएगी। इसी कड़ी में हमीरपुर मंडल में 5 सितंबर को हमीरपुर, 7 सितंबर को घुमारवीं, 11 सितंबर को उना और 13 सितंबर को नालागढ़ में जन जागरण अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान में संयुक्त संघर्ष समिति के सदस्य अजमेर ठाकुर, प्रेम लाल ठाकुर, रमेश चंद शर्मा, हकीकत राय, ओम प्रकाश, राजेश खन्ना, नत्थू राम, रमेश जम्वाल, सुशील कुमार, किशोरी लाल तथा जगतार सिहं, हमीरपुर मंडल में प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे। अजमेर ठाकुर ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा परिवहन पेंशनरों के साथ किए जा रहे अन्याय को जनता के बीच रखेंगे। कल्याण संगठन एवं कल्याण मंच के दोनों संगठनों के सभी कार्यकर्ता इस जन जागरण अभियान में भाग लेंगे।

शिक्षकों व छात्रों ने ली नशामुक्ति की प्रतिज्ञा

शशि सोनल, अनंत ज्ञान, नादौन। राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नादौन में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ चल रही मुहिम को और सशक्त बनाने हेतु आज एक विशेष प्रतिज्ञा समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रिंसिपल, अध्यापकगण तथा छात्र-छात्राओं ने नशा-मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. अनिल कुमार गौतम ने की। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से दूर रहने की शपथ दिलाते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेलकूद एवं सकारात्मक गतिविधियों में लगानी चाहिए। इस अवसर पर नशा निवारण समिति की समन्वयक प्रो. माला शर्मा सहित प्रो. भगवती शर्मा, प्रो. रविकांत गर्ग, प्रो. रुचि, प्रो. योगेश कौंडल, प्रो. धृति शर्मा, प्रो. रजनी चौधरी, प्रो. शैलजा एवं प्रो. शिल्पा ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

मेरिट के आधार पर बीटेक की 210 सीटें आवंटित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में बुधवार को बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) के लिए स्पॉट काउंसिलिंग हुई। बीटेक की स्पॉट राउंड काउंसिलिंग में 210 अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर सीटें आवंटित की गई। जिन अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित की गई, उन्हें एक सितंबर तक संबंधित शिक्षण संस्थान में रिपोर्ट करनी होगी। 28 अगस्त को एमबीए और 29 अगस्त को एमसीए की स्पॉट राउंड काउंसिलिंग होगी। एमबीए और एमसीए की स्पॉट राउंड काउंसिलिंग संबंधित शिक्षण संस्थानों में ही प्रस्तावित है, जहां कोर्स चलता है। तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ राजेश कुमार ने कहा कि जिन विषयों में सीटें खाली रह गई है, उन्हें भरने के लिए स्पॉट राउंड काउंसिलिंग आयोजित की जा रही है। स्पॉट राउंड की काउंसलिंग के लिए पात्रता और तिथि के संबंध में डिटेल अभ्यर्थी तकनीकी विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

मतदाता सूचियों का सत्यापन 8 सितंबर तक

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल मुख्यालय भोरंज को नगर पंचायत का दर्जा देने के बाद इसकी मतदाता सूचियां तैयार करने एवं इनके सत्यापन की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। एसडीएम एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी शशि पाल शर्मा ने बताया कि नगर पंचायत भोरंज के सभी सात वार्डों में मतदाता सूचियों के सत्यापन के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों में पटवारी, पंचायत सचिव और बूथ लेवल अधिकारी शामिल किए गए हैं। ये टीमें अपने-अपने वार्डों में जाकर मतदाता सूचियों का सत्यापन करेंगी और साथ में ही वार्ड वाइज मार्किंग करेंगी तथा मतदाताओं को उनके वार्ड नंबर की जानकारी देंगी। शशि पाल शर्मा ने बताया कि यह सत्यापन प्रक्रिया 8 सितंबर तक पूर्ण कर ली जाएगी। अगर सत्यापन के बाद भी किसी पात्र मतदाता का नाम सूची में छूट जाएगा तो वह राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के आधार पर अपना नाम एसडीएम कार्यालय में जाकर दर्ज करवा सकता है। एसडीएम ने नगर पंचायत क्षेत्र भोरंज के सभी निवासियों से मतदाता सूचियों की सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग की अपील भी की है।

बराड़ा-बाकर खड्ड सड़क 12 तक बंद रहेगी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। टौणी देवी क्षेत्र की बराड़ा-पटनौण-बाकर खड्ड सड़क पर मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कार्य जारी है। इसी कारण प्रशासन ने इस मार्ग पर 12 सितंबर तक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी है। उपायुक्त अमरजीत सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा कि कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि सड़क को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहा है और यातायात की आवाजाही से कार्य प्रभावित हो सकता था। डीसी ने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर क्षेत्र के वाहन चालक समीरपुर-मतलाणा सड़क अथवा उहल-परनाली सड़क का प्रयोग करके बाकर खड्ड तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद यह सड़क और अधिक सुरक्षित तथा सुगम होगी। प्रशासन का प्रयास है कि मरम्मत कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा कर लिया जाए।

बचत भवन की दुकान की नीलामी 11 को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। उपायुक्त कार्यालय परिसर स्थित बचत भवन की प्रथम मंजिल पर बनी नई दुकान को आधे बरामदे सहित मासिक किराये पर देने के लिए 11 सितंबर को सुबह 11 बजे नीलामी होगी। एडीसी अभिषेक गर्ग ने बताया कि दुकान का क्षेत्रफल 190 वर्ग फुट और बरामदे का क्षेत्रफल 355 वर्ग फुट है। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक लोग अपने आवेदन पत्र, आधार कार्ड और राशन कार्ड सहित 10 सितंबर शाम 5 बजे तक सहायक आयुक्त व जिला बचत विकास एवं सेवा समिति के सचिव के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। दुकान का न्यूनतम आरक्षित मासिक किराया 20 हजार रुपये तय किया गया है, जिस पर जीएसटी अतिरिक्त देय होगा। सफल बोलीदाता को तीन वर्ष के लिए दुकान दी जाएगी।

करेर के अमृत सरोवर की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त, प्रशासन से समाधान की गुहार

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

करेर के अमृत सरोवर की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त।

बड़सर। भारी बरसात के कारण बड़सर उपमंडल के गांव करेर में बने अमृत सरोवर की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गयी जिसके कारण सरोवर के टूटने का खतरा बन गया है। भारी बरसात के कारण सरोवर का पानी ओवरफ्लो होकर बह रहा है, जो कभी भी टूट सकता है। हालांकि बाढ़ के खतरे के बचाव के लिए जल शक्ति विभाग, फायर ब्रिगेड, ग्रामीण राजस्व विभाग व गांव की युवा शक्ति द्वारा सरोवर के पानी के स्तर को पंप की सहायता से कम किया गया है।

ग्रामीणों द्वारा आनन फानन में सुरक्षित जगह से एक अस्थाई चैंबर द्वारा पानी को सरोवर से निकालने की कोशिश की गई, लेकिन अभी भी सरोवर में लाखों क्यूबिक पानी है, जिससे करेर के ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। इससे पहले भी 2023 में सरोवर की सुरक्षा दिवार का एक हिस्सा टूट गया था और कई वार पहले भी विभाग को इस संदर्भ में अबगत कराया गया है, लेकिन समस्या का पूरी तरह समाधान न होने के कारण ग्रामीण निराश हैं।

पांच वर्ष पहले बने इस सरोवर का कार्य अभी तक सही ढंग से पूरा नही हो पाया है। करेर ग्राम सुधार सभा के प्रधान जगदीश चंद सेवानिवृत शिक्षक, मंजीत कुमार, रमेश चंद, राजिंद्र कुमार, रमेश शर्मा, राम कुमार, ग्रामीणों द्वारा मांग की है कि सरोवर की सुरक्षा के लिए आवश्यक ठोस कार्रवाई की जाए ताकि ग्रामीणों को राहत प्रदान हो सके।

बारिश से पीडब्ल्यूडी को 4 करोड़ का नुकसान

बिझड़ी में अधिकांश सड़कें भूस्खलन, पेड़ों के गिरने और डंगों के टूटने से क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान, बड़सर

बिझड़ी से उखली वाया धंगोटा सड़क मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए खुला।

इस बार बरसात ने बिझड़ी उपमंडल में लोक निर्माण विभाग को भारी नुकसान पहुंचाया है। सब डिवीजन बिझड़ी के अंतर्गत आने वाली अधिकांश सड़कें भूस्खलन, पेड़ों के गिरने, ढंगों के टूटने और पानी के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त हो गईं। विभाग का अनुमान है कि अब तक करीब 4 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

पिछले दो-तीन दिनों से हुई मूसलाधार बारिश के चलते सड़कों पर मलबा गिरने और जगह-जगह धंसने से यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। विभाग लगातार मजदूरों और जेसीबी मशीनों की मदद से बंद सड़कों को खोलने का कार्य कर रहा है।

कड़ी मशक्कत के बाद बिझड़ी-भोटा वाया रोपड़ी, बिझड़ी-उखली वाया धंगोटा, झिरालड़ी-रोपड़ी वाया लोहड़र और धंगोटा से झोरघाट वाया वैष्णो देवी मंदिर सड़क मार्गों को बड़े वाहनों के लिए अस्थायी रूप से खोल दिया गया है।

लोक निर्माण विभाग सब डिवीजन बिझड़ी के एसडीओ सुरेश कौंडल ने बताया कि बरसात से विभाग को अब तक लगभग 4 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकांश सड़कों को जेसीबी के माध्यम से यातायात योग्य बना दिया गया है। अभी एक-दो सड़कें बंद हैं, जिन्हें भी जल्द ही खोल दिया जाएगा।

गलोड़ के भद्री गांव में पशुशाला गिरी

अनंत ज्ञान, गलोड़। गलोड़ तहसील के अंतर्गत भद्री गांव में एक पशुशाला अचानक से गिर गई। गनीमत रही कि जिस वक्त यह पशुशाला गिरी उस समय गाय को उन्होंने घर के पास अन्य पशुशाला में बांधा हुआ था क्योंकि गाय बीमार चल रही थी। इस पशुशाला में रखा सारा सामान और पशुओं के लिए रखा गया चारा सभी बर्बाद हो गया स्थानीय पंचायत प्रधान निशा शर्मा ने भी मौका देखा और पीड़ित परिवार की जिला प्रशासन से अपील की हैं तीन दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश से कई कच्चे घरों की नीम शीलन पकड़ गई है और लगातार कच्चे घरों और पशुशालाओं के गिरने का क्रम लगातार जारी है। तहसीलदार गलोड़ ने बताया कि पटवारी को मौके पर भेजा गया है पीड़ित परिवार को नियमानुसार सहायता प्रदान कर दी जाएगी।

भगवती स्कूल जलाड़ी में नौनिहालों ने 'ओह माय फ्रेंड गणेशा' पर बांधा समां

भगवती स्कूल जलाड़ी में गणेश महोत्सव पर्व पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी।

अनंत ज्ञान, नादौन

भगवती पब्लिक स्कूल जलाड़ी के छात्रों ने गणेश चतुर्थी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया। जिसमें बच्चों ने आरती (जय गणेश जय गणेश) प्रस्तुत की। नर्सरी जूनियर केजी के बच्चों ने नृत्य (ओह माय फ्रेंड गणेशा) प्रस्तुत किया।

बच्चों ने इस उपलक्ष्य पर श्रीगणेश की वेशभूषा धारण कर गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया और हमारे छोटे कलाकारों ने प्राकृतिक मिट्टी, आटे, कागज और हल्दी से बनी हस्तनिर्मित गणेश मूर्तियों का प्रदर्शन किया। भगवान गणेश बुद्धि और समृद्धि के भगवान है इसलिए इन दोनो को पाने के लिए लोग इनकी पूजा करते है। अध्यापकों में वंदना, सुदर्शन, गरिमा ने बच्चों को पूर्ण सहयोग दिया।

प्रिंसीपल आरती कटोच ने छात्रों को श्रीगणेश चतुर्थी की बधाई दी और इस पर्व की महता के बारे में जानकारी दी कि कोई भी शुभ कार्य हो तो सबसे पहले गणेश भगवान को ही याद किया जाता है। यह पर्व भगवान गणेश के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। जो माता पार्वती और भगवान शिव के प्यारे पुत्र है।

साहित्यकार राजेंद्र को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। प्रदेश के प्रसिद्ध साहित्यकार और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के भूतपूर्व संयुक्त निदेशक राजेंद्र राजन को इंडोनेशिया के बाली में आयोजित 25 वें अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में प्रतिष्ठित सच्चिदानंद त्रिपाठी सृजन सम्मान से अलंकृत किया गया है। पांडुलिपि संस्था की ओर से आयोजित इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि एवं बाली के अग्रणी समाजसेवी पद्मश्री डॉ. उदयन ने बुधवार को राजेंद्र राजन को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार के रूप में राजेंद्र राजन को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और नकद राशि दी गई है। हमीरपुर के निकटवर्ती गांव बल्ह के निवासी राजेंद्र राजन ने बाली से दूरभाष पर बताया कि उन्हें यह पुरस्कार साहित्यिक पत्रिका 'इरावती' के माध्यम से हिंदी को बढ़ावा देने तथा हिंदी साहित्य को समृद्ध करने में योगदान के लिए दिया गया है। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. उदयन ने कहा कि राजेंद्र राजन हिंदी साहित्य जगत में एक सुपरिचित नाम है। हिंदी भाषा और साहित्य के लिए इन्होंने बहुत ही सराहनीय योगदान दिया है। इस अवसर पर इरावती पत्रिका के कविता विशेषांक का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन में डॉ. सुमन बिष्ट, कृष्ण कुमार प्रजापति, जय प्रकाश सिंह, अंबिका चतुर्वेदी, रामकृष्ण राजपूत, डॉ. रत्ना सिंह, पुष्पा जोशी और हिंदी के कई अन्य नामी साहित्यकारों ने भाग लिया।

डीडीएम साई लॉ कॉलेज में छात्रों को दी फ्री कानूनी सहायता की जानकारी

डीडीएम साई लॉ कालेज में गैस्ट लैक्चर के दौरान छात्र-छात्राएं व अतिथि।

शशि सोनल, अनंत ज्ञान

नादौन। डीडीएम साई लॉ कालेज कल्लर में डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी हमीरपुर की ओर से गैस्ट लैक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रजिन्द्र सिंह (डेप्यूटी चीफ ऑफ लीगल एंड डिफेंस काउंसिल) रहे। इस अवसर पर बीएएलएलबी और एलएलबी के छात्र उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ने छात्रों को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 39-ए के तहत मुफ्त कानूनी सहायता का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि महिलाएं, अनुसूचित जाति-जनजाति, विचाराधीन कैदी और बीपीएल परिवारों को यह सुविधा प्रदान की जाती है। साथ ही छात्रों को नेशनल लोक अदालत की जानकारी भी दी गई, जो हर तीसरे महीने के दूसरे शनिवार को आयोजित की जाती है, जिसमें पक्ष आपसी समझौते से विवाद निपटा सकते हैं।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी राजेश कपिल, कार्यवाहक प्रिंसीपल विवेक कुमार और समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

प्रत्येक हिमाचली पर 1.17 लाख का कर्ज : जगत राम

अनंत ज्ञान, भोरंज

आम आदमी पार्टी ने हिमाचल प्रदेश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार पर तीखे प्रहार किए हैं। आप के भोरंज से प्रदेश प्रवक्ता जगत राम ने कहा कि हिमाचल प्रदेश अब देश के सबसे अधिक कर्जग्रस्त राज्यों में शुमार हो चुका है। ताजा आंकड़ों के अनुसार राज्य का कुल कर्ज 1,04,729 करोड़ तक पहुंच गया है, जिससे प्रदेश के हर नागरिक पर औसतन ₹1.17 लाख का बोझ आ चुका है। यह देश में अरुणाचल प्रदेश के बाद दूसरा सबसे अधिक स्तर है।

आप ने आरोप लगाया कि सरकार की वित्तीय नीतियों की नाकामी का सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। आज हालात यह हैं कि प्रदेश की कमाई का बड़ा हिस्सा शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की जगह केवल ब्याज, वेतन और पेंशन चुकाने में जा रहा है। गांव का किसान, बेरोजगार नौजवान और नौकरी की तलाश में भटकता युवा सबके सपनों पर इस कर्ज का बोझ भारी पड़ रहा है, जगत राम ने कहा। पार्टी का कहना है कि विकास कार्य ठप पड़े हैं, सड़कें, स्कूल और अस्पताल संसाधनों के अभाव में पिछड़ रहे हैं। यदि हालात ऐसे ही रहे तो आने वाली पीढ़ी जन्म लेते ही कर्जदार होगी। आप ने इसे सिर्फ आर्थिक संकट नहीं, बल्कि हर घर की रसोई, हर बच्चे की पढ़ाई और हर बुजुर्ग की दवाई पर सीधा हमला करार दिया।

सरकार कर्ज पर निर्भर रहना बंद करे : 'आप'

आप ने मांग की है कि सरकार तुरंत कर्ज पर निर्भर रहना बंद करे और राजस्व बढ़ाने के ठोस कदम उठाए। जनता के पैसे का उपयोग पारदर्शिता और जवाबदेही से किया जाए तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास को प्राथमिकता दी जाए। आम आदमी पार्टी ने जनता से वादा किया है कि वह हिमाचल को इस कर्ज़ के दुष्चक्र से बाहर निकालकर कर्जमुक्त, आत्मनिर्भर और विकासशील प्रदेश बनाने के लिए ठोस विकल्प पेश करेगी।

अनदेखी: कोटला कार्यालय में दीवारें सीलन से भरीं, छत से टपकता पानी बना खतरा

जर्जर भवन में काम करने को मजबूर बिजली कर्मचारी

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। 24 घंटे हर घर को रोशन रखने की जिम्मेदारी संभाल रहे बिजली बोर्ड कर्मचारियों की अपनी ड्यूटी आज जोखिम में बदल गई है। सब डिवीजन कोटला का 43 साल पुराना विद्युत मंडल भवन जर्जर हो चुका है। दरकती दीवारें, सीलन भरे कमरे और गिरने की कगार पर खड़ी सीढ़ियां कर्मचारियों के लिए खतरे का सबब बनी हुई हैं।

लगातार हो रही बारिश ने भवन की हालत और खराब कर दी है। लगभग हर दीवार सीलन से भीग चुकी है, जबकि छतों से रिसता पानी कंप्यूटर, उपकरण और फाइलों को नुकसान पहुंचा रहा है। कर्मचारियों को इन्हें सुरक्षित रखने के लिए बार-बार भागदौड़ करनी पड़ रही है।

स्थिति यह है कि यहां कार्यरत एसडीओ तक इन्हीं हालात में अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। उनका कहना है कि भवन की जर्जरता की जानकारी उच्चाधिकारियों तक भेज दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कर्मचारियों का कहना है कि अगर कभी कोई बड़ा हादसा हुआ तो जिम्मेदारी कौन लेगा? हिमाचल बिजली बोर्ड लिमिटेड करोड़ों का मुनाफा कमा रहा है, लेकिन कर्मचारियों की सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है। कोटला कार्यालय भवन की हालत यह है कि आम नागरिक भी इसमें प्रवेश करने से घबराते हैं। यदि शीघ्र ही मरम्मत या नया भवन निर्माण नहीं हुआ तो किसी भी समय बड़ी अनहोनी घट सकती है।

जायजा लेकर करेंगे कार्रवाई : सुनील भाटिया

इस संबंध में बड़सर मंडल के एक्सईएन इंजी. सुनील भाटिया का कहना है कि जल्द ही इन हालात का जायजा लिया जाएगा। ऐसे हालात की उनके पास कोई जानकारी नहीं है। संबंधित अधिकारी से चर्चा कर जल्द से जल्द हालात सुधारने का प्रयास करेंगे। हर कर्मचारी की सुरक्षा और सुविधा विद्युत बोर्ड की जिम्मेदारी है। जल्द ही इस संबंध में उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बिझड़ी शिफ्ट नहीं हो पाया बिजली कार्यालय

जिला हमीरपुर के ढटवाल क्षेत्र की लगभग 26 पंचायतों की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था संभाल रहा उपमंडल कोटला को तहसील मुख्यालय शिफ्ट करने की कवायद सिरे नहीं चढ़ पाई है। बता दें कि अब कोटला में 132 केवी सब-स्टेशन स्थापित हो चुका है। इसलिए यहां उपमंडल कार्यालय का कोई औचित्य भी नहीं रह गया है। बिजली बिल जमा करने या अन्य कार्यों के लिए लोगों को कोटला पहुंचने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। ढटवाल की जनता कई सालों से कोटला उपमंडल कार्यालय तहसील मुख्यालय बिझड़ी शिफ्ट करने की मांग करती आ रही है। हालांकि इसके लिए कवायद भी शुरू हुई, लेकिन सालों से यह सिरे नहीं चढ़ पाई है।

विधानसभा अध्यक्ष ने लिया गार्ड ऑफ ऑनर

सदन की कार्यवाही से पूर्व गार्ड ऑफ ऑनर लेते कुलदीप सिंह पठानिया।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के आठवें दिन विधानसभा सचिवालय पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सलामी ली। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

पठानिया ने संसदीय प्रणाली पर बच्चों से किया संवाद

स्कूली बच्चों से मिलते हुए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। सरस्वती पैराडाइज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल शिमला तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अनाडेल के छात्र-छात्राओं ने बुधवार पूर्वाह्न 10.15 बजे विधानसभा सचिवालय में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान बच्चों ने संसदीय प्रणाली, विधानसभा की कार्यप्रणाली और स्पीकर के चुनाव से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका अध्यक्ष ने विस्तार से उत्तर दिया। अध्यक्ष ने भी छात्रों से लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान और हिमाचल प्रदेश विधान सभा के इतिहास से जुड़े प्रश्न पूछे जिनका छात्रों ने उत्साहपूर्वक उत्तर देने का प्रयास किया।

हिमाचल के हर नागरिक को रोजगार और सेवाएं देना हमारी प्राथमिकता : डिप्टी सीएम

निर्धारित नीति के अनुसार दिया जा रहा पैरा वर्कर्स एवं जल रक्षकों का मानदेय

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक रोजगार और सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग में पैरा फिटर, पैरा पंप ऑपरेटर और मल्टीपर्पज वर्कर के 5,000 पदों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें आधे पद पहले ही भरे जा चुके हैं। उपमुख्यमंत्री ने तेज और सटीक अंदाज में कहा कि शेष पदों की भर्ती प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में यथासंभव जल्द पूरी की जाएगी और इसका उद्देश्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं बल्कि हर क्षेत्र में कर्मचारियों की आवश्यकता पूरी करना है।

विपक्षी विधायक रीना कश्यप ने सवाल उठाया कि पूर्व सरकार के समय कुछ विधानसभा क्षेत्रों में भर्तियों की कमी थी और वर्तमान में कितनी परियोजनाओं में स्थायी कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण आउटसोर्स कर्मचारियों पर निर्भरता बनी हुई है। अग्निहोत्री ने तुरंत जवाब देते हुए कहा कि पिछली सरकार ने कई क्षेत्रों में केवल 1,500 पद भरे थे और कई क्षेत्रों में कोई भर्ती नहीं हुई थी। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान सरकार इस अंतर को युक्तिसंगत ढंग से भर रही है और पैरा वर्कर एवं जल रक्षकों का मानदेय सरकार की निर्धारित नीति के अनुसार समय पर जारी किया जा रहा है।

जल शक्ति विभाग में विभिन्न पदों की भर्ती प्रक्रिया जारी

समाधान को दी जा रही प्राथमिकता

इस दौरान विपक्ष ने तुरंत टोकते हुए सवाल किया कि क्या यह सवाल का सही जवाब है, तो मुकेश अग्निहोत्री ने सटीक अंदाज में कहा कि हमारे लोगों को पहले ही समाधान मिल चुका है और अब उनके बारे में कुछ और बोलने की आवश्यकता नहीं है।

भाजपा विधायक अनिल शर्मा ने सवाल उठाया कि सोलर रूफटॉप की बिजली खरीद के फार्मूले में उपभोक्ताओं को किस प्रकार का नुकसान हो रहा है। मुकेश अग्निहोत्री ने तेज और स्पष्ट अंदाज में कहा कि नियामक आयोग बिजली के दाम तय करता है और बिजली बोर्ड को सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी उपभोक्ता को बिल में असुविधा हो रही है तो अधिकारियों से संपर्क कर समस्या का निवारण किया जा रहा है।

कृषि उपज मंडी समिति की दुकानों के आवंटन में अनियमितताओं पर विपक्ष का वॉकआउट

वॉकआउट करने के बाद विपक्षी पार्टी के सदस्य नारेबाजी करते हुए।

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र बुधवार को हंगामेदार रहा। सत्र के आठवें दिन, भाजपा विधायकों ने एपीएमसी (कृषि उपज मंडी समिति) की दुकानों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर सदन में विरोध प्रदर्शन किया।

कृषि मंत्री ने विपक्ष को दी चुनौती

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा सदस्यों ने आरोप लगाया कि पराला, शिलारू और टुटू मंडियों में नियमों का उल्लंघन करते हुए दुकानों का आवंटन किया गया। भाजपा के विधायकों, सुधीर शर्मा और रणधीर शर्मा ने सरकार पर अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया। कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने विपक्ष के आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई और विपक्ष से भ्रष्टाचार के सबूत पेश करने की चुनौती दी। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर, भाजपा विधायकों ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट किया। इसी बीच, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू बिहार के दौरे पर चले गए, जिससे सदन में गहमागहमी का माहौल और बढ़ गया।

सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच लगातार बढ़ रहा टकराव

इस सत्र में यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष ने वाकआउट किया। पिछले दिनों भी महंगाई भत्ता, बंद हुए उद्योगों और हिमकेयर योजना में कथित अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और नोंकझोंक देखने को मिली है।

सुक्खू सरकार का बड़ा फैसला: अब शैक्षणिक सत्र के बाद ही होगी टीचरों की रिटायरमेंट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में अब शिक्षक बीच शैक्षणिक सत्र रिटायर नहीं होंगे। यह ऐतिहासिक घोषणा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकाघाट में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने की थी। मुख्यमंत्री के इस फैसले के तुरंत बाद फाइनेंस विभाग ने भी नोटिफिकेशन जारी कर दिया। इसके तहत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष शिक्षा और मेडिकल एजुकेशन में सभी टीचर अब शैक्षणिक सत्र के अंत में ही सेवानिवृत्त होंगे।

सरकार ने रिटायरमेंट की नई तारीखें तय की हैं। शिक्षा विभाग के शिक्षक 31 मार्च 2026, हायर एजुकेशन में 31 मई 2026, मेडिकल एजुकेशन में 31 मार्च 2026, आयुष विभाग में 30 अप्रैल 2026, आईटीआई शिक्षक 31 जुलाई 2026 और पॉलिटेक्निक-इंजीनियरिंग व फार्मेसी कॉलेज के शिक्षक 30 जून 2026 को रिटायर होंगे।

रिटायरमेंट के बाद शिक्षकों को उनके अंतिम वेतन और पेंशन के बीच का अंतर मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी शिक्षक का अंतिम वेतन एक लाख रुपए है, तो उन्हें 50 हजार रुपए अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा। जो शिक्षक पुनः रोजगार नहीं करना चाहते, उन्हें 60 दिन पहले लिखित में विभाग को सूचित करना होगा। ऐसे शिक्षकों को स्वेच्छा से रिटायरमेंट लेने का विकल्प उपलब्ध होगा।

सरकार का तर्क है कि बीच सत्र में टीचरों के रिटायर होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है, इसलिए इस फैसले पर मजबूती से विचार किया गया और इसे लागू करने का फैसला लिया गया।

सितंबर में हिमाचल बनेगा पूर्ण साक्षर राज्य : शिक्षा मंत्री

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने प्रदेश की शिक्षा प्रणाली में किए गए सुधार और आगामी योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप नेशनल सर्वे में हिमाचल देश के पांचवें स्थान पर पहुंचा है। वर्ष 1947 में प्रदेश की साक्षरता दर मात्र सात प्रतिशत थी, जबकि आगामी सितंबर में हिमाचल को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया जाएगा।

स्कूलों में बच्चों की संख्या अधिक होने पर बंद करने या विलय के मामले में सरकार करेगी पुनर्विचार

शिक्षा मंत्री ने कहा कि जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या अधिक होगी, उन स्कूलों को बंद करने या विलय करने के मामले में सरकार पुनर्विचार करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य किसी भी कारण से बच्चों के लिए स्कूल बंद करना नहीं है। प्रदेश में पिछले दस वर्षों में स्कूलों के विलय की प्रक्रिया देश के अन्य राज्यों में भी अपनाई गई है। अकेले उत्तर प्रदेश में तीस हजार स्कूलों का विलय हुआ है, जबकि हिमाचल में 1353 स्कूलों को मर्ज किया गया। शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि विशेष परिस्थितियों वाले पहाड़ी इलाकों में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी और उनकी सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया

भाजपा विधायक जनक राज और राकेश जम्वाल द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में मंत्री ने बताया कि कुछ स्कूलों के बंद होने के कारण छात्रों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने पूर्व में कक्षा एक से पांचवीं तक छह लाख से अधिक बच्चों का पंजीकरण सुनिश्चित किया था, जिनमें से पांच लाख 90 हजार सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत हैं। मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है और किसी भी स्कूल को बंद करना केवल संख्या या प्रशासनिक फैसलों के आधार पर नहीं होगा।

जयराम ठाकुर ने सरकार पर लगाया एपीएमसी में करोड़ों के घोटाले का आरोप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर एपीएमसी की दुकानों की नीलामी में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले 50 से 83 हजार रुपए में नीलाम हुई दुकानों को आज मात्र 4800 रुपए में बेचा गया, जिससे सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ। उन्होंने इसे सरकार द्वारा अपने चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए उठाया गया कदम बताया।

उन्होंने कहा कि दुकानों के बेस प्राइस बहुत कम रखे गए और अधिकांश आवेदनों को रद्द कर दिया गया, जिससे केवल चुनिंदा लोगों को लाभ मिला। उन्होंने इसे एक 'संगठित लूट' करार दिया और कहा कि सरकार इस पूरी प्रक्रिया में संरक्षण दे रही है। उनके अनुसार इस कदम से प्रदेश को मिलने वाला राजस्व भारी नुकसान में चला गया।

जयराम ने बताया कि जब भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने इस मुद्दे पर प्रश्न किया, तो सरकार ने सही जवाब देने की बजाय उलझा देने वाली बातें कीं। पराला, टूटू और शिलारू मंडियों की 70 दुकानों के लिए आए 133 आवेदनों में से 63 रद्द कर दिए गए। केवल 70 आवेदन स्वीकार कर सरकार ने दुकानों को बेस प्राइस से थोड़े ही अधिक में अपने चहेतों को आवंटित किया।

हिमाचल विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

गैर-सरकारी संकल्पों पर आज होगी चर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में बुधवार को कार्य सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान, विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार, समिति सदस्य अनिल शर्मा तथा भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक व समिति सदस्य सुखराम चौधरी उपस्थित रहे। इस बैठक में आगामी सप्ताह की कार्यवाही और कार्य सूची को अंतिम रूप दिया गया।

कुलदीप पठानियां कार्य सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

बैठक में बताया गया कि इस सत्र के दौरान 21 और 28 अगस्त को गैर-सरकारी सदस्य कार्य दिवस के रूप में निर्धारित किया गया है। 21 अगस्त को नियम 101 के तहत चार संकल्प स्वीकृत हुए, जिनमें से 3 पर चर्चा हो चुकी है। शेष संकल्प पर चर्चा 28 अगस्त को होगी। यह संकल्प सदस्य जीत राम कटवाल का है, जिसमें राज्य सरकार से ईको-टूरिज्म नीति और हिमालयी पारिस्थितिकी के संरक्षण की समीक्षा की सिफारिश की गई है।

28 अगस्त के गैर-सरकारी कार्य दिवस पर तीन संकल्प सदन में लाए जाएंगे। इनमें सदस्य सुखराम चौधरी का संकल्प बरसात के दिनों में नदी-नालों और खड्डों में सिल्ट से उपजाऊ भूमि को होने वाले नुकसान की भरपाई हेतु नीति बनाने पर है। दूसरा संकल्प सदस्य विपिन सिंह परमार का है, जिसमें सरकारी सम्पत्तियों को दीर्घकालीन लीज पर देने की प्रक्रिया पर नीति बनाने की सिफारिश की गई है। तीसरा संकल्प डॉ. जनक राज प्रस्तुत करेंगे, जिसमें प्रदेश की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा नीति पर विचार करने की बात कही गई है।

हिमाचल में टोल माफी और बारिश से हुए नुकसान पर होगी उच्च स्तरीय बैठक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने बुधवार को घोषणा की कि कीरतपुर-मनाली फोर लेन राजमार्ग पर टोल शुल्क माफ करने और राज्यभर में बारिश से प्रभावित बुनियादी ढांचे के नुकसान की समीक्षा के लिए गुरुवार को विधानसभा परिसर में एक उच्चस्तरीय समिति की बैठक आयोजित की जाएगी।

अध्यक्ष ने बताया कि लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के अनुरोध पर बुलाई गई इस बैठक में एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारी, मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन सचिव और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। पठानिया ने कहा कि राज्य सरकार एनएचएआई की ओर से कोई आश्वासन नहीं दे सकती, इसलिए उन्होंने स्वयं बैठक की अध्यक्षता करने का निर्णय लिया ताकि टोल माफी के मुद्दे पर उचित रूप से निर्णय लिया जा सके। सदन में यह मामला शून्यकाल के दौरान उठा जब भाजपा विधायक त्रिलोक जम्वाल ने बताया कि लगातार बारिश ने उनके क्षेत्र में सीमेंट ट्रक, पर्यटक बस और अन्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित कर दी है। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने भी बताया कि भारी पत्थर राजमार्गों को अवरुद्ध कर रहे हैं और उन्होंने आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत टोल वसूली को निलंबित करने का आग्रह किया।

पहल | हिमाचल में देश के पहले स्टेट-स्पॉन्सर्ड बायोचार कार्यक्रम का सीएम ने किया शुभारंभ

बायोचार मिट्टी में लाएगा सुधार, नेरी में लगेगा संयंत्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की मौजूदगी में बुधवार को हिमाचल में देश का पहला स्टेट-स्पॉन्सर्ड बायोचार कार्यक्रम आरंभ किया गया। इस कार्यक्रम के तहत हमीरपुर जिले के नेरी में छह महीने के भीतर एक आधुनिक बायोचार संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

बायोचार कार्यक्रम की शुरुआत करते मुख्यमंत्री सुक्खू।

ओक ओवर, शिमला में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में डॉ. वाईएस परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश वन विभाग और प्रोक्लाइम सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओए) हस्ताक्षरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कदम बताया और कहा कि यह परियोजना जंगल में आग लगने की घटनाओं पर काबू पाने और स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने में सहायक होगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चीड़ की पत्तियां, लैंटाना, बांस और अन्य बायोमास से बायोचार का उत्पादन किया जाएगा। सीएम ने निर्देश दिए कि कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, चंबा, बिलासपुर और सोलन जिलों में इस योजना को छह महीने के भीतर लागू किया जाए। प्रोक्लाइम और वन विभाग स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे और संग्रहित बायोमास के लिए 2.50 रुपए प्रति किलोग्राम का भुगतान किया जाएगा।

इस पहल से प्रति वर्ष लगभग 50,000 श्रम दिवस का आय सृजन होने की संभावना है और प्रत्यक्ष रोजगार भी उत्पन्न होंगे। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के सहयोग से कौशल विकास कार्यक्रम और कृषि में बायोचार उपयोग पर प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाएंगे। इस 10 वर्षीय परियोजना से लगभग 28,800 कार्बन क्रेडिट उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे हिमाचल प्रदेश की हरित पहलों को मजबूती मिलेगी।

क्या है बायोचार

बायोचार एक प्रकार का कार्बनयुक्त पदार्थ है, जो जैविक अवशेषों (जैसे फसल के अपशिष्ट, लकड़ी, गोबर आदि) को सीमित ऑक्सीजन की उपस्थिति में जलाकर बनाया जाता है। यह मिट्टी के उपजाऊपन को बढ़ाने, जल धारण क्षमता सुधारने और कार्बन को लंबे समय तक जमीन में बनाए रखने में सहायक होता है। बायोचार पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि यह ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करता है और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद करता है।

न्यूज ब्रीफ

5.49 ग्राम चिट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, गगल। पुलिस थाना गगल की टीम ने चिट्टे सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। मंगलवार रात को पुलिस टीम ने गश्त के दौरान 21 वर्षीय दीपक कुमार उर्फ प्रिंस निवासी गांव कनेड, तहसील धर्मशाला से 5.49 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि आरोपी के खिलाफ गगल में मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त अभियोग में आगामी पुलिस कार्रवाई नियमानुसार प्रगति पर है।

29 से पहले जमा करवाएं बिजली के बिल

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। विद्युत उपमंडल डरोह के तहत आने वाले जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक अपने बकाया बिजली बिल का भुगतान नहीं किया है, वे उपभोक्ता 29 अगस्त से पहले अपने बकाया बिजली बिल का भुगतान कर दें। उपभोक्ता अपने बिजली बिल का भुगतान ऑनलाइन माध्यम एचपीएसईबीएल ऐप, पेटीएम, एयरटेल ऐप, गूगल पे, फोन पे और एमाजान डॉट इन से भी कर सकते हैं। बिजली बिल का भुगतान न करने पर बिना किसी सूचना के बिजली का कनेक्शन अस्थायी रूप से काट दिया जाएगा। यह जानकारी इंजीनियर सुभाष कुमार सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल डरोह ने दी है। उन्होंने जनता से बिल की समय पर भुगतान करने की अपील भी की है।

31 तक करें बिजली बिलों का भुगतान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल नंबर-2, धर्मशाला रमेश धीमान ने सूचित किया कि उपमंडल के तहत कोहाला, मटौर, अनसोली, झीयोल, मसरेहड़, सुक्कड़, तरेम्बलू, मंदल, मनेड़, वनबाला, चैतड़ू, बगली, कंद्रेड़, गंगभैरो, सकोह, चेलियां, जवाहरनगर, दाड़ी, बड़ोल, सुधेड़, सराह तथा पास्सू इत्यादि के विद्युत उपभोक्ता अपने-अपने बिलों को भुगतान 31 अगस्त तक करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बिजली का बिल जमा न होने पर बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा।

पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक 31 को

अनंत ज्ञान, शाहपुर। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की जिला कांगड़ा की शहरी इकाई शाहपुर एवं रैत की संयुक्त बैठक 31 अगस्त को अभिनंदन पैलेस शाहपुर में होगी। प्रधान शहरी इकाई शाहपुर सेठ राम ने इकाई की धारकंडी क्षेत्र, चंगर क्षेत्र एवं रैत खंड के समस्त पेंशनर्स से आग्रह किया है कि इस बैठक में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज करें। बैठक में पेंशनरों के बहुत से मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में राज्य के प्रधान सुरेश ठाकुर मुख्य अतिथि होंगे तथा पेंशनर्स के अधिकारों एवं हकों को प्राप्त करने के लिए आगे की रणनीति पर पेंशनर्स को संबोधित करेंगे।

भजनाथ गांव में मकान जमींदोज

परिवार के सभी सदस्य समय रहते निकले बाहर, सारा सामान मलबे में दबा

सालबिया शर्मा, अनंत ज्ञान

गरली। नलेटी क्षेत्र के भजनाथ गांव में बारिश ने भारी तबाही मचाई है। बुधवार सुबह पवन कुमार पुत्र चंद राम का कच्चा स्लेटपोश रिहायशी मकान ढह गया। हादसे के समय परिवार मकान के भीतर मौजूद था, लेकिन गनीमत यह रही कि सभी लोग समय रहते सुरक्षित बाहर निकल आए। घर का सारा सामान मलबे के नीचे दब गया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, 25 से 30 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार परागपुर चिराग शर्मा मौके पर पहुंचे। प्रशासन की ओर से त्वरित राहत देते हुए परिवार को पड़ोस के सुरक्षित घर में शिफ्ट करवाया। तहसीलदार ने हल्का पटवारी को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवार के नुकसान का आकलन कर तुरंत रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को राहत राशि उपलब्ध करवाई जा सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश का कहर पिछले कई दिनों से जारी है। भजनाथ के अलावा आसपास के क्षेत्रों में

नलेटी क्षेत्र के भजनाथ गांव में बुधवार सुबह कच्चा स्लेटपोश मकान ढह गया।

भी कच्चे मकानों की दीवारें दरक रही हैं और खेतों में खड़ी फसलें जलभराव के कारण बर्बाद हो रही हैं।

प्रभावित परिवार को तुरंत मुआवजा देने की उठाई मांग : ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि प्रभावित परिवारों को तुरंत मुआवजा दिया जाए और स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था की जाए। उधर, प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान एहतियात बरतें, पुराने या क्षतिग्रस्त मकानों में रहने से बचें और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन को दें।

बारिश का कहर: जिले में अब तक 78 मकान क्षतिग्रस्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

कांगड़ा जिले में बरसात ने इस बार भारी कहर बरपाया है। भारी बारिश के चलते अब तक 78 मकान जिले र में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जबकि 500 से अधिक मकानों को आंशिक तौर पर नुकसान पहुंचा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों के साथ बड़ा भंगाल में भी बरसात के चलते नुकसान हुआ है, जिसका आकलन किया जा रहा है। इसके अलावा पौंग बांध से छोड़े गए पानी के चलते निचले क्षेत्रों की कई पंचायतें प्रभावित हुई हैं।

- 500 से अधिक घरों को आंशिक नुकसान
- बड़ा भंगाल में हुए नुकसान का किया जा रहा आकलन

लोगों को जमीन बहने व फसलें बर्बाद होने से नुकसान उठाना पड़ा है, जिसका आकलन किया जा रहा है। पौंग बांध के पानी से प्रभावित 23 पंचायतों में से फतेहपुर की 6 और इंदौरा की 17 पंचायतें शामिल हैं। जलभराव की स्थिति के चलते कुल मिलाकर लगभग 500 लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है।

बरसात में अब तक 48 लोगों की मौत

डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा ने बताया कि बरसात के दौरान अब तक 48 लोगों की मौत हुई है, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों के मामले भी शामिल हैं। बरसात के दौरान जिले में लगभग 463 करोड़ रुपए का नुकसान आंका गया है, जिसमें सबसे अधिक नुकसान जल शक्ति विभाग व लोक निर्माण विभाग को हुआ है।

क्षतिग्रस्त मार्गों को बहाल करने के प्रयास

डीसी हेमराज ने बताया कि धर्मशाला के आसपास सुधेड़ और मैक्लोडगंज की ओर जाने वाले मार्गों को विशेष नुकसान पहुंचा है। प्रशासन इन सड़कों को जल्द दुरुस्त कर भारी वाहनों की आवाजाही बहाल करने के प्रयास में जुटा है। उन्होंने कहा कि राहत एवं पुनर्निर्माण का कार्य लगातार जारी है और जिला कांगड़ा की स्थिति अभी तक सामान्य बनी हुई है।

दाड़ी में पेंट स्टोर में लगी आग फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जिला मुख्यालय धर्मशाला के तहत दाड़ी के एक पेंट स्टोर में आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे 20 लाख की संपत्ति जलने से बच गई।

जानकारी के अनुसार देर रात करीब 10.58 मिनट पर अग्निशमन विभाग धर्मशाला को दाड़ी के एक पेंट स्टोर में आगजनी की घटना से संबंधित सूचना मिली। विभाग का वाहन व कर्मचारी चंद मिनटों में प्रभावित स्टोर में पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अग्निशमन विभाग धर्मशाला के अधिकारी कर्मचंद

20 लाख की संपत्ति को जलने से बचाया।

कश्यप ने बताया कि विभाग को सूचना मिलते ही विभाग के वाहन व कर्मचारियों ने मौके का दौरा किया। करीब डेढ़ घंटे के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने से 5000 रुपए के सामान को नुकसान पहुंचा है।

जलमग्न अरनी यूनिवर्सिटी में फंसे 464 स्टूडेंट्स का रेस्क्यू

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान

इंदौरा। अरनी विश्वविद्यालय इंदौरा के परिसर में पानी भर जाने से फंसे 464 छात्र-छात्राओं को प्रशासन की ओर से मंगलवार देर रात रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। गौर रहे कि पौंग बांध में जलस्तर बढ़ने से पानी छोड़े जाने पर मंड क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, जिसमें कई लोग फंसे हुए हैं। स्टूडेंट्स को सुरक्षित स्थान पर डेरा स्वामी मंदिर में भेज दिया गया है, यहां उनके रहने का पूरी तरह से प्रबंध सरकार द्वारा किया जा रहा है। अभी हालत नियंत्रण में है। प्रशासन ने लोगों से आग्रह किया कि वह सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। यदि कोई बाढ़ में फंसा है, तो तुरंत एसडीएम ऑफिस में सूचना दें। दो साल पहले भी इस यूनिवर्सिटी में बाढ़ का पानी आने जाने से काफी नुकसान भी हुआ था। वहीं, गत रात का पौंग डैम से ज्यादा छोड़ा गया, तब एसडीएम इंदौरा सुरिंदर ठाकुर द्वारा खुद मोर्चा संभाला। एनडीआरएफ की टीम को बुलाकर सभी छात्र-छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकला गया। ज्ञात रहे के ब्यास दरिया अपनी यूनिवर्सिटी से मात्र 200 मीटर की दूरी पर बहता है परंतु इस यूनिवर्सिटी के प्रबंधन को द्वारा लगातार बच्चों की जान को जोखिम में डालकर क्यों रखा गया?

- पौंग से छोड़ा पानी आ गया था परिसर में
- प्रशासन ने एनडीआरएफ बुलाकर दी राहत

अरनी विश्वविद्यालय परिसर में पानी भर जाने से फंसे 464 छात्र-छात्राओं को निकालती एनडीआरएफ टीम।

पौंग बांध में जलस्तर खतरे के निशान से 4 फुट ऊपर

अनंत ज्ञान, इंदौरा। प्रदेश में भारी बारिश के कारण ब्यास नदी उफान पर है और पानी का बहाव बहुत अधिक बढ़ रहा है। भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि पौंग बांध का जलस्तर दोपहर 1:00 तक करीब 1394 फुट रिकॉर्ड किया गया और पानी की आमद 124975 क्यूसिक थी, जबकि 94845 क्यूसिक पानी छोड़ा जा रहा है। पौंग बांध की अधिकतम क्षमता 1390 फुट है, लेकिन अब यह खतरे के निशान से 4 फुट ऊपर पानी पहुंच गया है। पानी की आमद ज्यादा होने के चलते बीबीएमबी अधिकारियों द्वारा बांध से अधिक पानी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिसके चलते ब्यास नदी के निचले क्षेत्रों इंदौरा के मंड में बाढ़ की स्थिति बन गई है। एसडीएम डॉ. सुरेंद्र ठाकुर ने बताया के आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उन्होंने स्थानीय लोगों से ब्यास नदी के किनारे बसे लोगों से भी आग्रह किया है कि वह जल्छ से जल्द सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

- पानी छोड़ने से मंड क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति

मंड क्षेत्र को किया जाए नो माइनिंग जोन घोषित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। पौंग बांध से छोड़े गए पानी से मंड क्षेत्र हर बार बरसात में प्रभावित होता है। ऐसे में इस क्षेत्र को नो माइनिंग जोन घोषित किया जाए। ब्यास का पानी भी मंड क्षेत्र में भारी तबाही करता है, ऐसे में ब्यास के दोनों किनारों पर तट बांध बनाए जाएं। मंडवासियों पर बरसात में आने वाली आफत का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। इन मांगों पर कार्रवाई न होने की सूरत में किसान सभा जिला कांगड़ा आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेगी।

- ब्यास के दोनों किनारों पर बनाए जाएं तट बांध
- मांगों पर कार्रवाई न होने पर आंदोलन करेगी किसान सभा : प्रताप

किसान सभा जिला कांगड़ा के उपाध्यक्ष प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार को इंदौरा व फतेहपुर के तहत आने वाले मंड क्षेत्र के किसानों को हर साल बाढ़ से होने वाली जान माल की क्षति को रोकने के लिए स्थाई समाधान करने का प्रयत्न करने चाहिए। इस साल आई बाढ़ में किसानों की फसल व कम से कम 300 कनाल भूमि नष्ट हो गई है। उन्होंने कहा कि हिमाचल किसान सभा के राज्य उपाध्यक्ष शौकीनी राम कपूर, जिला अध्यक्ष जगदीश जग्गी, जिला महा सचिव सतपाल सिंह व जिला उपाध्यक्ष प्रताप सिंह ने कहा कि बहुत जल्दी मंड क्षेत्र का दौरा किया जाएगा।

डीएवी तियारा में गणपति बप्पा मोरया की धूम

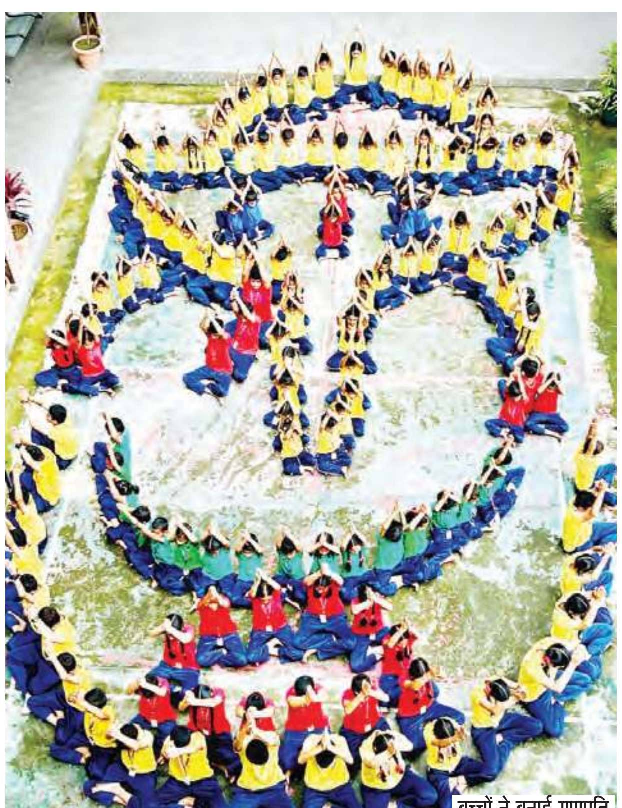
बच्चों ने बनाई गणपति की मानव श्रृखंला

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर डीएवी तियारा के विद्यार्थियों ने गणपति की मानव श्रृंखला बनाकर गणपति बप्पा मोरया का उद्घोष कर वंदना की। प्रधानाचार्या एकता अत्री ने बताया कि कक्षा एलकेजी से 11वीं तक के विद्यार्थियों ने गणपति के जयकारे लगाए। इस मानव श्रृंखला को बनाने में अध्यापक यशिंदेर, कुसुम, कुलभूषण, सनी देयोल, कविता, नीलम, शैली और संजय ने मदद की। प्रधानाचार्या एकता ने सभी विद्यार्थियों को गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में लड्डू वितरित किए गए।

हरनोटा पंचायत में आभूषण व 50 हजार की नकदी ले उड़े चोर

अनंत ज्ञान, फतेहपुर

पुलिस थाना जवाली के तहत हरनोटा पंचायत में मंगलवार रात अज्ञात चोरों ने सोने व चांदी के आभूषणों व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। हरनोटा पंचायत के ज्योर गांव निवासी बंसी लाल के घर से चोरों ने 30 तोले चांदी, तीन तोले सोना और 50 हजार रुपए की नकदी चुरा ली। अज्ञात चोर घर के पीछे की दीवार फांदकर भीतर दाखिल हुए और ट्रंक, अलमारी में रखे जेबर व नकदी चोरी कर ले गए। सुबह जब परिवार ने देखा तो घर के दरवाजे और ताले टूटे हुए थे। इसकी सूचना पंचायत प्रधान को दी गई।

- सीसीटीवी में कैद हुए चोर, पुलिस जांच में जुटी

प्रधान की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंची और घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला है, जिसमें तीन चोर सामान उठाकर ले जाते हुए कैद हुए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीएसपी जवाली वीरी सिंह ने बताया कि सीसीटीवी में तीन चोर सामान उठाकर ले जाते हुए भी सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए हैं। जल्द ही चोर पुलिस गिरफ्त में होंगे।

रूफटॉप प्लांट लगाने में प्रदेश में पहले पायदान पर जिला कांगड़ा

- 2296 ने किया आवेदन, 955 रूफटॉप प्लांट स्थापित
- 880 उपभोक्ताओं को 7.52 करोड़ रुपए की सब्सिडी जारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने कांगड़ा जिला पहले पायदान पर आंका गया है। जिलेभर से 2296 लोगों ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप प्लांट लगाने के लिए आवेदन किया था, जिनमें से अब तक 955 रूफटॉप प्लांट सयंत्र लगाये जा चुके हैं। यही नहीं इनमें से 880 उपभोक्ताओं को 7 करोड़ 52 लाख रुपए की सब्सिडी राशि भी उपभोक्ताओं को जारी कर दी गई है। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की ओर से इस महत्वाकांक्षी योजना को कांगड़ा जिला सहित प्रदेशभर में प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। इस योजना से जहां ऐसे संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली व अतिरिक्त आय का लाभ मिल रहा है। वहीं, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड को अतिरिक्त स्वच्छ बिजली उत्पादन भी प्राप्त हो रहा है। हिमाचल प्रदेश स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड की ओर से संबंधित पंचायतों तथा निकायों के क्षेत्राधिकार में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप प्लांट लगाने पर बोर्ड की ओर से संबंधित पंचायत तथा निकाय को प्रति प्लांट 1000 रुपए की प्रोत्साहन राशी का भी प्रावधान किया जाएगा।

1 किलोवॉट के लिए सरकार दे रही 33 हजार

अपने घरों की छतों पर इस प्रकार के सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने पर ऐसे घरों को 1 किलोवॉट के लिए 33,000 रुपए, 2 किलोवॉट के लिए 66,000 रुपए और 3 किलोवॉट या उससे अधिक के लिए 85,800 रुपए दिए जा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए बैंक सस्ती ब्याज दरों पर ऋण भी दे रहे हैं।

> जिले के सभी घरेलू उपभोक्ताओं से इस योजना के अंतर्गत अपने घरों में रूफ टॉप सोलर प्लांट लगवाने का लाभ उठाएं। एक ओर उपभोक्ताओं को निःशुल्क बिजली प्राप्त हो सकेगी, वहीं दूसरी ओर अतिरिक्त बिजली उत्पादन से अतिरिक्त आय भी प्राप्त होगी।
> **-अनुराग पराशर, सलाहकार, हिमाचल प्रदेश स्टेट बिजली बोर्ड लिमिटेड।**

फतेहपुर में बिजली बोर्ड के एसडीओ और जेई पर हमला

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। पुलिस थाना फतेहपुर के तहत बिजली बोर्ड के सहायक अभियंता गुरनाम सिंह व जेई शाम शर्मा पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पंकज पठानिया ने थाना फतेहपुर के शिकायत दर्ज करवाई है। 26 अगस्त रात करीब सवा आठ बजे एसडीओ और जेई, जो बिजली बोर्ड उपमंडल रे के अधिन कार्यरत हैं, अपनी कार में जागीर चौक से घर लौट रहे थे। इस दौरान एक फोन आया, जिसमें खुद को यतिन (प्रधान का बेटा) बताने वाले व्यक्ति ने कहा कि उनके घर कुदाल में पिछले तीन दिनों से बिजली नहीं है। एसडीओ द्वारा स्थिति स्पष्ट करने पर यतिन ने गाली-गलौज और धमकी देना शुरू कर दिया।

- हाथ और सिर पर आईं चोटें, गाड़ी का शीशा तोड़ा

इसके बाद फतेहपुर रोड सिहोली के पास बोलेरो रुकी, जिसमें यतिन और साहिल उतरे। यतिन ने हाथ में डंडा लिया हुआ था और उसने सहायक अभियंता व जेई पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में जेई शाम शर्मा के सिर में चोट लगी और एसडीओ गुरनाम सिंह के बाएं हाथ में चोट आई है। यतिन ने कार का शीशा भी तोड़ दिया है। एसपी नूरपुर अशोक रत्न ने कहा कि मामला दर्ज किया गया है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पीड़ित अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

बीएससी फाइनल में लंज कॉलेज का पारस कौंडल 8वें स्थान पर

अनंत ज्ञान, शाहपुर। राजकीय महाविद्यालय लंज के लिए यह गौरव का विषय है कि संस्थान के प्रतिभावान छात्र पारस कौंडल ने सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी द्वारा घोषित बीएससी अंतिम वर्ष (मेडिकल स्ट्रीम) परीक्षा के परिणामों में प्रदेशव्यापी स्तर पर आठवां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचायक है, बल्कि महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा में योगदान को भी उजागर करती है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजय शर्मा ने पारस कौंडल को इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह सफलता केवल छात्र की मेहनत और लगन का परिणाम नहीं है, बल्कि शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का भी प्रतिफल है।

तैयारी डल झील में राधाष्टमी स्नान के दौरान नहीं होगी पानी की कमी

मिनी मणिमहेश में बड़े न्हौण के लिए जलभराव शुरू

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो

धर्मशाला। पर्यटन नगरी मैक्लोडगंज की डल झील में राधाष्टमी स्नान के दौरान पानी की कमी नहीं होगी। मिनी मणिमहेश के नाम से विख्यात डल झील में राधाष्टमी के लिए जलभराव शुरू कर दिया गया है। जिला प्रशासन का कहना है कि झील में पानी के साथ जो गाद आती है, अब उसे रोकने की दिशा में कार्य किया जाएगा। राधाष्टमी पर जिलेभर के लोग डल झील में स्नान के लिए पहुंचते हैं।

झील में स्नान उपरांत झील किनारे स्थित ऐतिहासिक दुर्वेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की जाती है। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से भी तैयारियां की गई हैं। साथ ही नगर निगम धर्मशाला सहित विभिन्न विभागों का भी इसमें सहयोग लिया जाएगा। यही नहीं झील किनारे स्नान के लिए निर्मित घाटों का भी जीर्णोद्धार किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन

पर्यटन नगरी मैक्लोडगंज की डल झील में पानी के साथ आने वाली गाद रोकने पर भी कार्य होगा।

राधाष्टमी स्नान के लिए ट्रैफिक प्लान सहित सुरक्षा इंतजामों की रूपरेखा तैयार करने में जुट गया है।

पूर्व में राधाष्टमी स्नान के लिए उमड़ने वाली भीड़ के चलते घंटों जाम की स्थिति बनती रही है, लेकिन इस बार ऐसा न हो, इस दिशा में पुलिस प्रशासन योजना तैयार कर रहा है। उधर, डीसी कांगड़ा हेमराज बैरवा का कहना है कि डल झील में पानी रिसाव की समस्या को दूर कर लिया गया है। झील किनारे स्नान के लिए घाट का निर्माण करना था, उसमें कुछ काम कर दिया गया है, जबकि कुछ कार्य प्रगति पर है। मेरा मानना है कि राधाष्टमी स्नान के दौरान डल झील में इस बार पानी की कमी नहीं रहेगी। हमारा प्रयास है कि डल झील के आवास स्थित घाटों का जीर्णोद्धार करना है। झील में जो पानी आता है, उसके साथ जो गाद आती है, उसे कम करना है। इस दिशा में कार्य किया जा रहा है और भविष्य में इसके सार्थक परिणाम सबके सामने होंगे।

सदवां स्कूल के छात्र ने जापान के टोक्यो में सीखे साइंस के गुर

अनंत ज्ञान, रमन राणा, भडवार। राष्ट्रीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सदवां में बुधवार को उस समय खुशी की लहर दौड़ गई जब देवांश 12वीं कक्षा के छात्र ने विद्यालय में अपने एस्कॉर्ट टीचर लेक्चर फिजिक्स कुलजीत सिंह के साथ प्रवेश किया।

देवांश जिला कांगड़ा से अकेला छात्र था, जो देशभर के 34 विद्यार्थियों के समूह, जिन्होंने शकुरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम जापान में भाग लिया। देवांश को लेक्चर फिजिक्स कुलजीत सिंह ने प्रिंसिपल चंचला देवी के मार्गदर्शन में गाइड किया है। देवांश का मॉडल राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2025 जिसे एससीईआरटी सोलन करवाता है, में प्रथम आया था। जिसके आधार पर देवांश का शकुरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम में चयन हुआ। प्रधानाचार्य, स्टाफ व छात्रों ने बहुत गर्म जोशी से देवांश का स्वागत किया व इस सफलता पर उसे बधाई दी।

किडनी ट्यूमर से ग्रस्त मरीज का रोबोटिक सर्जरी से सफल उपचार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

फोर्टिस अस्पताल मोहाली के यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी विभाग ने हाल ही में 61 वर्षीय मरीज का सफल उपचार किया, जो बेहद जटिल कंडीशन से जूझ रहे थे। मरीज का रोबोट एसिस्टेड पार्शियल नेफ्रेक्टोमी (जिसमें ट्यूमर ग्रस्त किडनी के हिस्से को हटाया गया, जबकि शेष स्वस्थ किडनी को सुरक्षित बचा लिया गया) तथा जल वाष्प थेरेपी (वॉटर वेपर थेरेपी-रेजुम) की मदद से, जो कि प्रोस्टेट के उपचार की नवीनतम मिनीमल इन्वेसिव सर्जिकल तकनीक है, इलाज किया गया।

डॉ. रोहित डडवाल, कंसल्टेंट, डिपार्टमेंट ऑफ यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी, फोर्टिस मोहाली के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया (प्रोस्टेट ग्रंथि में नॉन कैंसरकारी ग्रोथ, जिसकी वजह से पेशाब करने में कठिनाई होती है) तथा ऊपरी मूत्र मार्ग में गंभीर परिवर्तन से पीड़ित इस मरीज पर दुर्लभ किस्म की सर्जरी कर सफल उपचार किया।

मरीज की दांयी किडनी काम नहीं कर रही थी और उनकी दूसरी किडनी में ट्यूमर था। डॉ. डडवाल ने बताया कि मरीज को रुक-रुककर और बार-बार पेशाब की शिकायत थी। मरीज का जीवन बचाने और उनके किडनी फंक्शन को सुरक्षित करने के लिए डॉ. डडवाल ने रोबोट-एसिस्टेड पार्शियल नेफ्रेक्टोमी करने का फैसला किया, जिसमें उनकी किडनी के ट्यूमर को निकाला गया, जबकि शेष किडनी को सुरक्षित बचा लिया गया। मरीज की रिकवरी के बाद उन्हें तीसरे दिन अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई। उनकी फाइनल पैथोलॉजिकल रिपोर्ट ने पूरी तरह से ट्यूमर हटने की पुष्टि की है।

धर्मशाला मंडल में तीन दिन में बहे जल शक्ति विभाग के डेढ़ करोड़

बह गई भटेड़ खड्ड के स्रोत की मुख्य पाइप लाइन, रिस्टोर करने में जुटा विभाग

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो

धर्मशाला। जिलेभर में बारिश से भारी नुकसान हुआ है। इस नुकसान से विभिन्न विभाग भी अछूते नहीं है। जल शक्ति विभाग मंडल धर्मशाला की बात करें तो विभाग को तीन दिन में डेढ़ करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है।

धर्मशाला शहर को पेयजल आपूर्ति वाली मुख्य योजना जो कि भटेड़ खड्ड पर आधारित की पूरी पाइपलाइन बरसात के चलते बह गई है, जिसे रिस्टोर करने में विभाग जुटा हुआ है। अब तक कुल मिलाकर साढ़े चार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान विभाग को उठाना पड़ा है। धर्मशाला में कई शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में एक दिन छोड़कर पीने के पानी की सप्लाई दी जा रही है। धर्मशाला शहर में बरसात में बनी पीने के पानी की अपात स्थिति को देखते हुए धर्मशाला डिवीजन ने जोनल अस्पताल धर्मशाला, सचिवालय कचहरी चौक, डिपो बाजार गर्ल्स स्कूल के पास व जवाहर नगर सकोह में हैंडपंप के बोरवेल में मोटर लगाकर पानी की अस्थायी सप्लाई की व्यवस्था कर दी है, ताकि लोगों को पीने व खाना बनाने के लिए पानी उपलब्ध हो सके।

साथ ही जोनल अस्साल में पानी न मिलने से मरीजों, जिसमें डायलिसिस के लिए पहुंचने वाले गंभीर रोगियों को भी चार घंटे की बजाय अढ़ाई से तीन घंटे की डायलिसिस हो पा रहा है, जिसमें भी राहत प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

11 योजनाएं बारिश से हुई प्रभावित

जिला मुख्यालय धर्मशाला में 11 महत्वपूर्ण पेयजल योजनाएं तीन दिन की लगातार बारिश से प्रभावित होकर बह गई हैं। धर्मशाला के समस्त शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की सप्लाई में भी परेशानी आ रही है। जल शक्ति विभाग प्रभावित पेयजल योजनाओं को दुरुस्त करने में जुटा है। धर्मशाला डिवीजन की कुल 11 पेयजल योजनाएं पूरी तरह से बाधित हुई हैं, जिसमें दो शहरी क्षेत्र धर्मशाला व जबकि नौ ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित हैं। इसमें शहर में गजेहू, नड्डी की भटेड़ व भागसू-चरान योजना, जबकि ग्रामीण में इक्कू, सालिग, बनेर, खनियारा, तगंरोटी, जदरांगल सहित आधा दर्जन के करीब अन्य योजनाएं पूरी तरह से बाधित हैं। इसमें मनूणी से अब भी गाद भरी हुई है, जबकि अन्य को आज मौसम साफ होने पर हल्का दुरुस्त किया गया है। उधर, जल शक्ति विभाग धर्मशाला डिवीजन के अधीशाषी अभियंता ई. सुमित विमल कटोच ने बताया कि भारी बारिश से पेयजल योजनाएं बाधित हुई हैं, जिन्हें दुरुस्त किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। तीन दिनों की बारिश से करीब डेढ़ करोड़ रुपए का नुकसान विभाग को हुआ है। धर्मशाला शहर में चार स्थानों पर मोटर लगाकर बोर किए गए हैंडपंप से पानी की व्यवस्था की गई है।

जमानाबाद में डंगा गिरने से महिला मंडल भवन को खतरा

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

विकास खंड कांगड़ा की पंचायत जमानाबाद में कैलाश महिला मंडल भवन के साथ लगा डंगा गिरने से महिला मंडल भवन को खतरा उत्पन्न हो गया है।

कैलाश महिला मंडल की सचिव सत्या देवी ने बताया कि भारी बारिश के चलते डंगा गिरने से महिला मंडल भवन को खतरा उत्पन्न हो गया है। जल्द से जल्द इस डंगे का निर्माण नहीं करवाया गया, तो भवन भी गिर सकता है। उन्होंने संबंधित विभाग और स्थानीय विधायक से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द इस डंगे का निर्माण किया जाए, ताकि महिला मंडल के भवन को बचाया जा सके। इस मौके पर महिला मंडल की महिलाएं मौजूद रही।

पंचायत जमानाबाद में कैलाश महिला मंडल भवन के साथ लगा डंगा गिरने से भवन को खतरा उत्पन्न हो गया है।

पूर्व विधायक काकू ने कोहाला पंचायत में लिया नुकसान का जायजा

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। पूर्व विधायक कांगड़ा चौधरी सुरेंद्र काकू ने चलो गांव की ओर अभियान के तहत कोहाला गांव में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा 12 साल से कांगड़ा विधानसभा का नेतृत्व भाजपा के हाथों में है, जिस कारण क्षेत्र विकास में पिछड़ता जा रहा है। उन्होंने कोहाला पंचायत में बरसात से हुए नुकसान का जायजा भी लिया। गांव में बरसात से 22 घरों के रास्ते टूट चुके हैं, जिन्हें बनवाने का आश्वासन जनता को दिया।

शाहपुर उपमंडल में गोशाला व घर ढहने से लाखों का नुकसान

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर उपमंडल के तहत भारी बारिश के चलते पिछले 24 घंटे में दो घर, तीन पशुशाला और तीन रसोई घर ढहने सहित मक्की की फसल तबाह हो गई, जिससे तीन लाख 90 हजार रुपए का नुकसान हुआ है।

एसडीएम शाहपुर करतार चंद ने बताया कि भारी वर्षा से रविंद्र कुमार निवासी हथोड़ उपतहसील दरिनी की गोशाला को 20 हजार, मोती लाल निवासी भलेड़ उपतहसील दरिनी की रसोई को 5 हजार, संजीव कुमार निवासी तहल उपतहसील दरिनी का पक्का मकान एक लाख रुपए, अमरनाथ निवासी रिर्कमार उपतहसील दरिनी के कच्चे मकान को एक लाख, तिलक राज निवासी काकड़ा उपतहसील दरिनी की मक्के की फसल तबाह हुई, जिससे उन्हें दस हजार रुपए का नुकसान हुआ है।

इसके अलावा ललिता देवी निवासी चढ़ी तहसील शाहपुर की रसोई को 20 हजार रुपए, सविता देवी निवासी चड़ी तहसील शाहपुर की रसोई को क्षति से 20 हजार रुपए, केवल कुमार निवासी ऊनी तहसील शाहपुर की गोशाला को क्षति से 15 हजार तथा चतरो देवी निवासी नेरटी तहसील शाहपुर की गोशाला क्षतिग्रस्त होने से एक लाख रुपए का नुकसान होने का आकलन किया गया है।

कृषि विवि की शोधार्थी डॉ. हेमलता ने देश में एआरएस परीक्षा में झटका शीर्ष स्थान

अनंत ज्ञान, पालमपुर। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय (सीएसकेएचपीकेवी) के सब्जी विज्ञान विभाग की पीएचडी शोधार्थी डॉ. हेमलता ने कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली की ओर से आयोजित कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। रायसन (कुल्लू जिला) के खरका गांव की मूल निवासी डॉ. हेमलता ने 2023 में डॉ. अखिलेश शर्मा के मार्गदर्शन में सब्जी विज्ञान विभाग में मिर्च हेटेरोसिस प्रजनन पर केंद्रित अपनी पीएचडी पूरी की थी। वे अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरु के निरंतर मार्गदर्शन के साथ-साथ अपने माता-पिता, मीरा देवी और धर्म चंद के प्रोत्साहन और आशीर्वाद को देती हैं। वर्तमान में वह हैदराबाद स्थित एनएएआरएम में प्रशिक्षण ले रही हैं और जल्द ही आईसीएआर संस्थान में अपना करियर शुरू करेंगी। कुलपति डॉ. नवीन कुमार ने बधाई दी ओर कहा कि यह उपलब्धि को कृषि विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि इतनी प्रतिष्ठित परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करना एक मील का पत्थर है, जो अन्य छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा। डॉ. हेमलता की सफलता उनके समर्पण और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाती है, साथ ही भविष्य के विद्वानों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान में अपनी पहचान बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

होलीस्टिक प्रोग्रेस कार्ड का फाइनल प्रारूप तैयार

अब स्वीकृति को जाएगा प्रदेश सरकार के पास, मंजूरी मिलने पर विकसित होगा ऑनलाइन प्लेटफार्म

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड में चल रही कार्यशाला में होलीस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (एचपीसी) का फाइनल प्रारूत तैयार कर लिया गया है। इसे अब स्वीकृति के लिए सरकार के पास भेजा जाएगा। सरकार से स्वीकृति मिलने उपरांत एचपीसी को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर विकसित किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड मुख्यालय में आयोजित की जा रही छह दिवसीय कार्यशाला के पहले तीन दिन एचपीसी पर विचार मंथन किया गया, जिसमें प्रदेशभर के 66 के विषय विशेषज्ञों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। गौरतलब है कि एचपीसी के लांच होने उपरांत 9वीं से बारहवीं कक्षा तक बच्चे की चार साल की उपलब्धियों व कमियों को जानना आसान हो जाएगा। होलीस्टिक प्रोग्रेस कार्ड में बच्चे की बेसिक, हेल्थ, एकैडमिक इन्फोर्मेशन होगी। इसके अलावा बच्चा स्कूल में पढ़ाई के साथ जिन भी गतिविधियों में भाग लेता है, उसका क्रेडिट बच्चों को न दिया जाता था और न ही बच्चों की ऐसी गतिविधियां रेफलेक्ट होती थी। होलीस्टिक प्रोग्रेस कार्ड में बच्चों के व्यक्तित्व का 360 डिग्री आकलन किया जा सकेगा। एचपीसी 9वीं से बारहवीं कक्षा के बच्चों का बनाया जाएगा, जिसमें उनके हेल्थ सहित हर प्रकार की गतिविधियों की जानकारी व परफार्मेंस का डाटा उपलब्ध होगा।

उधर, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि होलीस्टिक प्रोग्रेस कार्ड का बुधवार को फाइनल प्रारूप तैयार कर लिया गया है, जिसे अब जल्द प्रदेश सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदेश सरकार की स्वीकृति मिलने के बाद एपीसी का ऑनलाइन प्लेटफार्म विकसित किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड मुख्यालय में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के पहले तीन दिन एचपीसी पर विचार मंथन किया।

चरस तस्कर को नौ माह की सजा, 30 हजार रुपए जुर्माना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

मादक पदार्थ अधिनियम एनडीपीएस के तहत चरस तस्करी करने वाले आरोपी को दोषी पाए जाने पर विशेष न्यायायल पालमपुर की ओर से नौ माह का कारावास एवं 30 हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। चार मार्च 2021 को थाना भवारना में पंजीकृत एनडीपीएस एक्ट से संबंधित एक अभियोग में विशेष न्यायालय पालमपुर ने उक्त फैसला सुनाया है। न्यायालय ने अभियुक्त सुनील कटोच उर्फ लक्की पुत्र दिलबाग सिंह, निवासी गांव व डाकघर रिट, तहसील जयसिंहपुर जिला कांगड़ा को दोषी पाते हुए नौ महीने के कारावास तथा 30 हजार रुपए के आर्थिक दंड की सजा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार है कि चार मार्च 2021 को दिन के समय के पास खैरा की तरफ से आने-जाने वाली गाड़ियों को चेक करते समय एक आल्टो कार में सवार सुनील कटोच उर्फ लक्की से 130 ग्राम चरस बरामद की थी। तत्पश्चात अभियोग पंजीकृत कर गहन एवं गुणवत्तापूर्ण अन्वेषण उपरांत अंतिम रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की गई, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने अपना निर्णय सुनाया है। इस अभियोग में स्वतंत्र गवाहों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही, जिन्होंने न्यायालय में महत्वपूर्ण तथ्यों को सामने लाकर न्याय की दिशा में योगदान दिया।

उधर, पुलिस विभाग कांगड़ा के पुलिस अधीक्षक अशोक रत्न ने बताया कि पुलिस नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने सभी जागरूक एवं उत्तरदायी नागरिकों से अपील की है कि नशे के खिलाफ इस मुहिम में पुलिस का सहयोग करें और अपने क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने में भागीदार बनें।

पंचरुखी में गणेश उत्सव की धूम, मूर्ति की स्थापित

अजय पाल, अनंत ज्ञान

पालमपुर। गणेश चतुर्थी पर पंचरुखी के अपर बाजार में दक्षता फाउंडेशन, स्थानीय युवाओं और महिलाओं के सहयोग से भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। यह दक्षता फाउंडेशन द्वारा आयोजित तीसरा गणेश महोत्सव है। फाउंडेशन के अध्यक्ष सुमित धीमान ने बताया कि पिछले वर्ष के सफल आयोजन से प्रेरित होकर इस बार महोत्सव को और बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है।

महोत्सव का उद्घाटन दक्षता फाउंडेशन के सभी सदस्यों और गणेश उत्सव के सचिव केवल कृष्ण ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा, बुजुर्ग ने भाग लिया। महोत्सव के मुख्य आकर्षण में 5 सितंबर को होने वाली सांस्कृतिक संध्या शामिल है, जिसमें लोकप्रिय कलाकार अमित मित्तू अपनी प्रस्तुति देंगे। इस कार्यक्रम में खेल मंत्री यादवेंद्र गोमा विशेष अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। 6 सितंबर को सुबह 9 बजे हवन, 11:30 बजे से 2:30 बजे तक विशाल भंडारा और दोपहर 3:30 बजे भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। फाउंडेशन के अध्यक्ष सुमित धीमान ने बताया कि दक्षता फाउंडेशन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। हाल ही में फाउंडेशन ने पंचरुखी में एक नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया था, जिसमें लगभग 200 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। धीमान ने भविष्य में ऐसे और सामाजिक कार्य जारी रखने की बात कही और लोगों से फाउंडेशन का सदस्य बनकर समाज सेवा में योगदान देने की अपील की।

पंचरुखी के अपर बाजार में दक्षता फाउंडेशन, युवाओं और महिलाओं के सहयोग से भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई।

जमानाबाद में भी मंत्रोच्चाण के साथ गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। उपमंडल कांगड़ा में जगह-जगह गणेश उत्सव के महोत्सव पर गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंज उठा। कांगड़ा में कई घरों और मंदिरों में गणपति बप्पा की मूर्ति की स्थापना की गई और भजन-कीर्तन इत्यादि किए गए। जमानाबाद के वार्ड-5 शिव मंदिर में गणपति बप्पा की मूर्ति मंत्रोच्चाण के साथ स्थापित की गई। श्याम क्लब और गांववासियों के सहयोग से गणेश की मूर्ति स्थापित की जाती है। पंचायत प्रधान कुलदीप चौधरी ने पूजा-अर्चना कर मूर्ति को स्थापित किया। वहीं, पुराना कांगड़ा के जंजघर में भी गणेश भगवान की मूर्ति स्थापित की। पुराना कांगड़ा में ढोल-नगाड़ों व पूजा-अर्चना के साथ श्री गणेश भगवान की मूर्ति स्थापना की गई। मूर्ति स्थापना के बाद लड्डू का प्रसाद बांटा गया।

केंद्रीय संस्कृत विवि में खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का समापन

सालबिया शर्मा, अनंत ज्ञान, गरली। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेदव्यास परिसर में आयोजित 10 दिवसीय खगोलीय यंत्र निर्माण कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला का उद्देश्य ज्योतिष जगत की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करना तथा विद्यार्थियों में यंत्र निर्माण संबंधी व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना था। कार्यशाला के संयोजक डॉ. मनोज श्रीमाल ने बताया कि यंत्रों का निर्माण विशेषज्ञों की देखरेख में किया गया, जिससे विद्यार्थियों में कौशल-विकास और प्रयोगशीलता की भावना उत्पन्न हुई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. विजेंद्र कुमार शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. रामेश्वर शर्मा एवं अध्यक्ष प्रो. सत्यम कुमारी रहीं। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। छात्रों द्वारा निर्मित यंत्रों की एक आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी के मार्गदर्शन में इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

बैजनाथ शिवनगरी में गणेश उत्सव का आगाज, शोभायात्रा भी निकाली

बैजनाथ शिव मंदिर पार्किंग 5 सितंबर तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान

बैजनाथ। शिवनगरी बैजनाथ में बुधवार से गणेश महोत्सव का आगाज हो गया। सैकड़ों की संख्या में गणेश भक्तों ने शोभायात्रा हिस्सा लिया। गणेश महोत्सव के शुरू होने के बाद अगले 10 दिनों तक बैजनाथ नगरी गणेश महिमा के रंग में रंगी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि बैजनाथ शिव मंदिर पार्किंग और पंडोल रोड पर बुधवार से अगले 5 सितंबर तक रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहेगा। इसमें प्रदेशभर के कई नामी कलाकार अपनी अपनी सुरीली आवाज से श्रद्धालुओं का मनोरंजन करेंगे। गणेश उत्सव पंडोल रोड पर गणेश महोत्सव करवाने वाले मनोज कपूर और अन्य सदस्यों ने बताया कि पहली बार बैजनाथ में उनके द्वारा अष्ट धातु से बनी गणेश की प्रतिमा को रखा गया है। उन्होंने कहा कि इन 10 दिनों तक यह मूर्ति पंडाल में लोगों को पूजा-अर्चना तथा दर्शनों के लिए रखी गई है 11 में दिन 6 सितंबर को नगर परिक्रमा करने के बाद इस मूर्ति को विशेष तौर पर बनाए गए मंदिर में स्थापित कर दिया जाएगा। वहीं, सैकड़ों भक्तों ने बैजनाथ के मुख्य बाजार में परिक्रमा कर प्रतिमाओं को गणेश पंडाल में स्थापित किया। उधर, बैजनाथ मंदिर पार्किंग में गणेश महोत्सव करवाने वाले राजेश राजू और अन्य सदस्यों ने बताया कि गणेश महोत्सव को धूमधाम से मनाया जा रहा है ।

कार्यप्रणाली में दक्षता, पारदर्शिता रखना अनिवार्य

केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर शाहपुर में राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम

प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय कर्मयोगी अभियान के तहत हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में राष्ट्रीय कर्मयोगी जनसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसका उद्देश्य कर्मचारियों को सरकारी सेवा के प्रति उत्तरदायी, संवेदनशील और दक्ष बनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. नरेंद्र सांख्यान, कुलसचिव ने शिरकत करते हुए कहा कि आज के समय में सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली में दक्षता, पारदर्शिता और नागरिक हित को सर्वोपरि रखना अनिवार्य हो गया है। कर्मयोगी बनने का अर्थ केवल कार्य करना नहीं, बल्कि सेवा भाव और नैतिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करना है।

उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सराकर के इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय से 3 कर्मियों को प्रशिक्षण लेने के लिए दिल्ली भेजा गया था। उक्त कर्मियों ने दिल्ली में तीन दिनों तक गहन प्रशिक्षण हासिल किया है, जो कि अब अपने अनुभवों से विश्वविद्यालय के कर्मियों को अवगत करवा रहे हैं। उक्त मास्टर ट्रेनर अब निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में कार्यशाला के माध्यम से सभी शैक्षणिक एवं शिक्षकेतर कर्मियों को आदर्श कर्मयोगी बनने के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

खेलकूद नवोदय स्कूल पपरोला में राष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा संपन्न

हैदराबाद संभाग ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान

बैजनाथ। जवाहर नवोदय विद्यालय कांगड़ा (पपरोला) में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का समापन पर समारोह का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में ओवरऑल ट्रॉफी हैदराबाद संभाग टीम को प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम बैजनाथ संकल्प गौतम ने शिरकत की।

कार्यक्रम में एसके तिवारी, सहायक आयुक्त, नवोदय विद्यालय समिति क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़, पीएस राणा (सेवानिवृत्त उपायुक्त नवोदय विद्यालय समिति) विशेष अतिथि के रूप में तथा नवोदय विद्यालय समिति के विभिन्न अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के समर्पित संगीत प्रवक्ता नरेंद्र सिंह (टीजीटी संगीत) के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई आकर्षक पहाड़ी नाटी ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए गए।

वहीं, बालिका वर्ग में अंडर-14 प्रथम हैदराबाद संभाग, द्वितीय पटना संभाग, अंडर-17 प्रथम हैदराबाद संभाग, द्वितीय लखनऊ संभाग, अंडर-19 में प्रथम जयपुर संभाग, द्वितीय पुणे संभाग, बालक वर्ग में अंडर-14 में प्रथम हैदराबाद संभाग, द्वितीय जयपुर संभाग, अंडर-17 में प्रथम हैदराबाद संभाग, द्वितीय पटना संभाग, अंडर-19 में प्रथम हैदराबाद संभाग, द्वितीय पटना संभाग रहा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य राजेश शर्मा ने उपस्थित सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

हैदराबाद संभाग टीम को ओवरऑल ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दावा: कुत्ते के काटने से पागल व्यक्ति घर से भागा, सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। डाडासीबा के बढलठोर क्षेत्र से जुड़ी एक सनसनीखेज पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हड़कंप मचा दिया है। पोस्ट में दावा किया कि कुत्ते के काटने से पागल हो चुका एक व्यक्ति अपने घर से भाग गया है और किसी को भी नुकसान पहुंचा सकता है। पोस्ट में लिखा कि जैसे ही यह व्यक्ति नजर आए, तुरंत पुलिस को सूचना दी जाए। यह खबर फैलते ही गांवों में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। अब तक इस मामले की कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है। स्थानीय लोग इसे महज अफवाह मान रहे हैं, मगर सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट से सब सहम गए हैं। इस पूरे मामले पर डाडासीबा थाना प्रभारी मदन मोहन ने कहा कि पुलिस के पास इस तरह की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। अगर सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट वायरल हुई है, तो उसकी जांच की जाएगी और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

राजधानी में तहबाजारियों का फूटा गुस्सा

डीसी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन, पंजीकरण और सत्यापन में आठ दस्तावेजों की शर्त का किया विरोध

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। शिमला की सड़कों पर मंगलवार को एक अलग ही नज़ारा देखने को मिला। रेहड़ी-फड़ी तहबाजारी यूनियन से जुड़े सैकड़ों लोग सीटू के नेतृत्व में डीसी ऑफिस के बाहर जमा हो गए। गगनभेदी नारों के बीच तहबाजारियों ने नगर निगम शिमला की उस शर्त का विरोध किया जिसमें पंजीकरण और सत्यापन के लिए आठ तरह के दस्तावेज़ मांगे जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने साफ़ कहा कि वे आधार कार्ड से इतर कोई दस्तावेज़ जमा नहीं करेंगे और यदि यह शर्त वापस न ली गई तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा।

यूनियन पदाधिकारियों विजेंद्र मेहरा, दर्शन लाल, राकेश सलमान सहित अन्य नेताओं ने चेताया कि तहबाजारियों को तंग करने की नीयत से बनाई गई इन शर्तों को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। उनका कहना था कि देशभर में हर व्यवस्था आधार कार्ड से जुड़ी है, ऐसे में आठ तरह के दस्तावेज़ मांगना न सिर्फ़ अव्यावहारिक है बल्कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 का उल्लंघन भी है। यूनियन ने निर्णय लिया है कि कोई भी तहबाजारी आधार कार्ड के अलावा अन्य दस्तावेज़ पेश नहीं करेगा।

जब्ती और जुर्माने पर भी जताई नाराजगी: प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि लक्कड़ बाज़ार और आईजीएमसी के आसपास काम करनौ वाले तहबाजारियों को लगातार परेशान किया जा रहा है। खाने-पीने के ठेले वालों के गैस चूल्हे और स्टोव जब्त किए जा रहे हैं और उन पर प्रतिदिन हजार रुपए का जुर्माना लगाया जा रहा है। यूनियन नेताओं ने इसे सीधे-सीधे स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट का उल्लंघन करार देते हुए तुरंत बंद करने की मांग की है।

रेहड़ी-फड़ी वाले सीटू के बैनर तले डीसी ऑफिस के बाहर जोरदार प्रदर्शन करते हुए।

समाधान की मांग और आंदोलन की चेतावनी

यूनियन ने जोर देकर कहा कि तहबाजारियों की समस्याओं के हल के लिए टाउन वेंडिंग कमेटी की नियमित बैठकें अनिवार्य रूप से करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि छह महीने से लगातार उन्हें शहर के अलग-अलग इलाकों से हटाया जा रहा है, लेकिन वैकल्पिक जगह नहीं दी जा रही। नतीजतन उनका रोज़गार प्रभावित हो रहा है। नेताओं ने सरकार और प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट को सख़्ती से लागू कर प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए और बेदखली की कार्रवाई नहीं रोकी गई तो वे विधानसभा और सचिवालय का घेराव करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

रैबीज निदान के लिए पशु चिकित्सकों ने लिया ब्रेन सैंपल संग्रहण का प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

पशुओं में रैबीज़ निदान के लिए ब्रेन सैंपल संग्रहण पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण का आयोजन आज राज्य पशु चिकित्सालय शिमला में किया गया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग, हिमाचल प्रदेश के निदेशक डॉ. संजीव धीमान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए दस से अधिक पशु चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अनिल कुमार शर्मा, जिला नोडल अधिकारी (रैबीज़ सर्विलांस), शिमला ने किया, जबकि तकनीकी सत्रों का संचालन डॉ. अनुज बाली ने किया। उप निदेशक, एनिमल हेल्थ/ब्रीडिंग, शिमला-5 ने कहा कि शिमला की यह पहल पूरे प्रदेश और देश के लिए एक मिसाल है।

मुख्य अतिथि डॉ. संजीव धीमान ने कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केंद्रों और प्रयोगशालाओं में होना चाहिए ताकि मैदान स्तर पर क्षमता निर्माण को प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने शिमला में चल रहे 'रैबीज़ मुक्त शिमला' सामूहिक कुत्ता टीकाकरण अभियान की भी सराहना की, जिसे ह्यूमेन पीपल एनजीओ (रामपुर), मिशन रैबीज़ इंडिया, नगर निगम शिमला और अन्य संस्थाओं के सहयोग से डॉ. अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मॉडल को शीघ्र ही पूरे हिमाचल प्रदेश में लागू किया जा सकता है।

सामूहिक एवं निरंतर प्रयास जरूरी: डॉ. अनिल

डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि रैबीज़ के निदान और नियंत्रण में पशु चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि यह रोग एक गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौती है और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक एवं निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

पेड़ों को बचाना हमारा कर्तव्य: पठानिया

पौधरोपण कार्यक्रम में उपमुख्य सचेतक ने युवाओं से की अपील

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने युवाओं से पेड़ों और जंगलों के संरक्षण के लिए आगे आने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि पेड़ों को बचाना हम सभी का कर्तव्य है, और यह सुनिश्चित करना बहुत ज़रूरी है कि हम इन पौधों और जंगलों की देखभाल करें। वह अलख प्रकाश गोयल (एपीजी) शिमला विश्वविद्यालय में आयोजित एक पौधारोपण कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहाँ महाधिवक्ता अनुप रतन भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

पठानिया ने कहा कि राज्य सरकार ने हिमाचल की समृद्ध जैव विविधता की रक्षा और संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत, 2030 तक वनों को 30 फीसदी बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में महिला मंडल, युवा मंडल, स्वयं सहायता समूह और संयुक्त वन समितियाँ मिलकर 1 से 5 हेक्टेयर वन भूमि पर 5 वर्षों तक पौधारोपण और उनकी देखभाल करेंगी।

इसके लिए सरकार ने 100 करोड़ का बजट भी आवंटित किया है। इस साल, राज्य में 1,000 से 1,500 हेक्टेयर जंगल भूमि पर लगभग 20 करोड़ की लागत से पौधारोपण किया जा रहा है। सरकार पौधों की देखभाल के लिए प्रति हेक्टेयर 1.2 लाख की अतिरिक्त राशि भी प्रदान कर रही है। ये प्रयास न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे बल्कि हरित और व्यवस्थित जंगल क्षेत्र बनाकर पर्यावरण-प्रेमियों को आकर्षित करेंगे, जिससे टिकाऊ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में उप मुख्य सचेतक ने अखरोट का पौधा लगाया, जबकि महाधिवक्ता ने बाण का पौधा रोपा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. रमेश चौधरी, रजिस्ट्रार आर. एल. शर्मा, शिक्षक और छात्र भी उपस्थित थे।

महिला मंडल घरशाल ने चलाया एक दिवसीय सफाई अभियान

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। ग्राम पंचायत अढाल के तहत महिला मंडल घरशाल (बटाड़ी) द्वारा गांव में एक दिवसीय सफाई अभियान चलाया गया। प्रधान अरुणा शर्मा की अगुवाई में सभी महिलाओं ने गांव के रास्तों में उगी घास व खरपतवार को उखाड़ा। इस दौरान उन्होंने ग्राम वासियों को सफाई का संदेश भी दिया। अरुणा शर्मा ने कहा कि आगामी चार दिन बाद गांव में रोहड़ू क्षेत्र का मशहूर मेला अढाल-बटाड़ी मेला शुरू हो रहा है। जिसमें भारी संख्या में लोग मौजूद रहेंगे।

केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान ने मनाया 77वां स्थापना दिवस

आलू अनुसंधान से खेती में क्रांति और उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिक व किसान सम्मानित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला ने बुधवार को अपना 77वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उपनिदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह मुख्य अतिथि रहे, जबकि मेयर सुरेंद्र चौहान और मशरूम अनुसंधान निदेशालय सोलन के निदेशक डॉ. वीपी शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

संस्थान के निदेशक डॉ. ब्रजेश सिंह ने बताया कि संस्थान अब तक 76 आलू की किस्में विकसित कर चुका है और जल्द ही चार नई किस्में भी किसानों को उपलब्ध होंगी। आलू उत्पादन, भंडारण और प्रसंस्करण से जुड़ी तकनीकों ने भारत को विश्व के अग्रणी उत्पादक देशों में ला खड़ा किया है। कार्यक्रम में 'बेस्ट वर्कर अवार्ड' संस्थान के चार कर्मचारियों को दिया गया और राज्य के 27 कृषकों को उत्कृष्ट कृषक सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया तथा आलू अनुसंधान व आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी भी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि ने कहा कि अनुसंधान के कारण ही आलू अब केवल पहाड़ी क्षेत्रों तक सीमित न रहकर पूरे देश में उगाया जा रहा है और भारत आज आलू उत्पादन में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है।

केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान में स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ करते हुए अधिकारी।

अडानी ने बढ़ाए सेब खरीद के दाम, बागवानों को राहत

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

बारिश व नुकसान के बीच बढ़ोतरी से मिली उम्मीद

कुमारसैन। बागवानों के लिए राहत भरी खबर है। अडानी एग्रीफ्रेश लिमिटेड ने सेब के दामों में पांच रुपए तक की बढ़ोतरी कर दी है। यह दरें 26 अगस्त 2025 से लागू होकर अगली तिथि तक मान्य रहेंगी। इस फैसले से बागवानों को मौजूदा मौसम में थोड़ी आर्थिक मजबूती मिलने की उम्मीद है। अदानी के क्वालिटी डिवीजन में कार्यरत कर्मचारियों से मिली जानकारी के अनुसार नई दरें कुमारसैन बिथल रामपुर, रोहड़ू, जरोल टिक्कर और टुट्टुपानी (जिला शिमला) तथा किन्नौर रिकांगपियो स्थित सीए स्टोर्स पर लागू कर दी गई हैं।

नई सेब रेट लिस्ट: स्पेशल रॉयल प्रीमियम क्वालिटी (80-100 फीसदी रंग), एलएमएस - 90, ईएस - 75, ईईएस - 60, पीत्तु - 50, ईएल - 45, सुप्रीम क्वालिटी (60-80% रंग), एलएमएस - 70, ईएस - 55, ईईएस - 40, पीत्तु - 30, ईएल-30, अन्य श्रेणियाँ 60 प्रतिशत रंग (सभी आकार) व 0-100 प्रतिशत ईईएल-5, रॉयल अंडर साइज-25, गिरा हुआ सेब- 20। अदानी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यह दरें केवल उत्तम गुणवत्ता वाले सेबों पर ही लागू होंगी।

इस बढ़ोतरी से बागवानों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। उनका कहना है कि लगातार बारिश, भूस्खलन, सड़कों की समस्याएँ और मौसम की मार से इस बार उत्पादन व आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई थी। लागत बढ़ने और परिवहन में मुश्किलों के बीच उन्हें बेहतर दाम की सख्त जरूरत थी।

बागवानों का मानना है कि अदानी की ओर से की गई यह पहल उन्हें बाजार में प्रतिस्पर्धी मूल्य दिलाने में मदद करेगी। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा बल्कि भविष्य में बागवानी क्षेत्र को और मजबूती भी मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

बेतुकी बयानबाजी कर रहे हैं पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग : कांग्रेस

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग खुद को राजनीतिक रूप से जिंदा रखने के लिए बेतुकी बयानबाजी कर रहे हैं। एपीएमसी के चेयरमैन व नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष सतपाल, पूर्व अध्यक्ष दया राम, पूर्व अध्यक्ष गीता महाजन व बिनोद सेठी ने कहा कि घुमारवीं शहर में पुराना बस अड्डा के करीब जो मकानों को भूस्खलन से खतरा पैदा हुआ है, उसके लिए राजेंद्र गर्ग सीधे रूप से जिम्मेदार हैं, क्योंकि उनके कारण ही आज ये लोग संकट में हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में सीर खड्ड पुल से मेला मैदान तक सड़क बनाने के लिए डेढ़ करोड़ की राशि जारी हुई थी, लेकिन उस पैसे में से लगभग एक करोड़ रुपए भू-मालिकों को दिए गए और पचास लाख के करीब पैसे सिर्फ अपने चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए कटिंग पर खर्च कर दिए। उन्होंने कहा कि इतनी संवेदनशील जगह पर आपने न डंगे लगाए और न ही कल्वर्ट बनाए जिस कारण ये परिवार खतरे की जद में आ गए। इन सभी नेताओं ने कहा कि सीर खड्ड पर जो चैक डैम लगाया गया है, वह घुमारवीं शहर के लिए वरदान साबित हुआ है, जिसके लिए हम तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी का धन्यवाद करते हैं।

बिलासपुर में श्रीराम नाटक के मंचन का पूर्वाभ्यास शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जागो हे, नाथ नारायण जागो, जागो हे, भगवान विष्णु की स्तुति के साथ ही श्रीराम नाटक के मंचन का पूर्वाभ्यास शुरू हो गया। 22 सितंबर से शुरू होने वाले श्रीराम नाटक के मंचन का पूर्वाभ्यास डियारा स्थित श्री हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ। श्रीराम नाटक समिति के महासचिव सुनील पंवर, निर्देशक अश्वनी शर्मा, अनिल मैहता, राम व हनुमान का अभिनय कर रहे नवीन सोनी व अंश सोनी ने प्रभु श्री राम और हनुमान जी की पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत इस वर्ष होने वाले श्री राम नाटक के मंचन और दशहरा पर्व को सफल बनाने के लिए भी मंथन किया गया। इसमें सदस्यों ने श्री राम नाटक को और बेहतर करने के लिए अपने- अपने सुझाव दिए। समिति के महासचिव सुनील पंवार ने बताया कि इस बार श्री राम नाटक को और बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करने के लिए सभी से सुझाव लिए गए। उन्होंने बताता कि श्रीराम नाटक का मंचन 3 सितंबर को प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ संपन्न होगा। श्री राम नाटक समिति के कोषाध्यक्ष सुखदेव ने बताया कि श्री राम नाटक का मंचन प्रतिदिन शाम 9:30 बजे से नगर परिषद के प्रांगण में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष दशहरा पर्व का आयोजन श्री राम नाटक समिति डियारा द्वारा छात्र पाठशाला रौडा के खेल मैदान में बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज पाल कपिल, मदन कुमार, राजेंद्र चंदेल, संजीव निर्मोही, विनोद शर्मा, चंदन शर्मा, शेखर जख्मी, रितेश मैहता, विकास पुंडीर, मनोज गांगट, अनूप वात्स्यायन, अनिल वात्स्यायन, राजकुमार सोनी, जगत ठाकुर, ब्रजेश कौशल, संजय कंडेरा, संदीप मैहता, पारस गौतम, लक्की, पुनीत, शेर बहादुर, वनित, लोहित हंस, मोहित हंस, विनय कुमार, दीपक कुमार, शिवम कौशल, रजत, अभिषेक डोगरा व समिति के समस्त सदस्यों, कलाकारों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

आंगनबाड़ी वर्कर्स, सहायिकाओं के साक्षात्कार 18 को

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। बाल विकास परियोजना घुमारवीं में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के कुल 17 रिक्त पदों को भरने के लिए दस्तावेज सत्यापन, साक्षात्कार और चयन प्रक्रिया आगामी 18 सितंबर को प्रातः 10 बजे बाल विकास परियोजना अधिकारी घुमारवीं के कार्यालय में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी परियोजना अधिकारी रंजना ने दी। उन्होंने बताया कि इच्छुक महिला उम्मीदवार 16 सितंबर सायं 5 बजे तक साधारण कागज पर आवेदन कार्यालय में जमा कर सकती हैं। परियोजना अधिकारी ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद नगर परिषद घुमारवीं के अंतर्गत घुमारवीं-।। केंद्र, पंचायत लंझता के लंझता केंद्र, पंचायत मोरसिंघी के मोरसिंघी केंद्र तथा पंचायत भुलस्वाई के बल्ह केंद्र में भरे जाएंगे। वहीं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के 13 पदों में ग्राम पंचायत लुहारवीं का रच्छेड़ा केंद्र, पंचायत गतवाड़ का चकराना केंद्र, पंचायत हम्बोट का जन्दोट-।। केंद्र, पंचायत भराड़ी/मरहाणा का बाड़ा दा घाट केंद्र, पंचायत बल्ह चुरानी का गैहरा केंद्र, पंचायत रोहिन का जोल केंद्र, पंचायत मैहरी काथला के परनाल-। व निऊ केंद्र, पंचायत कुह मझवाड़ का घाइत केंद्र, पंचायत बाड़ी मझेड़वां का बडू केंद्र, पंचायत डंगार के दख्यूत व रिहड़ा केंद्र तथा ग्राम पंचायत मैहरन/लुहारवीं का तलाई केंद्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों को 18 सितंबर को साक्षात्कार एवं दस्तावेज सत्यापन के लिए मूल प्रमाण पत्रों सहित उनकी सत्यापित प्रतियां लेकर बाल विकास परियोजना अधिकारी घुमारवीं के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से चयन समिति के समक्ष उपस्थित होना होगा। इस संबंध में कोई अलग से बुलावा पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

डीडीएमए के समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित बनाएं : डीसी राहुल

सड़कों, पेयजल योजनाओं की बहाली तथा नुकसान के आकलन के लिए फील्ड में उतरें अधिकारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर के डीसी राहुल कुमार ने कहा कि मानसून के मौसम को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की लोग अनुपालना सुनिश्चित बनाएं। उन्होंने कहा कि बारिश को ध्यान में रखते हुए लोग अनावश्यक तौर पर यात्रा करने से परहेज करें तथा यदि जरूरी हो तो यात्रा करते समय पूरी सतर्कता व एहतियात बरतें।

उन्होंने कहा कि कोल डैम से समय-समय पर पानी छोड़े जाने के कारण जहां नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने की संभावना बनी रहती है तो वहीं बारिश के कारण अन्य नदी-नालों के जलस्तर में भी अचानक वृद्धि होने की संभावना भी रहती है, ऐसे में लोग नदी-नालों से दूरी बनाकर रहें ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो।

उन्होंने कहा कि मानसून मौसम के दौरान जिले में अब तक कुल 100 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान आंका जा चुका है। इसमें लोक निर्माण विभाग का लगभग 75 करोड़, जलशक्ति विभाग का लगभग 20 करोड़ रुपए का नुकसान शामिल है। इसके अलावा बिजली बोर्ड के भी लगभग 15 पोल खराब हुए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में गत दो-तीन दिन की भारी बरसात के कारण जहां लोक निर्माण विभाग की 15 सड़कें बंद हैं, तो वहीं जलशक्ति विभाग की 23 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। इसके अतिरिक्त लोगों के घरों इत्यादि को भी नुकसान हुआ है।

उपायुक्त ने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारियों को जहां बंद सड़कों को खोलने तथा पेयजल आपूर्ति योजनाओं को पुन: सुचारु बनाने के निर्देश दे दिए हैं तो वहीं राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को भी लोगों को हुए नुकसान का आकलन करने तथा राहत मैनुअल के तहत तुरंत राहत जारी करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

यात्रा के समय वाहन चालक बरतें सतर्कता

राहुल कुमार ने कहा कि जिले में भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग भी समलेटू व थापना में भारी भूस्खलन के चलते प्रभावित हुआ है। इन दोनों स्थानों पर सड़क बहाली को बनाए रखने के लिए मशीनरी को तैनात किया हुआ है तथा यातायात को वन-वे चलाया जा रहा है। उन्होंने वाहन चालकों से भी यात्रा करते समय पूरी सतर्कता बरतने का भी आह्वान किया है। किसी भी आपात स्थिति में लोग जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हेल्पलाइन 1077 या राज्य आपदा हेल्पलाइन 1070 पर संपर्क कर सकते हैं।

आचार्य ने गणेश के 12 नामों का किया भावपूर्ण वर्णन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। लक्ष्मी नारायण मंदिर, डियारा सेक्टर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का माहौल पूरी तरह भक्ति रस में डूबा हुआ है। कथा का आयोजन अधिवक्ता तुषार डोगरा द्वारा अपने स्व. पिता अश्वनी डोगरा की पुण्य स्मृति में किया जा रहा है। कथा वाचक आचार्य नीरज शर्मा (जुखाला वाले) ने श्रद्धालुओं को भगवान गणेश जी के बारह नामों का महत्व बताते हुए कहा कि गणपति की वंदना से ही सभी कार्य सफल होते हैं और जीवन से विघ्न-बाधाएं दूर हो जाती हैं। इस दौरान पूरा पंडाल 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से गूंज उठा।

उन्होंने समझाया कि ये नाम केवल उपनाम नहीं बल्कि जीवन जीने के गहरे संदेश हैं। मंदिर परिसर को फूलों और रोशनियों से सजाया गया है। श्रद्धालुओं ने कथा के बाद कहा कि आचार्य जी के मुखारविंद से गणेश जी के नामों का वर्णन सुनना आत्मा को शांति देने वाला अनुभव था। कार्यक्रम का समापन 31 अगस्त को पूर्णाहुति और भंडारे के साथ होगा।

कॉलेज जीवन आत्मविकास व नेतृत्व कौशल का सुनहरा अवसर: डॉ. महेश

जीएचईसी बंदला में नवप्रवेशी छात्रों के लिए ओरिएंटेशन डे कार्यक्रम आयोजित किया।

अनंत ज्ञान, बिलासपुर

गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज (जीएचईसी) बंदला बिलासपुर में नवप्रवेशी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. महेश कुमार ने की तथा इस अवसर पर विभिन्न विभागों के एचओडी, ओआईसी, क्लब हेड्स, वार्डन एवं मुख्य वार्डन उपस्थित रहे।

सभी गणमान्य अतिथियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों को कॉलेज जीवन की जिम्मेदारियों, अनुशासन, उपलब्ध अवसरों और चुनौतियों के बारे में मार्गदर्शन दिया। वक्ताओं ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में छात्रों को न केवल अकादमिक उत्कृष्टता बल्कि नेतृत्व क्षमता और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर डॉ. महेश कुमार ने कहा कि कॉलेज जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं, बल्कि यह आत्मविकास और नेतृत्व कौशल विकसित करने का सुनहरा अवसर है। यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम नवप्रवेशी छात्रों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और यादगार अनुभव साबित हुआ तथा उन्होंने जीएचईसी बंदला की जीवंत और ऊर्जावान कैंपस संस्कृति से परिचय प्राप्त किया।

बिलासपुर में गणेश की स्थापना के साथ ही गणेशोत्सव का आरंभ

बुधवार को गणेश मूर्ति की स्थापना के उपरांत समिति के सदस्य।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर में गणेश उत्सव का आरंभ विश्वकर्मा मंदिर में आज गणेश जी की स्थापना के साथ हुआ। सभी श्रद्धालुओं द्वारा गणेश जी की प्रतिमा को बड़े ही भाव से शोभायात्रा के रूप में नगर की परिक्रमा करने के उपरांत विधिवत रूप से विश्वकर्मा मंदिर परिसर में स्थापित किया गया ।

समिति के प्रवक्ता अनीश ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया गणेश जी की स्थापना के उपरांत गणेश कथा का आयोजन 29 अगस्त से रोज 2 से साढ़े 5 तक किया जाएगा। रात्रि के समय विभिन्न महिला समूहों द्वारा बहुत ही भावपूर्ण तरीके से संकीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा। नौ दिन चलने वाले इस भव्य आयोजन में 4 सितंबर को हवन यज्ञ व पूर्णाहुति के बाद गणेश विसर्जन शहर के लुहनु घाट में किया जाएगा।

कार्यक्रम में 5 सितंबर को जनसहयोग से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आज के इस कार्यक्रम में प्रधान मदन राणा, सचिव संदीप मेहता, अनिल मेहता, कुलभूषण मेहता, विनोद शर्मा, चंदन शर्मा, अमित दत्त, रितेश मेहता, हर्ष मेहता, संजीव जोशी, रिंपी सूद, यशपाल आनंद, प्रताप सिंह भल्ला, विशाल मेहता, राकेश शर्मा, संजीवन शर्मा, शुभम आदि मौजूद रहे।

खींचतान बिलासपुर कांग्रेस में अंदरूनी लड़ाई, बीजेपी के हौसले बुलंद

जिला कांग्रेस में उलझी कार्यकारिणी

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। हिमाचल की राजनीति में बिलासपुर हमेशा से अहम रहा है, लेकिन कांग्रेस के लिए वर्तमान हालात चिंता का विषय हैं। प्रदेश स्तर पर कार्यकारिणी का गठन न हो पाने की उलझन ने जिले की कांग्रेस इकाई को भी प्रभावित किया है। नतीजा यह है कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष का कार्यकाल लगातार कार्यकारी रूप में खिंच रहा है व संगठन निष्क्रिय-सा नजर आ रहा है।

मंत्री हैं, लेकिन तालमेल नहीं : जिले से एकमात्र मंत्री राजेश धर्माणी कैबिनेट में मौजूद हैं, लेकिन स्थानीय नेताओं में आपसी तालमेल की कमी स्पष्ट दिखाई देती है। इसका असर सीधे जिले के विकास पर पड़ रहा है और जनता तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में रुकावट बनी हुई है।

अनुभव के बावजूद अनदेखी : वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर का अनुभव अभी तक संगठन और सरकार के काम में पूरी तरह से उपयोग नहीं हुआ है। उनकी अनदेखी कार्यकर्ताओं में निराशा बढ़ा रही है।

पूर्व विधायक बंबर ठाकुर का व्यक्तिगत प्रयास

पूर्व विधायक बंबर ठाकुर लगातार सक्रिय हैं। चाहे आपदा का समय हो या जनता के मुद्दे-वे व्यक्तिगत स्तर पर लोगों के बीच जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। लेकिन पार्टी की एकजुटता के अभाव में उनकी मेहनत अपेक्षित प्रभाव नहीं डाल पा रही।

युवा नेताओं का प्रयास, लेकिन सीमित असर

राज्य सहकारी बैंक के निदेशक मंडल में सुनील शर्मा की नियुक्ति ने युवा वर्ग में उम्मीद जगाई है। सुनील शर्मा और आशीष ठाकुर जैसे युवा नेता पार्टी को ऊर्जा देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन संगठन की गहरी खींचतान उनके प्रयासों को सीमित कर रही है।

बीजेपी को मिल रहा फायदा : कुल मिलाकर, बिलासपुर कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान पार्टी को कमजोर कर रही है और इसका सीधा फायदा बीजेपी को मिल रहा है। जिले की चार विधानसभा सीटों में से तीन पर पहले ही बीजेपी का कब्जा है और कांग्रेस की आपसी लड़ाई उनकी राह और आसान कर रही है।

सुक्खू सरकार का बोल रहा काम : सांख्यान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। कांग्रेस पार्टी के पूर्व मीडिया को-ऑर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने 40 वर्षों के अनुभव का इस्तेमाल करते हुए ढाई साल में ऐसे काम किए हैं, जिनसे जनता का भरोसा और उम्मीदें मजबूत हुई हैं। यही वजह है कि भाजपा नेताओं की नींद उड़ चुकी है और वे बौखलाहट में केवल झूठ और अफवाहों का सहारा ले रहे हैं।

संदीप सांख्यान ने कहा कि भाजपा की राजनीति केवल जुमलों और खोखले वादों तक सीमित रही है। किसानों को कभी एमएसपी नहीं मिला, बेरोजगार सिर्फ आश्वासन सुनते रहे और प्रदेश की जल योजनाएं कागजों पर दबी रहीं, लेकिन सुक्खू सरकार ने किसानों को फसल का उचित दाम दिया, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराए और हजारों घरों में नल कनेक्शन पहुंचाकर भाजपा की विफलताओं को आईना दिखा दिया।

चंबा में भूस्खलन से भाई-बहन सहित 4 की मौत

ग्रामीणों ने 35 किलोमीटर तक चारपाई पर उठाकर अस्पताल पहुंचाईं दो घायल महिलाएं

अनंत ज्ञान, चंबा

हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में भारी बारिश के कारण भूस्खलन की चपेट में आकर चार लोगों की मौत हो गई। जिला चंबा मुख्यालय के तहत बसोधन पंचायत में भूस्खलन की चपेट में आकर भाई और बहन की मौत हो गई।

ये दोनों घर के पास हो रहे भूस्खलन को देखने के लिए आगे चले गए और मलबे की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद इन्हें मलबे से बाहर निकाला, लेकिन इनकी मौत हो चुकी थी।

सके अलावा मैहला विकास खंड के तहत भिमला पंचायत में भूस्खलन की चपेट में चार महिलाएं आ गईं। ये महिलाएं घर के पास काम कर रही थीं कि अचानक पहाड़ी से पत्थर गिरने लगे और ये इनकी चपेट में आ गईं। दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अन्य दो घायल महिलाएं हो गईं। घायल महिलाओं को ग्रामीणों ने वहां से रेस्क्यू कर घर पहुंचाया व फास्ट एड दिया। सड़कें बंद होने के कारण ग्रामीणों ने पैदल ही दोनों महिलाओं को करीब 35 किलोमीटर चारपाई पर उठाकर चंबा अस्पताल पहुंचाया।

मंगलवार को यह भूस्खलन की घटना हुई थी व बुधवार दोपहर को लोग घायल महिलाओं को पैदल लेकर अस्पताल पहुंचे। चंबा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिलाओं का उपचार किया जा रहा है। इसके अलावा मैहला विकास खंड के तहत भिमला पंचायत में भूस्खलन की चपेट में चार महिलाएं आ गईं। ये महिलाएं घर के पास काम कर रही थीं कि अचानक पहाड़ी से पत्थर गिरने लगे और ये इनकी चपेट में आ गईं। दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

चंबा में भारी बारिश से सड़क पर आए मलबे से वाहन चालकों को करना पड़ा परेशानी का सामना।

भरमौर में फंसे श्रद्धालु

चंबा जिले के भरमौर में स्थित मणिमहेश यात्रा पर गए हजारों तीर्थयात्री फंस गए हैं। भारी बारिश के कारण मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह से ठप हो गया है, जिससे उनका अपने परिवारों से संपर्क टूट गया है। लोगों की मदद के लिए, हिमाचल प्रदेश दूरसंचार विभाग ने 1 सितंबर 2025 तक चंबा और भरमौर में इंट्रा-सर्कल रोमिंग सुविधा शुरू कर दी है। इसके तहत, फंसे हुए यात्री अपने मोबाइल फोन में किसी भी उपलब्ध नेटवर्क को मैन्युअल रूप से चुनकर कॉल या मैसेज कर सकते हैं, भले ही वह उनके मूल ऑपरेटर का न हो। यह कदम संचार बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

बगीचों से तोड़े गए सेब लगे सड़ने मंडियों में नहीं पहुंच पा रहीं गाड़ियां

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला चंबा के बागवान इस साल पूरी तरह संकट में हैं। पहले सूखे ने सेब की फसल को नुकसान पहुंचाया, फिर पक्षियों और रोगों ने उत्पादन घटा दिया। अब लगातार भारी बारिश ने बागवानों की कमर तोड़ दी है। बगीचों से तोड़े गए सेब घरों और गोदामों में खराब होने की कगार पर हैं। वहीं, मंडियों तक पहुंचाने के लिए लोड किए गए ट्रक और गाड़ियां जगह-जगह बंद सड़कों पर फंसी पड़ी हैं।

बजर सिंह, नरेश कुमार, कपिल कुमार, सुरेश कुमार, बच्चन सिंह, नारायण सिंह और धारो राम सहित कई बागवानों ने बताया कि इस बार मौसम ने हर कदम पर उनकी परीक्षा ली है। साल भर की मेहनत बर्बाद हो रही है। मंडियों तक माल न पहुंचने से नकदी संकट भी गहराता जा रहा है। उधर, जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रमोद शाह ने कहा कि भारी बारिश के कारण जगह-जगह सेब से लदी गाड़ियां फंसी हुई हैं।

वहीं, बगीचों से तोड़ा गया सेब समय पर न बिक पाने से सड़ रहा है। उन्होंने माना कि इससे बागवानों को बड़ा नुकसान हुआ है। बागवानों ने सरकार से गुहार लगाई है कि नुकसान का आकलन कर उन्हें तुरंत मुआवजा दिया जाए। उनका कहना है कि यदि राहत न मिली तो आने वाले दिनों में बागवानी को जारी रखना कठिन हो जाएगा।

रावी में समाए 7 घर और 6 जगह बादल फटे

प्रदेश में चंबा जिला के सलूण गांव में बुधवार को 7 घर रावी नदी में समा गए। कई अन्य घरों पर खतरा मंडरा रहा है। सलूण गांव में रावी नदी के तेज बहाव से भूमि कटाव हो रहा है। इससे नदी किनारे बसा आधा गांव खत्म हो गया है। चंबा के डलहौजी से विधायक डीएस ठाकुर ने सदन में बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र में एक ही दिन में 6 जगह बादल फटे। 50 से ज्यादा घरों को खतरा हो गया है। दो दिन से बिजली-पानी और मोबाइल बंद पड़े हैं।

चंबा में 2 दिन से मोबाइल नेटवर्क ठप

चंबा में 2 दिन से मोबाइल नेटवर्क ठप है। किसी से भी संपर्क नहीं कर पा रहे। कहां कितना नुकसान हो चुका, यह जानकारी प्राप्त नहीं हो पा रही। उपायुक्त से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। सेना को मदद के लिए भेजा जाए। मणिमहेश यात्रा में भी काफी लोगों के फंसे होने की संभावना है।

जोगिंद्रनगर से नेरी-लडभड़ोल बस सेवा को किया जाए बहाल

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

- **लोक निर्माण विभाग ने सड़कों का फिटनेस सर्टिफिकेट भी कर दिया जारी**

> **परिवहन** विभाग के अधिकारियों को सड़क फिटनेस का प्रमाण पत्र दे दिया गया है। आज रक्कतल के समीप पत्थर गिरे थे उन्हें हटा दिया गया है।
>
> **-पवन गुलेरिया, सहायक अभियंता, लडभड़ोल।**

जोगिंद्रनगर से नेरी-लडभड़ोल रूट पर पिछले दो महीने से बस सेवा ठप है। कोठी के पास सड़क बंद होने के कारण बस को वाया खड़िहार होकर चलाया जा सकता है, लेकिन संबंधित अधिकारी और कर्मचारी जनता को सुविधा देने के इच्छुक नहीं दिख रहे हैं और सड़क के खराब व बंद होने का बहाना बनाते हैं। तथा बस को डोल में ही खड़ी कर देते हैं। लोगों का कहना है कि अधिकांश इन स्थानीय कर्मचारियों और अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्र क जनता की सुविधाओं से कुछ भी लेना-देना नहीं है सिर्फ अपने वेतन की चिंता है।

बैजनाथ डिपो के भी ऐसे ही हालत बताई जा रही हैं। बैजनाथ डिपो से चलने वाली शिमला और दिल्ली की बस सेवा भी पिछले दो महीनों से बंद है। इसके अलावा भी बैजनाथ से धर्मपुर, हरिद्वार सहित कई महत्वपूर्ण रूट बंद पड़े हैं। इन रूटों के बंद होने से लोगों को यात्रा करने में काफी दिक्कत हो रही है। अधिकारियों की इस लापरवाही से जनता में सरकार के प्रति भी असंतोष बढ़ता जा रहा है।

स्थानीय निवासियों ने सरकार और परिवहन विभाग से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है, ताकि लोगों को हो रही परेशानी से निजात मिल सके।

जनता से किए गए वादे झूठे साबित: बिक्रम ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। पूर्व मंत्री और जसवां-परागपुर के विधायक बिक्रम ठाकुर ने बुधवार को कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीते तीन वर्षों में प्रदेशवासियों को केवल खोखले वादे और झूठी घोषणाएं ही मिली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि औद्योगिक क्षेत्रों में अवैध खनन, वसूली और भ्रष्टाचार चरम पर है, जबकि कांग्रेस सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा जब विपक्ष में रहते हुए प्रदेशहित के मुद्दे उठाती है, तब कांग्रेस व्यक्तिगत आरोपों में उलझ जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर 68 विधायकों में से एक विधायक को ही दर्द हुआ है, तो जनता असली स्थिति समझ सकती है।

दून से कांग्रेस विधायक राम कुमार द्वारा लगाए गए आरोपों और मानहानि नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए बिक्रम ने कहा कि यह रणनीति जनता का ध्यान असली मुद्दों से हटाने की कोशिश है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी किसी का नाम लेकर आरोप नहीं लगाया और यदि आरोपों में सच्चाई होती तो कार्रवाई हो चुकी होती। उन्होंने कांग्रेस सरकार को चुनौती दी कि वह इस मामले की निष्पक्ष जांच करे, जिसमें वह हर जांच का सामना करने को तैयार हैं।

केलोधार में करंट से दो मजदूर झुलसे, एक की हालत गंभीर

सुनील शर्मा, अनंत ज्ञान

गोहर उपमंडल के केलोधार क्षेत्र में मंगलवार सुबह बिजली के पोल पर काम करते समय करंट लगने से दो मजदूर झुलस गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को 108 एम्बुलेंस सेवा की सहायता से नेरचौक मेडिकल कालेज रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह करीब पौने 12 बजे उस समय हुई जब दोनों मजदूर ठीमा देवी में हाई टेंशन लाइन (एचटी) के पोल पर चढ़े हुए थे। करंट लगते ही दोनों नीचे गिर गए और बुरी तरह झुलस गए। घायल मजदूरों की पहचान झाबे राम (57) और रोशन लाल (45) के रूप में हुई है।

दोनों ग्राम पंचायत थरजूण के गांव बह (डा. केलोधार) के निवासी हैं। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को तुरंत बगस्याड अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रोशन लाल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे 108 एम्बुलेंस से नेरचौक मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जबकि झाबे राम का उपचार बगस्याड अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के मुताबिक कुछ दिन पहले भारी बारिश और बाढ़ के चलते खनयारी गाँव में बिजली का ट्रांसफार्मर बह गया था। ट्रांसफार्मर को फिर से लगाने और एचटी लाइन दुरुस्त करने का काम चल रहा था। इसी दौरान यह हादसा घटा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग की गंभीर लापरवाही के कारण यह घटना हुई। सहायक अभियंता विद्युत बोर्ड जंजैहली रविंद्र कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि कनिष्ठ अभियंता द्वारा परमिट दिया गया था, लेकिन करंट कैसे आई इसकी जांच की जा रही है।

सुंदरनगर अस्पताल में डॉक्टरों के 8 पद खाली: राकेश जम्वाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

विधानसभा सत्र के दौरान सुंदरनगर से विधायक ने प्रदेश की बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर चिंता जताई और कांग्रेस सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल बद से बदतर होता जा रहा है और जनता बुनियादी इलाज के लिए भी तरस रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन धरातल पर कुछ भी नजर नहीं आ रहा।

भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई हिमकेयर योजना आज ठप हो चुकी है, जिस पर करीब 365 करोड़ रुपए की देनदारी है। मरीजों को मुफ्त इलाज नहीं मिल पा रहा और डायलिसिस जैसी सुविधाएं बंद हो जाने से गरीब मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगा इलाज करवाना पड़ रहा है। यही नहीं, सहारा योजना भी ठप कर दी गई, जिससे गरीब और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को हर महीने मिलने वाली आर्थिक मदद भी बंद हो गई। सुंदरनगर अस्पताल की स्थिति पर बोलते हुए विधायक ने कहा कि इसे आदर्श स्वास्थ्य संस्थान घोषित किया गया है, लेकिन सुविधाएं नदारद हैं। 23 डॉक्टरों की स्वीकृति के बावजूद केवल 15 ही कार्यरत हैं। रेडियोलॉजिस्ट न होने से अल्ट्रासाउंड व अन्य जांचें ठप हैं और गर्भवती महिलाओं को निजी क्लीनिकों में अल्ट्रासाउंड करवाना पड़ रहा है। अंत में विधायक ने मांग की कि प्रदेश सरकार तुरंत डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति करे, लंबित देनदारियों का भुगतान कर हिमकेयर और सहारा योजना को फिर से चालू करे, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

गांवों की स्वीकृत योजनाओं का समय पर पूरा करें कार्य: डीसी

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना की प्रगति की समीक्षा आयोजित, 11 ग्राम विकास योजनाएं अनुमोदित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

- **141 में से 130 योजनाएं पहले ही स्वीकृत, अब तक 98 गांव घोषित हुए आदर्श ग्राम**
- **4 सितंबर तक कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश**

उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा क्रियान्वित क्रियान्वित की जा रही प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत जिले में चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में 11 गांवों की ग्राम विकास योजनाओं को अनुमोदिन किया गया।

उपायुक्त ने बताया कि जिला में अब तक चयनित 141 गांवों में से 130 गांवों की ग्राम विकास योजनाएं तैयार कर ली गई हैं और इन्हें समिति द्वारा अनुमोदित भी किया जा चुका है, जबकि बैठक में शेष 11 गावों की विकास योजनाओं को समिति ने अनुमोदित किया है। उन्होंने बताया कि इन 141 गावों में से 17 तय मानकों को पूरा करने के उपरांत 98 गांवों को आदर्श गांव घोषित किया जा चुका है। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन गांवों की स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत जारी कार्यों को समय पर पूरा किया जाए, व्यय सीमा का उपयोग 4 सितम्बर तक करने और गांव स्तर की समन्वय समिति की बैठक 15 सितंबर तक करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि 4 सितम्बर की बैठक में इसकी समीक्षा की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना का उद्देश्य चयनित गांवों में बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण और सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। सामाजिक एवं अधिकारिता विभाग इसके लिए चयनित गावों को 20 लाख रुपए की राशि देता है। उन्होंने सभी विकास खंड अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि कि स्वीकृत कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरे हों, ताकि योजना का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचे। उपायुक्त ने लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र को 4 सितम्बर तक उपलब्ध करवाने को भी कहा। साथ ही सभी विभाग से कहा कि वह अपने-अपने स्तर पर योजना के अंतर्गत प्राप्त धनराशि का सही उपयोग सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की राशि का उपयोग अन्य योजनाओं में न किया जाए।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह, जिला विकास अधिकारी गोपी चंद पाठक, जिला कल्याण अधिकारी समीर विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे, जबकि सभी बीडीओ तथा चयनित पंचायतों के प्रधान एवं सचिव वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र की बदहाली पर समाजसेवी वीर सिंह ठाकुर का आरोप

सेब सीजन में बागवानों को झेलनी पड़ रही मुश्किलें

अनंत ज्ञान, रोहड़ू

- **सरकार व एचपीएमसी से पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग**

सेब सीजन के चरम पर होने के बावजूद रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र की हालात चिंताजनक बने हुए हैं। क्षेत्र के समाजसेवी वीर सिंह ठाकुर ने प्रेस बयान जारी कर सरकार और एचपीएमसी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की ज्यादातर सड़कें जर्जर हालत में हैं, जिससे बागवानों को अपनी फसल मंडियों तक पहुंचाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एचपीएमसी द्वारा स्थापित सी ग्रेड सेब की बोरियों के लिए सेब एकत्रित केंद्र और महेंदली फल मंडी केवल कागज़ों में ही कार्यशील हैं, जबकि जमीनी स्तर पर अव्यवस्था और बदहाली हावी है।

ठाकुर ने आरोप लगाया कि महेंदली फल मंडी की व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव है। यही कारण है कि बागवानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि बागबानों की सुविधा के लिए बने सीए स्टोर को निजी कंपनियों को तीन साल की लीज पर क्यों दिया जा रहा है, जबकि इसका लाभ सीधे बागबानों को मिलना चाहिए था।

समाजसेवी ने विधायक मोहन लाल ब्राक्टा की चुप्पी को जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात करार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मांग की कि क्षेत्र की सभी सड़कों की त्वरित मरम्मत की जाए, फल मंडियों और सेब कुलेक्शन सेंटरों में पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा एचपीएमसी के सभी सीए स्टोर सहकारी समितियों को सौंपे जाएं। ठाकुर ने स्पष्ट किया कि अब रोहड़ू की जनता खोखले वादों से आगे बढ़ चुकी है और केवल पारदर्शिता व जवाबदेही चाहती है।

सूडोकु नवताल- 7535

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7534 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

सुंदरनगर में आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। बाल विकास परियोजना अधिकारी सुंदरनगर पूनम चौहान ने बताया कि बाल विकास परियोजना सुंदरनगर के अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में सहायिकाओं के रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ये पद ग्राम पंचायत अरठी के आंगनबाड़ी केन्द्र अरठी, ग्राम पंचायत कलौहड़ के धंधरासी, ग्राम पंचायत खिलड़ा के मैहली, ग्राम पंचायत बोई के बोई, ग्राम पंचायत बैहली के जडीवन व सलाह, ग्राम पंचायत स्याजीकोठी के डडयाला, ग्राम पंचायत फगवास के सेरी, ग्राम पंचायत डुगराई के आंगनबाड़ी केन्द्र रड़ा-2, ग्राम पंचायत रोहाण्डा के आंगनबाड़ी केंद्र फरूटु तथा ग्राम पंचायत जरल के आंगनबाड़ी केन्द्र कोलथी में भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन पदों के लिए उम्मीदवार की आयु 3 अक्टूबर, 2025 को 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

दो युवक 4.1 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

पुलिस थाना सुंदरनगर की टीम ने मंगलवार रात गश्त के दौरान चौमुखा में कार सवार दो युवकों को 4.1 ग्राम चिट्टा के साथ हिरासत में लिया है। इनमें से एक युवक पर पहले भी चिट्टा को लेकर दो मामले दर्ज है। जानकारी के अनुसार सुंदरनगर थाना की टीम चौमुखा में गश्त पर थी, इस दौरान पुलिस ने एक कार को सड़क किनारे खड़े देखा, जिसमें दो युवक सवार थे। पुलिस को देखते ही उनमें से एक युवक ने एक प्लास्टिक की पुड़िया खिड़की से बाहर की तरफ फेंक दी। संदेह होने पर जब पुलिस ने पुड़िया को उठा कर खोला तो उसमें सफेद पाउडर की तरह कुछ मिला। जांच करने पर पुलिस ने पाया कि यह चिट्टा है और वजन करने पर वह 4.1 ग्राम पाया गया। जिसके बाद पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की शिनाख्त रोहित निवासी भौण बाड़ी डाकघर कलौहड़ और आर्यन वर्मा निवासी हरिपुर कालोनी तहसील सुंदरनगर के रूप में हुई है। इनमें से आरोपी रोहित पर पहले से ही चिट्टा को लेकर थाना में दो मुकदमे दर्ज हैं। इधर, डीएसपी भारत भूषण ने चिट्टा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया आरोपियों के खिलाफ सुंदरनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगामी कार्रवाई आरंभ कर दी गई है।

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी, श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

वीरवार, 28 अगस्त 2025

विक्रमी संवत : 2082, **शक संवत :**1947 (विश्वासवसु), **मास :** भाद्रपद, **तिथि** पंचमी (05: 58): **नक्षत्र** चित्रा (08:44), **पक्षः** शुक्ल, **योग :** सिद्ध (12:00), **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (कोई नहीं)। **राहुकाल** (11:59-01:35)।

विशेष दिन

- 28 अगस्त 2025: सप्तऋषि पूजन आज।
- 28 अगस्त 2025: रक्षा पंचमी आज।

मेष: अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

वृष: अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे।

मिथुन: बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कर्क: अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव।

सिंह: दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कन्या: सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख-आनंद कारक समय है। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु प्राप्त होगी।

तुला: भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें।

वृश्चिक: व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

धनु: खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा।

मकर: मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी।

कुंभ: शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी।

मीन: स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

नेरचौक में खुला लीनोवा लैपटॉप का सेल्स व सर्विस सेंटर

राघवेंद्र अरावती ने किया उद्घाटन, पठानिया इंफोटेक 25 वर्षों से दे रहा है सेवाएं

आदर्श, अनंत ज्ञान

नेरचौक। नेरचौक शहर में लीनोवा लैपटॉप का सेल्स व सर्विस सैंटर का शुभारंभ विधिवत रूप से किया गया। लीनोवा लैपटॉप सेल्स व सर्विस सेंटर का शुभारंभ सेल्स हेड एंड जनरल मैनेजर नॉर्थ एंड ईस्ट इंडिया राघवेंद्र अरावती द्वारा रिबन काटकर किया गया उनके साथ सेल्स एंड सर्विस के और अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे जिन्होंने लीनोवा लैपटॉप की खूबियों से सभी को अवगत करवाया सेल्स और सर्विस सैंटर के प्रबंधक भूपेंद्र पठानिया व नीरज पठानिया ने बताया कि वह पिछले 25 वर्षों से हिमाचल प्रदेश की जनता को कंप्यूटर और लैपटॉप की बेहतर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं वह सोनी और एसुस के भी अधिकृत विक्रेता है उन्होंने बताया कि लीनोवा एक बेहतर ब्रांड है जिसकी जिला मंडी व आसपास के क्षेत्र में सेल्स व सर्विस की सुविधा न होने के कारण लोगों को असुविधा होती थी लेकिन अब लीनोवा का सेलज व सर्विस सेंटर नेरचौक में खुलने से लोग आसानी से लीनोवा लैपटाप के सभी प्रकार के मॉडल खरीद सकते हैं।

लीनोवा सेल्स व सर्विस सैंटर के शुभारंभ पर कंपनी के अधिकारी एवं पठानिया इंफोटेक के प्रबंधक।

IN THE COURT OF KARTAR CHAND, MARRIAGE OFFICER-CUM- SUB DIVISIONAL MAGISTRATE SHAHPUR DISTRICT KANGRA (HP)

1.Sh. Amit Kumar S/o Joginder Singh R/o Village Chandrun, Po, Tehsil Shahpur Distt. Kangra (HP). 2. Smt Mangla Devi D/o Raghubir Singh R/o Village Naranhu Po Paroul, Tehsil fatehpur Distt. Kangra (H.P). *Applicants.........*

V/S

1. General Public 2. Local Registrar, Nagar Panchayat Shahpur.

Respondents........

Subject:- Application for the Marriage registration u/s 16 of special Marriage Act, 1954.

Applicants Amit Kumar S/o Joginder Singh R/o Village Chandrun, Po, Tehsil Shahpur Distt. Kangra (HP) and Smt Mangla Devi D/o Raghubir Singh R/o Village Naranhu Po Paroul, Tehsil fatehpur Distt. Kangra (H.P). has filed an application u/s 16 of special Marriage Act, 1954 along with declaration in which they have stated that they have solemnized their marriage on 23-08-2025 as per Hindu rites & customs.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding the registration of this marriage can file an objection personally or in writing before this Court on or before 29-09-2025. After that no objection will be entertained and marriage will be registered accordingly.

Sd/-
Marriage Officer-Cum-Sub Divisional Magistrate Shahpur, District Kangra

तुम्हें कोई पढ़ा व आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सब कुछ खुद सीखना है। आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नहीं है। -**स्वामी विवेकानंद**

संपादकीय

कर्ज का बढ़ता बोझ

छोटा सा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश साल दर साल कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है। सरकारी आंकड़े इस सच्चाई को बयां करते हैं कि 31 जुलाई, 2025 तक प्रदेश पर कुल 98,182 करोड़ रुपए का भारी-भरकम लोन चढ़ चुका है। विधानसभा के मानसून सत्र में भरमौर के विधायक जनकराज के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने खुद यह आंकड़ा सदन के पटल पर रखा, साथ ही उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सरकार कर्ज से निपटने के भरसक प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में मूलधन चुकाने के लिए 4243.57 करोड़ और ब्याज अदायगी के लिए 6738.85 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, लेकिन सवाल यह है कि जब आय के स्रोत सीमित हैं और खर्चे बढ़ते जा रहे हैं तो आखिर यह कर्ज कब तक और कैसे चुकाया जाएगा? सरकार के पास अपनी आय बढ़ाने के साधन बहुत सीमित हैं। औद्योगिक आधार बहुत छोटा है, कृषि और बागवानी पर ही निर्भरता है और पर्यटन जैसी संभावनाएं भी अभी तक पूरी तरह से भुनाई नहीं जा सकी हैं। यही वजह है कि सरकार को बार-बार कर्ज लेना पड़ता है। सरकार अक्सर यह तर्क देती है कि वह लंबे समय के लिए कर्ज लेती है, ताकि तात्कालिक दबाव न बने और भुगतान किस्तों में हो सके, लेकिन कर्ज चाहे किसी भी अवधि के लिए लिया जाए, वह कर्ज ही रहता है और अंततः उसे ब्याज सहित चुकाना ही पड़ता है। कर्ज लेने की परिपाटी पिछले कई दशकों से चली आ रही है। फर्क केवल इतना है कि सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, दोनों ही पार्टियां सत्ता में रहते हुए कर्ज लेने से पीछे नहीं रहतीं और जब उनका कार्यकाल समाप्ति की ओर होता है तो वे कर्ज लेने की सारी सीमा पार कर देती हैं। इसकी वजह सीधी है-उन्हें मालूम होता है कि अब सत्ता में लौटने के लिए पांच साल इंतजार करना पड़ेगा, इसलिए जो बोझ है, वह अगली सरकार पर डाल दिया जाए। यही कारण है कि हर नई सरकार आते ही यह रोना रोती है कि उसे तो पिछली सरकार से कर्ज की भारी विरासत मिली है।

हिमाचल की राजनीति का एक और सच यह है कि यहां सरकारें रिपीट नहीं होतीं। एक बार कांग्रेस आती है तो दूसरी बार भाजपा। दोनों अपने-अपने कार्यकाल में सत्ता वापसी के लिए भरपूर कोशिशें करती हैं, लेकिन सफल नहीं हो पातीं। जब भी कोई सरकार जाती है तो अपने अंतिम वर्ष में बिना किसी झिझक के कर्ज का पहाड़ खड़ा कर देती है। यह राजनीतिक मानसिकता न केवल प्रदेश को कर्ज के दलदल में धकेल रही है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों पर भी बोझ डाल रही है। कर्ज लेने की इस परंपरा को खत्म करने की दिशा में किसी भी सरकार ने गंभीर प्रयास नहीं किया। अगर सरकारें अपनी नीतियों में दूरदर्शिता दिखातीं, आय के नए स्रोत तलाशतीं और खर्चों पर नियंत्रण रखतीं तो यह सिलसिला कब का थम चुका होता, लेकिन अफसोस यह है कि विकास योजनाओं के नाम पर कर्ज लिया जाता है और उसके वास्तविक नतीजे न तो दिखाई देते हैं और न ही जनता को कोई ठोस राहत मिलती है। जरूरत इस बात की है कि हिमाचल उन राज्यों के विकास मॉडल का अध्ययन करे जिन्होंने बिना बड़े कर्ज लिए अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया। हिमाचल चाहे छोटा राज्य है, लेकिन इसकी विशेषताएं अनोखी हैं। यहां पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं, जलविद्युत उत्पादन की क्षमता है, बागवानी और औषधीय पौधों का विशाल खजाना है। अगर इन सबका सही इस्तेमाल किया जाए तो हिमाचल को कर्ज लेने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

कर्ज वास्तव में विकास की गति पर एक ऐसा घुन है जो हर काम में ब्रेक लगा देता है। जब प्रदेश का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में ही खर्च हो जाए तो नए विकास कार्यों के लिए पैसा कहां से आएगा? यही कारण है कि योजनाएं अधूरी रह जाती हैं और जनता तक विकास का लाभ नहीं पहुंचता। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? सबसे पहले तो सरकार को चाहिए कि वह राजस्व स्रोतों को बढ़ाने पर गंभीरता से काम करे। पर्यटन क्षेत्र को पेशेवर ढंग से विकसित करना होगा, ताकि राज्य की आय बढ़े। जलविद्युत परियोजनाओं से अधिकतम राजस्व प्राप्त करने की व्यवस्था करनी होगी। कृषि और बागवानी उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर ध्यान देना होगा ताकि किसानों को भी फायदा मिले और सरकार को भी आय हो। इसके साथ ही सरकार को खर्चों में भी कटौती करनी होगी। अनावश्यक योजनाओं और शाही खर्चों पर रोक लगानी होगी। अगर सरकारें वाकई ईमानदारी से कर्ज कम करना चाहती हैं तो उन्हें जनता से भी सुझाव लेने चाहिए। आखिर यह जनता ही है जो टैक्स के रूप में सरकार को पैसे देती है। जनता की भागीदारी से ही बेहतर नीति बन सकती है। हिमाचल की आर्थिक नीतियों में पारदर्शिता लानी होगी और राजनीतिक लाभ के लिए कर्ज लेने की प्रवृत्ति पर लगाम कसनी होगी। यह कोई असंभव काम नहीं है। केवल इच्छाशक्ति की जरूरत है। जिस दिन सरकारें यह ठान लेंगी कि कर्ज से मुक्ति पानी है, उसी दिन से इसका हल भी निकलना शुरू हो जाएगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में सरकारें इस दिशा में ठोस और ईमानदार कदम उठाएंगी और कर्ज की परेशानी से छुटकारा दिलाकर प्रदेश को विकास के नए पथ पर अग्रसर करेंगी, क्योंकि अगर यह सिलसिला नहीं टूटा तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। हिमाचल की आर्थिक स्वतंत्रता ही इसका भविष्य तय करेगी और यही वह सपना है जिसे साकार करने की जरूरत है। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारत के प्रसिद्ध सितार वादक

विलायत खां भारत के प्रसिद्ध सितार वादक थे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बहुत ख्याति प्राप्त की थी। विलायत खां ने सितार वादन की अपनी अलग गायन शैली विकसित की थी, जिसमें श्रोताओं पर गायन का अहसास होता था। उनकी कला के सम्मान में राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने उन्हें 'अफताब-ए-सितार' का सम्मान दिया था। यह सम्मान पाने वाले वे एकमात्र सितार वादक थे। उस्ताद विलायत खां का जन्म तत्कालीन पूर्वी बंगाल के गौरीपुर नामक स्थान पर एक संगीतकार परिवार में हुआ था। उन्होंने संगीत के वाद्यों के निर्माता कन्हाई लाल के माध्यम से इस स्वप्न को साकार किया। ■

विलायत खां
जन्म : 28 अगस्त,1928
मृत्यु : 13 मार्च, 2004

कविता

बेरहम

डॉ. राजीव डोगरा, गांव जनयानकड़ (कांगड़ा)

सिफारिश-ए-दौर चला है,
अपनों की जगह,
कोई और चला है,
खुदगर्ज-ए-दौर चला है,
निस्वार्थी मनुज की जगह,
मतलबखोरों का क्षण चला है,
बेवफा-ऐ-दौर चला है,
मोहब्बत की जगह,
रूप सम्मोहन का काल चला है,
मलाल-ए-दौर चला है,
हमदर्द की जगह,
बेदर्द इंसा का वक्त चला है,
जहालत-ए-दौर चला है,
संज्ञान की जगह,
अविद्या का अंधकार चला है।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों को विधायकों की तरह ही मिले वेतन-भत्ता

भारत का लोकतंत्र अभी 75 साल ही पुराना है, पर इन वर्षों में लोकतंत्र कई बार मरा और पुनर्जीवित हो गया। इसने अपनी 75 साल की यात्रा में बहुत कुछ देखा है। आज भी यह सत्ता के कारण दूषित हो रहा है। सत्ता किसी की देश में रही हो, उसने लोकतंत्र को अपने अनुकूल करने को सत्ता में बने रहने को तमाम तरह के हथकंडों का समय-समय पर प्रयोग करके लोकतंत्र और लोकतंत्र के रखवालों पर कुठाराघात किया है।

यह सत्ता ऐसी लालच की है, जो एक बार इस पर बैठ जाता है, वह उतरना नहीं चाहता। उसके लिए एक रास्ता है कि लोकतंत्र और संविधान तथा संवैधानिक संस्थाओं पर एकाधिकार हो जाए, तो सत्ता हमेशा के लिए हो जाएगी, पर यह भारत है, यहां से जनता सत्ता से उखाड़ कर फेंक देती है। विश्व के हर देश में जहां भी लोकतंत्र है, वहां सत्ता पर स्थायी कोई नहीं है। यही लोकतंत्र में एक वोट का अधिकार जनता को संविधान ने दिया, जिसका जनता प्रयोग करके हर तानाशाह पर लगाम लगा देती है। कुर्सी उसके आंखों के सामने से हटा देती है। 75 साल पुराने संविधान में 130 बार संशोधन किया जा चुका है। अब यह जो 130वां संविधान संशोधन 2025 को संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन बिल पेश हुआ है कि कोई पीएम, मुख्यमंत्री, मंत्री अगर मात्र आरोप पर जेल गया और तीस दिन तक जेल में रहा, जमानत नहीं हुई तो वह पीएम, मुख्यमंत्री नहीं रहेगा। बिल एक तरह से सही भी है, दूसरी नजर में यह लोकतंत्र में चुने गए पीएम, मुख्यमंत्री, मंत्री के साथ अन्याय होगा। कारण स्पष्ट है केंद्रीय सरकार किसी भी राज्य सरकार को कभी भी गिरा सकती है या सत्ता बदलवा सकती है।

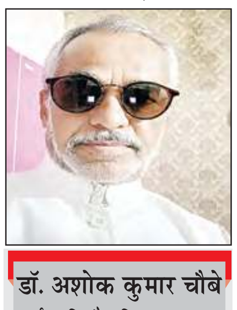

डॉ. अशोक कुमार चौबे
पूर्व कृषि वैज्ञानिक पालमपुर

बस ईडी, सीबीआई, आयकर एजेंसी लगाओ बिना किसी अपराध के बस मात्र आरोप पर जेल में भेजो। न्याय भारत में तीस दिन में मिलेगा नहीं, जमानत होगी नहीं, मुख्यमंत्री पद गया। सत्ता विरोधी दल की अब सत्ता पक्ष की हो गई। जैसा कि कई राज्यों में बिना 130वें संविधान संशोधन के जनता देख चुकी है। मैं लोकतंत्र में एक बहुत अहम संविधान संशोधन की बात कर रहा हूं, जिसके कारण भारत का लोकतंत्र निचले स्तर यानि पंचायत स्तर पर मजबूत हुआ। भारत की उस समय की सरकार राजीव गांधी की थी, वह पंचायतों को वैधानिक रूप देना चाहते हैं, जिसके लिए एक अहम संविधान संशोधन किया, जिसको आज जन-जन में जाना जाता है और सराहना भी की जाती है कि भारत के सर्वांगीण विकास को नई दिशा देने में यह 73वां संविधान संशोधन अधिनियम 1992 एक मील का पत्थर साबित होगा। इसमें यह प्रवाधान किया गया कि पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर हर पांच साल पर चुनाव अवश्य होंगे।

इसमें यह भी सुनिश्चित किया गया कि त्रिस्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था में महिलाओं को कुल संख्या वह पंचायत से ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर आरक्षित कर दिया गया। उस समय सरकार ने यह महसूस किया किया कि हमारे लोकतंत्र में पंचायतीराज में महिलाओं की भागीदारी नहीं है। महिलाएं समाज का अभिन्न अंग हैं। उनका लोकतंत्र में हिस्सा बस वोट तक है, वह चुनाव से दूर हैं। उनकी इसी दूरी को उनके अंदर के डर को हटाने के लिए ही संविधान संशोधन करके पंचायतीराज चुनाव में सहभागी बनाया, परंतु अभी सांसद और विधान मंडलों में महिलाओं के लिए आरक्षण नहीं लागू है। शायद 2029 में कुछ हो, पर अभी दिवा स्वप्न है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं को चाहे जितना अधिकार पंचायत विधानसभा में दे दिया जाए, पर वह पुरुष समाज आज भी उस महिला को दिए अधिकार पर अपना अधिपत्य जमाता है और पंचायत से लेकर लोकसभा तक वह महिला के पीछे से शासन में भागीदारी निभाता है। पंचायत में बहुत सी महिलाएं अनपढ़ हैं। आज भी वह प्रधान पद पर हैं, पर असली प्रधान पति या बेटा ही है। वह एक मुहर बनी हैं, बस यही भारत के लोकतंत्र का सबसे खराब दशा है कि आज भी महिलाएं पुरुषों के ऊपर निर्भर हैं।

भारत के लोकतंत्र में एक आमुल परिवर्तन हुआ। सांसदों-विधायकों को अधिनियम 1954 के द्वारा वेतन-भत्ता का प्रावधान किया गया और समय-समय पर उसमें संशोधन भी होता रहता है। हर पांच साल में बिना वेतन आयोग बैठाए सांसद-विधायकों के वेतन-भत्ता व अन्य सुविधाएं एक ताली पर संशोधित हो जाती हैं। 2010 से इनको पेंशन का भी अधिकार मिल गया, जबकि देश में सरकारी कर्मचारियों की पेंशन 2003 में यह कहकर बंद कर दी कि देश में पेंशन योजना लागू रहने पर वित्तीय दबाव हर साल बढ़ रहा है। अतः पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों की बंद करके सांसदों-विधायकों के लिए लागू किया जाएगा, गजब है न भारत का लोकतंत्र।

इन्हीं माननीय के तर्ज पर पंचायत प्रधान को भी वेतन व भत्ता देने का प्रावधान किया गया, पर प्रधान या पंचायतीराज के तीनों स्तर पर चुने गए लोगों को न वेतन भत्ता, न पेंशन की सुविधा है। बस प्रधान, ब्लॉक प्रमुख जिला पंचायत अध्यक्ष को वेतन भत्ता है। बाकी सदस्यों, वार्ड पंचों को बैठक में भाग लेने के लिए 100 रुपए प्रति बैठक दिया जाता है। यह लोकतंत्र में दोहरा मापदंड है। पंचायतीराज में चुने गए पंचायत प्रतिनिधियों का एक विधायक व सांसद की तरह ही वेतन भत्ता, मानदेय व अन्य सुविधाएं भी सरकार को अब तय करने का समय आ गया है।

सरकार के हर विकास के मॉडल को गांव स्तर पर तो पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधि और प्रधान ही तो अमलीजामा पहनाते हैं, फिर इनको विधायकों व सासदों के सापेक्ष में वेतन भत्ता क्यों नहीं दिया जा रहा है। हर वार्ड पंच को याहे वह पंचायत का हो, बीडीसी, जिला परिषद का या नगर महापालिका, नगर परिषद का हो, सबको वेतन भत्ता व पेंशन दिया जाए। कारण कि पंचायत स्तर पर ही सबसे अधिक काम भाग-दौड़ तथा जान हानि का खतरा बना रहता है। भारत के हर प्रदेश के पंचायत प्रतिनिधियों को एकजुट होकर यह मांग करनी चाहिए कि हमको भी विधायकों-सांसदों की तर्ज पर वेतन-भत्ता अन्य सुविधाएं जैसे बस, स्वास्थ्य, रेलवे में छूट के साथ पेंशन योजना में शामिल किया जाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

आपदा के दौर में शिक्षक क्यों जोखिम उठाएं?

हिमाचल प्रदेश बीते कई दिनों से आपदा की मार झेल रहा है। अतिवृष्टि और भूस्खलन ने सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। सड़कें टूटी हुई हैं, नदी-नाले उफान पर हैं और गांव, कस्बों व शहरों का संपर्क बाधित है। इन हालातों में सरकार ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का निर्णय लिया।

चंद्र मोहन केवला
शिक्षक, मतियाना (शिमला)

यह कदम निश्चित रूप से सराहनीय है, क्योंकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, परंतु यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब छात्रों की सुरक्षा के लिए शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं, तो फिर शिक्षकों को विद्यालय पहुंचने पर क्यों विवश किया जा रहा है? क्या उनका जीवन कम मूल्यवान है? क्या उनकी सुरक्षा राज्य के लिए कोई मायने नहीं रखती? प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी खबरें और वीडियो सामने आ रहे हैं, जिनमें शिक्षक टूटी-फूटी सड़कों से होकर, भूस्खलन और मलबे के बीच अपनी जान जोखिम में डालकर विद्यालय पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

यह केवल जोखिमपूर्ण ही नहीं, बल्कि कई जगह लगभग असंभव है। क्या यह व्यवहारिक और मानवीय दृष्टि से उचित है? यह मान लेना गलत है कि शिक्षक केवल उपस्थिति दर्ज कराने के लिए विद्यालयों में मौजूद रहें। शिक्षक राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं, जिनकी भूमिका किसी ड्यूटी ब्वॉय या महज औपचारिक कर्मचारी की नहीं है। यदि इस संदर्भ में अन्य विभागों के कर्मचारियों से अध्यापकों की तुलना की जाए तो अन्य कर्मचारियों की कार्यप्रणाली आपदा की स्थिति में विशिष्ट, प्रत्यक्ष और अनिवार्य होती है अथवा उनके कार्य का स्वरूप अधिकतर कागजी होता है।

इसके विपरीत शिक्षकों के लिए ऐसी कोई प्रत्यक्ष और आपदा समाधानकारी भूमिका निर्धारित नहीं है। शिक्षण संस्थानों में छात्रों की अनुपस्थिति के बावजूद शिक्षकों को विद्यालय बुलाना निरर्थक, अर्थहीन और मात्र औपचारिकता है, जो शिक्षण प्रक्रिया की मूल भावना के भी विरुद्ध है। सरकार और विभाग द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि विद्यालय आकर शिक्षकों को पाठ योजना तैयार करनी है, **PIMS** व **UDISE** जैसे आंकड़े अपडेट करने हैं, असाइनमेंट्स बनाने और ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाना है।

क्या ये सारे कार्य घर से सुरक्षित वातावरण में नहीं किए जा सकते? आपदा प्रबंधन अधिनियम का उद्देश्य जीवन की रक्षा करना है, फिर वह छात्र हो, शिक्षक हो अथवा कोई अन्य नागरिक। छात्रों की तरह शिक्षकों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। केवल उपस्थिति दर्ज कराने के नाम पर शिक्षकों को जोखिम उठाने के लिए विवश करना न केवल अनुचित है, बल्कि सरकारी व विभागीय संवेदनशीलता पर भी सवाल खड़े करता है।

इसके स्थान पर वैकल्पिक एवं सुरक्षित व्यवस्थाएं की जानी चाहिएं ताकि शिक्षकों का मनोबल भी बना रहे और शिक्षण कार्य भी प्रभावित न हो। संवेदनशील शासन वही कहलाता है जो प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। छात्रों की भांति शिक्षकों की सुरक्षा भी राज्य के लिए उतनी ही अहम है। आखिरकार, ये वही शिक्षक हैं जो आने वाली पीढ़ी को गढ़ते हैं। उन्हें केवल औपचारिकताओं में उलझाना उनके सम्मान और सुरक्षा दोनों के साथ अन्याय है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

पेट खराब होना एक सामान्य समस्या है, जो कई कारणों से हो सकती है। आमतौर पर इसका मुख्य कारण दूषित भोजन या पानी होता है। यदि हम अस्वच्छ या बासी खाना खाते हैं, तो बैक्टीरिया या वायरस पेट में संक्रमण कर देते हैं। कभी-कभी अधिक मिर्च-मसाले वाला या तला-भुना भोजन भी पाचन तंत्र को प्रभावित करता है। अत्यधिक तनाव, अनियमित दिनचर्या और नींद की कमी भी पेट को नुकसान पहुंचा सकती है। कुछ लोगों को दूध या मसालों से एलर्जी होती है, जिससे भी पेट खराब हो सकता है। इसके अलावा, अत्यधिक बाहर का खाना या सड़क किनारे भोजन करना भी जोखिम भरा हो सकता है। साफ-सुथरा खाना, पर्याप्त पानी और संतुलित आहार लेने से पेट की समस्याओं से बचा जा सकता है।

-अंकुर नाग, शाहपुर

संविधान संशोधन विधेयक 2025 : पारदर्शिता या राजनीतिक रणनीति?

130 वां संविधान संशोधन विधेयक 2025, लोकसभा में गृह मंत्री द्वारा प्रस्तावित किया गया है और स्वयं मंत्री ने आग्रह किया कि प्रस्तावित विधेयक को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट समिति को भेजा जाए। 31 सदसीय जेपीसी के 21 सदस्य लोकसभा और 10 सदस्य राज्यसभा आपस में विस्तार से चर्चा करने के उपरांत, प्रस्तावित विधेयक को जेपीसी अपने सुझावों व आपत्तियों के साथ लोकसभा को वापस लौटाएगी। दोनों सदनों में चर्चा के उपरांत दो तिहायी मतों से पारित होकर विधेयक बनेगा।

योगिंद्र पाल वालिया
डडौर, नेरचौक (मंडी)

सिविल सेवा में कोई व्यक्ति 48 घंटे जेल में रहता है, तो उसे अपने पद से हटना पड़ता है। ठीक उसी तरह प्रस्तावित संविधान संशोधन के अनुसार अपराधिक भ्रष्टाचार मामलों में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व मंत्री, यदि 30 दिन जेल में रहते हैं और अपराध में 5 वर्ष की सजा का प्रावधान है, तो 31वें दिन अपने पद से हटना पड़ेगा। यदि बाद में जमानत हो जाती है तो पुनः अपना पद संभाल सकता है। सत्ता पक्ष कह रहा है कि शासन व्यवस्था में पारदर्शिता अनुशासन जवाबदेही के लिए कानून जरूरी है। गृह मंत्री ने साफ कहा कि यह भ्रष्टाचार के खिलाफ है, लेकिन विपक्ष ने विरोध के साथ कहा कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए कानून बनाया जा रहा है। बहरहाल प्रस्तावित विधेयक चर्चा के लिए जेपीसी के पास भेजा है।

प्रस्तावित विधेयक कानून बनने के उपरांत देश के समस्त संघ, राज्यों सहित यूनियन टेरिटरी में लागू होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष के आपसी तर्क व वितर्क अलग हो सकते हैं, लेकिन प्रथम दृष्टि देखने से नियम दंड नहीं शासन व्यवस्था की सुरक्षा नजर आता है। इतिहास को देखें तो मुख्यमंत्री जय ललिता, हेमंत सोरेन, लालू प्रसाद यादव ने नैतिकता आधार पर अपने पदों से त्याग पत्र दिए थे। तमिलनाडु में डीएमके के मंत्री को एक विवाद में राज्यपाल ने बर्खास्त किया, बाद में जब जमानत मिल गई तो उन्होंने दोबारा मंत्री पद संभाला। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने जेल से शासन चलाने का प्रयास किया, जबकि उनकी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन से हुआ था।

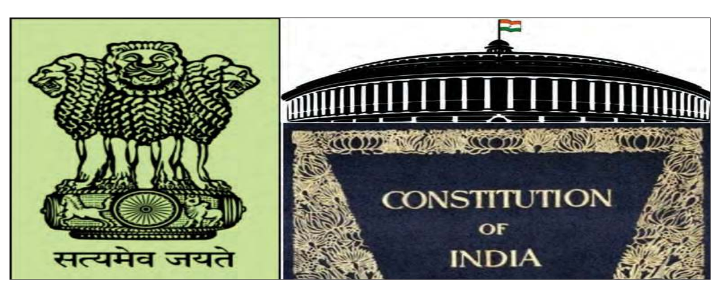

इसी तरह लालकृष्ण आडवाणी के ऊपर आरोप लगे तो उन्होंने नैतिकता के कारण त्याग पत्र दिया था। अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि समन मिलते ही मैंने पद से त्याग पत्र दिया था। भारतीय नागरिक होने के तौर पर देखा जाए, तो विधेयक शासन व्यवस्था में सुचिता व पारदर्शिता लाने वाला है। लोकतांत्रिक प्रणाली को भी मजबूत करता है, परंतु इसका सदुपयोग नहीं हुआ, तो अन्य अपराधिक दृश्य भी पैदा हो सकते हैं। जैसा कि विपक्ष कह रहा है कि सत्ता पक्ष केवल विपक्ष के नेताओं को फिजूल में घेरने का प्रयास करेगा। सता पक्ष व विपक्ष के सांसद कैसे कानून का उल्लंघन करते हैं, यह दृश्य लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई में देखने को मिल जाता है। सवाल उठता है कि दुरुपयोग के डर से क्या सुचिता और पारदर्शिता नहीं आनी चाहिए? क्या जेल से शासन व्यवस्था चलनी चाहिए? साथ ही, क्या भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का यह उत्तम उपाय नहीं है? क्या यह प्रस्तावित विधेयक केवल विपक्ष के लिए बनेगा? सत्ता पक्ष क्या इस परिधि में नहीं आएगा?

जहां तक विपक्ष के नेताओं को एजेंसियों से तंग करने की बात है, तो विपक्ष अपनी बात जेपीसी में रखे और सुझाव दे। उचित सुझाव की धारा जोड़े ताकि विधेयक को अधिक मजबूती मिले। प्रस्तावित विधेयक में 30 दिन कानूनी जमानत प्रक्रिया के लिए पर्याप्त है, लेकिन ऐसे मामलों में तारीख पर तारीख के बदले केस का निपटारा जल्दी हल करना आवश्यक बनाया जाए। किसी को गलत ढंग से फंसाया गया है, तो एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई करने का प्रावधान भी जोड़ा जाए। वैसे किसी को बेवजह तंग नहीं किया जाता है, बल्कि कोई भ्रष्टाचार हुआ या नहीं, देखा जाता है सबूत के आधार पर एजेंसी काम करती है। न्यायालय किसी को यूं ही जेल नहीं भेजता। अगर धुंआ नजर आ रहा है तो वहां चिंगारी जली होती है। बिना हवा के पेड़ का पत्ता तक नहीं हिलता।

भ्रष्टाचार में सिविल सेवा व आम व्यक्ति के लिए कानून है, तो माननीयों के लिए क्यों नहीं? कोई सांसद यदि जेल में है, तो संसद में भाग नहीं ले सकता। फिर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व मंत्री के लिए जेल से शासन करते रहना कितना उचित है? क्या लोगों ने जनादेश इसलिए दिया होता है? सुधार किया जा रहा है तो सभी को स्वागत करना चाहिए। सियासी पिच पर सत्ता पक्ष द्वारा नो बॉल फेंकी गई है, जिस पर विपक्ष चौका छक्का लगाकर श्रेय ले सकता है। आने वाली पीढ़ी के राजनेताओं के लिए अच्छी व स्वच्छ परंपरा मिलनी चाहिए ताकि प्रत्येक भारतीय महसूस करे कि नियम सभी के लिए बराबर होते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पशु प्रेमियों के देश में वृद्धजनों की क्यों हो रही दुर्दशा?

इन दिनों भारत में सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक आवारा कुत्तों को लेकर बड़ी बहस छिड़ी हुई है। वैसे तो आवारा कुत्तों के पक्ष में और इसके खिलाफ भारतीय समाज पहले से ही विभाजित है, परंतु इस विषय को लेकर ताजातरीन बहस की शुरुआत उस समय हुई जब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गत 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर अर्थात दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम में आवारा कुत्तों की समस्या पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली नगर निगम व अन्य नगर निकायों को निर्देश दिया था कि वे 8 सप्ताह के भीतर सभी आवारा कुत्तों को पकड़ें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम्स या पाउंड्स में रखें।

निर्मल रानी
स्वतंत्र लेखिका

अपने इस आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने कुत्तों को वापस सड़कों पर छोड़ने पर भी रोक लगाई थी। चूंकि कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही थी खासकर बच्चों और बुजुर्गों पर कुत्तों के हमलों की शिकायतें बढ़ती जा रही थीं और इस संबंध में केवल दिल्ली में ही हजारों मामले दर्ज हो चुके थे और रेबीज से होने वाली मौतें में भी वृद्धि होती जा रही थी, इसी के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए यह आदेश दिए गए थे। अपने आदेश में न्यायालय ने कहा था आर्टिकल 21 के तहत जीवन का अधिकार व नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता है। इसी के साथ अदालत ने यह निर्देश भी दिया था कि आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम्स बनाए जाएं व कुत्तों को पकड़ने के लिए संसाधन भी जुटाए जाएं।

यहां तक कि इस अदालती निर्देश में बाधा डालने वाले पशु प्रेमियों व गैर सरकारी संगठनों को दंडित करने का भी निर्देश दिया गया था, परंतु इस जनहितकारी अदालती आदेश के बाद तो देश के 'कुत्ता प्रेमियों' में कोहराम मच गया। मानव सुरक्षा को दरकिनार कर 'कुत्ता प्रेमियों' द्वारा तर्क दिया जाने लगा कि शेल्टर होम्स में कुत्ते असुरक्षित रहेंगे, क्योंकि इंफरास्ट्रक्चर की कमी के चलते लाखों कुत्तों को शेल्टर में रखना अव्यवहारिक है। इससे लाखों कुत्तों को कैद करने और संभावित रूप से मारने का खतरा बढ़ेगा। इसे एनिमल बर्थ कंट्रोल (डॉग्स) रूल्स, 2023 का उल्लंघन बताया जाने लगा।

पशु प्रेमियों द्वारा इस अदालती आदेश को 'बहुत कठोर' बताया जाने लगा। जगह-जगह धरने प्रदर्शन शुरू हो गए। कुत्ता प्रेमी अदालती आदेश की अवहेलना करने पर आमादा दिखाई देने लगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर 22 अगस्त 2025 को एक संशोधित आदेश जारी किया।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने 11 अगस्त 2025 के मूल आदेश में बदलाव करते हुए नए निर्देश जारी किए। इन संशोधित निर्देशों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया कि कुत्तों को पकड़ना जारी रखें, लेकिन उन्हें स्टरलाइज (नसबंदी), डीवार्म (कीड़े निकालना) तथा वैक्सीनेट (टीका लगाना) करें। गैर-आक्रामक (नॉन-एग्रेसिव) और गैर-संक्रमित (रेबीज मुक्त) कुत्तों को उसी इलाके में वापस छोड़ें। केवल रेबीज संक्रमित या आक्रामक कुत्तों को ही अलग शेल्टर में रखें, जबकि सड़कों पर खाना खिलाना प्रतिबंधित करार दिया गया। अदालत ने प्रत्येक वार्ड में समर्पित फीडिंग स्पॉट बनाने व नोटिस बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया। यह भी निर्देशित किया गया कि पशु प्रेमी कुत्तों को गोद ले सकते हैं, लेकिन उन्हें सड़क पर नहीं छोड़ सकते।

इन निर्देशों में बाधा डालने वाले कथित 'पशु प्रेमियों' पर व्यक्तिगत तौर पर 25,000 तथा गैर सरकारी संगठनों पर 2,00,000 रुपए जुर्माना लगाने का निर्देश दिया गया। जुर्माने से वसूली गई यह धनराशि शेल्टर होम बनाने में इस्तेमाल होगी। यह संशोधित आदेश पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और U ABC रूल्स, 2023 पर आधारित है, जो पशुओं को मारने के बजाय स्टरलाइजेशन और वैक्सीनेशन पर जोर देता हैं, परंतु समाज के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि नागरिक सुरक्षा और पशु कल्याण के मध्य संतुलन कैसे बिठाया जाए। पशु प्रेमी होने में कोई बुराई नहीं, परंतु क्या पशु प्रेम विशेषकर 'कुत्ता प्रेम' को मानव प्रेम पर तरजीह दी जा सकती है? देश में रोजाना कुत्ते के काटने से सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल होते हैं। अनेक की मौत हो जाती है। यदि इसी स्तर पर समग्र भारतीय समाज में मानव प्रेम की भावना होती तो शायद आज देश में कहीं भी वृद्धाश्रम की जरूरत न होती।

वृंदावन में लाखों विधवाएं अपने भाग्य पर आंसू न बहा रही होतीं। अयोध्या, मथुरा व काशी जैसे अनेक धर्म स्थान बुजुर्ग व असहाय भिखारियों से भरे न होते। यानी 'पशु प्रेमियों' के इस देश में कम से कम वृद्धजनों की ऐसी दुर्दशा देखने को तो न मिलती?

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

शराबी ने सड़क पर गाड़ी रोककर लगाया जाम

सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर संभाले हालात, नियम तोड़ने पर काटा 20 हजार का चालान

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

संधोल में बीच सड़क पर खड़ी शराबी चालक की कार से लगा लंबा जाम, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू किए।

संधोल-हारसीपत्तन के बेहद व्यस्त मार्ग पर एक युवक अपनी कार एसपी56ए 4210 को बीच सड़क पर खड़ा कर उसमें बैठ गया। लोग पहले तो सामान्य रूप से उसे गाड़ी हटाने को कहते रहे, लेकिन जब देखा कि युवक पूरी तरह नशे में धुत है और होश खो चुका है, तो माहौल तनावपूर्ण बन गया। युवक ने जब आसपास के लोगों की बात सुनने से इनकार किया, तब समस्या और बढ़ गई। सड़क पर दोनों ओर से वाहन रुक गए और देखते ही देखते सैकड़ों गाड़ियों की कतार लग गई। यात्रियों को घंटों तक जाम में फंसे रहे।

हैरानी की बात यह रही कि युवक न केवल गाड़ी हटाने से मना करता रहा बल्कि उसे समझाने आए लोगों से बदतमीजी और गाली-गलौज करने लगा। कुछ लोगों ने उसे शांत करने की कोशिश की तो वह उनसे मारपीट पर उतारू हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, युवक का व्यवहार इस कदर आक्रामक था कि माहौल बिगड़ने का डर पैदा हो गया था। कई यात्रियों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, जो लंबा जाम लगने से परेशान हो उठे। स्थिति की गंभीरता देखते हुए लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचित किया।

सूचना मिलते ही मुख्य आरक्षी हेम राम अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को काबू में लिया। पुलिस ने सबसे पहले सड़क जाम को खुलवाने की कार्रवाई की और गाड़ियों को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया। पुलिस ने जब युवक से गाड़ी हटाने और नशे की हालत में गाड़ी खड़ी करने का कारण पूछा तो उसने और भी अशोभनीय व्यवहार किया। हालांकि पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए उसकी गाड़ी को सड़क से हटवाया और ट्रैफिक को सामान्य किया। नियमों के मुताबिक नशे की हालत में वाहन खड़ा करना और ट्रैफिक अवरोध पैदा करना गंभीर अपराध है। पुलिस ने युवक पर तुरंत कड़ी कार्रवाई करते हुए 20,000 रुपए का चालान किया। साथ ही पुलिस ने उसे सख्त चेतावनी दी कि भविष्य में इस तरह का कृत्य दोहराया गया, तो और भी सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कई लोगों ने मांग की कि ऐसे मामलों में केवल चालान काटने से काम नहीं चलेगा, बल्कि दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि भविष्य में कोई और इस तरह की हिमाकत न करे। उधर, चौकी प्रभारी मुख्य आरक्षी हेम राज ने मामले की पुष्टि की है।

भयंकर बाढ़ में व्यासश्वेर महादेव की 400 वर्ष पुरानी नंदी की प्रतिमा खंडित, शिव भक्तों को लगा आघात

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

ब्यास के किनारे बाढ़ से 400 वर्ष पुरानी नंदी की प्रतिमा खंडित।

मंडी। ब्यास नदी का उफान शांत होने पर व्यासश्वेर महादेव की नंदी प्रतिमा खंडित पाई गई है। राजा सिद्ध सेन का काल से पहले निर्मित इस प्रतिमा के खंडित होने से शिव भक्तों को गहरा आघात पहुंचा है।

पिछले 400 सालों में नंदी और शिवलिंग को बाढ़ से कभी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन कुछ लोगों शयाम, मनोहर, अश्विनी आदि ने बताया कि नंदी का सिर खंडित होने का मतलब है कि देश प्रदेश में गौवध जारी है, जिस कारण प्रतिमा खंडित हुई है और पानी के वेग से खंडित होने का मतलब है कि निकट भविष्य में यदि देश प्रदेश में गौवध पर हर तरह से अंकुश नहीं लगाया गया, तो प्रकृति अपना प्रलय रूप धारण कर अगले वर्षों में तबाही मचा सकती है, इसलिए हिमाचल और केंद्र सरकार को देश के हर प्रांत में गौवध पर पूर्णतया प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गाय स्वयं धरती है। इसलिए जब भी पृथ्वी पर पाप बढ़ जाता है तो पृथ्वी गाय का रूप धारण का भगवान विष्णु से पाप के नाश की विनती करती है। ब्यास और सुकेती के किनारे नंदी की प्रतिमा का टूटना बड़े प्रलय का संकेत है, जो अगले सात सालों में घटित होना निश्चित माना जा रहा है। ऐसे में गाय की रक्षा से ही मानव जाति और धरती की रक्षा हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

अत्यधिक वर्षा से मंडी नगर की जलापूर्ति प्रभावित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। हाल ही में हुई असामान्य वर्षा के कारण मंडी नगर को पानी उपलब्ध कराने वाली दोनों प्रमुख पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं। अधिशाषी अभियंता देवराज चौहान ने बताया कि ऊहल नदी आधारित बहाव पेयजल योजना की 450 एमएम व्यास की मुख्य पाइपलाइन भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हो गई है, जबकि रियागड़ी स्थित जल आगमन संयंत्र में भारी गाद भरने से जल निकासी बाधित है। इसी तरह व्यास दरिया आधारित उठाऊ योजना भी पंडोह बांध से निरंतर गाद छोड़ने के कारण संचालित नहीं हो पा रही है। विभाग ने नगरवासियों को राहत देने के लिए वैकल्पिक जलापूर्ति की व्यवस्था की है। इसके अंतर्गत पड्डल, सौलीखड्ड, पुल घराट, मंगवाई, जेल रोड, लोअर पंजेठी, तुंगल कॉलोनी, लाल कोठी, खलियार, पुरानी मंडी, भ्यूली, गणपतिमार्ग, सैन, मट व लोअर नेला आदि क्षेत्रों में आज शाम से जलापूर्ति शुरू की जाएगी। जबकि मुख्य बाजार, टारना, थनेहड़ा, अपर पंजेठी, मंगवाई, समखेतर, दरम्याना, रवि नगर व बगला मोहल्ला सहित कई इलाकों में आपूर्ति कल शाम तक संभव हो पाएगी। अधिशाषी अभियंता ने लोगों से पानी संयमित उपयोग करने और सहयोग की अपील की है।

स्कूल स्टाफ ने छात्रा को दी वित्तीय सहायता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक कन्या पाठशाला मंडी के प्रधानाचार्य अनिल कटोच व सभी अध्यापकों ने विद्यालय की छात्रा कक्षा प्लस वन मेडिकल की प्रिया जो बथेरी के आरंग गांव की निवासी है बरसात के मौसम में अभी बादल फटने की वजह से इस छात्रा का घर पूरी तरह ध्वस्त हो गया। इनका सारा परिवार सिर्फ अपनी जान बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा। उनके पास कोई भी सामान नहीं बचा था। सरकार की तरफ से फौरी राहत मिलने से सिर्फ कुछ समय के भोजन की व्यवस्था हो पाई थी। विद्यालय के संपूर्ण स्टाफ ने इस छात्रा के परिवार की मदद करने के लिए 25,000 रुपए की राशि इकट्ठा कर इस छात्रा की माता सिलमा देवी पत्नी चमारू राम को प्रदान की।

समिति के सदस्य बने यादविंद्र शर्मा

अनंत ज्ञान, रिवालसर। प्रदेश सरकार ने बल्ह विधानसभा क्षेत्र के तहत ग्राम पंचायत दूसरा खाबू के उप प्रधान यादविंदर शर्मा को जिला शिकायत निवारण कमेटी का गैर सरकारी सदस्य नियुक्त किया है। प्रदेश सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यादविंदर शर्मा कांग्रेस पार्टी संगठन में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी यह नियुक्ति सामाजिक सेवा, जन सरोकार के प्रति उनकी सक्रिय भागीदारी और लोगों में उनके बढ़ते प्रभाव को देखते हुए की गई है। यादविंदर शर्मा ने अपनी इस नियुक्ति के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी, एपीएमसी चेयरमैन जिला मंडी संजीव गुलेरिया का आभार प्रकट किया है।

किसान क्रेडिट कार्ड की जानकारी दी

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक की बस स्टैंड शाखा द्वारा गांव सैंथल में एक दिवसीय वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बैंक अधिकारी अंकुश ठाकुर ने उपस्थित ग्रामीणों और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को किसान क्रेडिट कार्ड, एनआरएलएम, स्वयं सहायता ऋण योजना, वाहन व आवास ऋण योजना तथा सशक्त महिला ऋण योजना बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने बैंक की बीमा योजनाओं की भी जानकारी सांझा की और लोगों की बैंकिंग संबंधी समस्याओं का मौके पर निपटारा किया। शिविर में गांव की प्रबुद्ध जनता, महिला समूहों और ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर बैंक कर्मी वीना कुमारी भी मौजूद रहीं।

एचआईवी के बारे में किया जागरूक

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। राजीव गांधी स्मारक राजकीय महाविद्यालय जोगिंद्रनगर में बुधवार को रेड रिबन क्लब एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर तथा स्थानीय बस स्टैंड पर विद्यार्थियों ने फ्लैश मॉब्स प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में फैली भ्रांतियों और गलत धारणाओं को दूर करना, लोगों को एचआईवी एड्स से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करना तथा सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान करना था। विद्यार्थियों ने अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आम जनता को संदेश दिया कि जागरूकता ही बचाव है और जानकारी ही इस बीमारी से लड़ाई का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों व विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए संकल्प लिया कि वे एड्स से जुड़ी गलत धारणाओं को समाप्त करने और सही जानकारी समाज तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

जोगिंद्रनगर कॉलेज में कल लगेगा मेला

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। राजीव गांधी स्मारक राजकीय महाविद्यालय जोगिंद्रनगर में 29 अगस्त को एक भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्टॉल्स लगाएंगे, वहीं महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा पारंपरिक और स्थानीय व्यंजनों के पकवान तैयार कर बिक्री के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे। मेले के मुख्य अतिथि उपमंडलाधिकारी जोगिंद्रनगर होंगे। यह आयोजन महाविद्यालय की इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेल तथा उन्नत भारत अभियान की टीम और समन्वयकों द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य के सक्षम मार्गदर्शन में संपन्न किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों को उद्यमशीलता और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। साथ ही स्थानीय महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर उपलब्ध कराना भी है। महाविद्यालय परिवार ने क्षेत्रवासियों से इस मेले में पधार कर विद्यार्थियों एवं महिलाओं का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

कला व रंगोत्सव में छाई कन्या पाठशाला

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। पीएमश्री राजकीय आदर्श कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जोगिंद्रनगर में बुधवार को कलक्टर स्तरीय कला उत्सव एवं रंगोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानाचार्य मनोज चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें जोगिंदरनगर कलक्टर की 18 पाठशालाओं के 100 से अधिक बाल कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।विजुअल आर्ट्स सीनियर ग्रुप में वैदिक स्कूल शानन की जानवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जूनियर पेंटिंग प्रतियोगिता में कन्या पाठशाला की कविता ने बाजी मारी। रंगोली प्रतियोगिता में राजकीय उच्च पाठशाला पंजन की टीम प्रथम रही। सोलो डांस जूनियर वर्ग में कन्या पाठशाला की छात्रा ने प्रथम स्थान हासिल किया। थिएटर में माउंट मौर्य स्कूल प्रथम और कन्या पाठशाला द्वितीय रही। पारंपरिक कहानी वाचन में भी कन्या पाठशाला की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।सोलो ग्रुप डांस में कन्या पाठशाला की तान्या एंड पार्टी तथा ग्रुप सॉन्ग प्रतियोगिता में भी कन्या पाठशाला की छात्राओं ने पहला स्थान पाया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मनोज चौहान ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा सामने आती है और हमारी प्राचीन संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है।

चौहार और छोटा भंगाल घाटी में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त; सड़कें बंद, खतरे में किसानों की फसलें

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान

बरोट में कम नहीं हो पाया ऊहल नदी का जलस्तर।

बरोट। छोटा भंगाल व चौहार घाटी में तीन दिन तक लगातार हुई भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बुधवार को बारिश थमने के बावजूद हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। चौहार व छोटा भंगाल घाटी को जोड़ने वाला बरोट-घटासनी मुख्य मार्ग बरोट बस ठहराव के पास भारी ल्हासा गिरने से बंद पड़ा है। वहीं गुराहला में सड़क का बड़ा हिस्सा धंसने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। इसके अलावा बरित-मियोट, मुल्थान-बड़ाग्रा व मुल्थान-लोहारडी मार्ग भी जगह-जगह भूस्खलन और डंगे धंसने से अवरुद्ध पड़े हैं।

सड़कें बंद होने से ग्रामीणों की आवाजाही मुश्किल हो गई है और किसानों की नगदी फसल आलू, बंद गोभी व मूली खेतों में सड़ने लगी है। साथ ही गुराहला में बिजली का खंभा गिरने से खलैहल पंचायत और छोटा भंगाल घाटी के सभी दुर्गम गांवों में सोमवार रात से बुधवार तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित रही। हालांकि लोक निर्माण विभाग सड़कों को बहाल करने के लिए जेसीबी तैनात किए हुए है और विद्युत विभाग भी आपूर्ति बहाली में जुटा है। इधर ऊहल व लंबाडग नदियों सहित सहायक नालों का जलस्तर अब भी ऊंचा बना हुआ है, जिससे खतरा टला नहीं है।

विधायक दिलीप ने परिवहन निगम पर लगाया विधानसभा को गुमराह करने का आरोप

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट के विधायक दलीप ठाकुर ने विधानसभा में हिमाचल पथ परिवहन निगम डिपो सरकाघाट में स्वीकृत और रिक्त पदों के बारे में सवाल उठाया। उन्होंने सरकार से यह भी पूछा कि रिक्त पद कब तक भरे जाएंगे। विभाग द्वारा दी गई जानकारी में भारी अंतर पाया गया। एक जानकारी में डिपो के स्वीकृत पदों की संख्या 282 बताई गई, जबकि दूसरी बार यह 356 बताई गई। रिक्त पदों की संख्या भी असंगत है एक रिपोर्ट में 165 पद रिक्त और दूसरी में केवल 56 पद रिक्त बताए गए। विधायक दलीप ठाकुर ने कहा कि यह अस्पष्टता और जवाबदेही की कमी जनता को भ्रमित कर रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में ही गलत जानकारी दी जा रही है, ऐसे में सरकार पर विश्वास कैसे किया जा सकता है? सरकाघाट डिपो में 40 ड्राइवर पद खाली होने के बावजूद, मौजूदा ड्राइवरों पर सामान्य से कई गुना काम थोप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यही असंतुलन मसेरन हादसे में सरकाघाट के 8 लोगों की जान जाने का कारण बना है।

चेक बाउंस मामले में अपील खारिज सजा व जुर्माने का फैसला बरकरार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

अतिरिक्त सेशन जज द्वितीय मंडी होशियार सिंह वर्मा की अदालत ने चेक बाउंस के एक मामले जिसमें ट्रायल कोर्ट ने दोषी को कैद व जुर्माने की सजा सुनाई थी, उसमें दोषी की अपील को खारिज करते हुए अधीनस्थ अदालत का फैसला कायम रखा।

यूनियन बैंक आफ इंडिया की मंडी शाखा ने अपने वकील महेश चोपड़ा के माध्यम से पूर्ण चंद पुत्र मोती राम गांव गोड़ा गागल तहसील बल्ह जिला मंडी के खिलाफ निचली अदालत यानी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष याचिका दायर की थी कि पूर्ण चंद उनके पैसे नहीं लौटा रहा है और जो चेक उसने दिया है वह बाउंस हो गया है। इस पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मंडी की अदालत ने 14 मई 2025 को अपने निर्णय में पूर्ण चंद को दो साल की कैद व हर्जाने के तौर पर 8 लाख रुपए अदा करने के आदेश दिए थे। पूर्ण चंद ने इस निर्णय को उपरी अदालत में चुनौती दी थी, जहां से अतिरिक्त सेशन जज द्वितीय होशियार सिंह वर्मा की अदालत ने पूर्ण चंद की याचिका को खारिज करते हुए निचली अदालत का निर्णय बरकरार रखा।

बैंक के वकील महेश चोपड़ा ने बताया कि अदालत ने सीजेएम के निर्णय को सही करार दिया तथा दोषी को आदेश दिए कि वह 15 सितंबर 2025 को निचली अदालत में आत्मसमर्पण करे व सजा का पालन करे। यदि वह ऐसा नहीं करता है तो निचली अदालत इस पर जरूरी कानूनी कार्रवाई करे।

सुंदरनगर में डीसी ने अधिसूचित किए पार्किंग व नो पार्किंग जोन

एसीजेएम कोर्ट गेट से एसडीएम ऑफिस तक रहेगी अधिवक्ताओं के लिए पार्किंग की व्यवस्था

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने मोटर व्हीकल अधिनियम 1988 की धारा 117 के अंतर्गत सुंदरनगर में पार्किंग और नो पार्किंग जोन अधिसूचित कर दिए हैं। इस संबंध में 1 अप्रैल को जारी प्रारूप अधिसूचना पर आम जनता से आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। प्राप्त चार आपत्तियों पर विचार करने के बाद एसडीएम सुंदरनगर की सिफारिश के आधार पर यह अधिसूचना जारी की गई है।

अधिसूचना के अनुसार एसीजेएम कोर्ट गेट से एसडीएम ऑफिस गेट तक अधिवक्ताओं के लिए पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। वहीं जजों की पार्किंग से शीतला स्वयं सहायता समूह बिक्री केंद्र के फुटपाथ की शुरुआत तक तथा नगर परिषद कार्यालय के साथ पांच गाड़ियों के लिए पार्किंग स्थान सुरक्षित किया गया है। सिविल अस्पताल गेट से मिनी सचिवालय प्रवेश द्वार के सामने, न्यू दुर्गा ग्लास हाउस के सामने से मन्नत अस्पताल तक, पोल्ट्री फार्म हिम हैचरी से वेटनरी अस्पताल तक, नए बस स्टैंड (बीएसएल टनल) से जल शक्ति भवन के सामने टैक्सी स्टैंड तक और हमसफर चौक से नए बस स्टैंड एंट्री गेट तक आम जनता के लिए पार्किंग क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं।

वहीं हमसफर चौक मनाली स्वीट्स दुकान से पुराने बस स्टैंड तक, टैक्सी स्टैंड एंट्रेंस प्वाइंट से ललित चौक तक, रेस्ट हाउस चौक से पोल्ट्री फार्म तक, मन्नत अस्पताल से ललित चौक तक तथा डॉ. महेंद्र क्लीनिक से धर्म सभा पुराना बाजार तक नो पार्किंग जोन घोषित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त एसडीएम ऑफिस गेट से रेड लाइट प्वाइंट, रेड लाइट प्वाइंट से सेंट मैरी पब्लिक स्कूल तथा रेड लाइट प्वाइंट से एमएलएसएम कॉलेज रोड पर पोस्ट ऑफिस तक दोनों ओर भी नो पार्किंग क्षेत्र अधिसूचित किए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि इन पार्किंग और नो पार्किंग क्षेत्रों को अधिसूचित करने का उद्देश्य सुंदरनगर में यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित बनाना है।

मंडी दर्शन ऐप लांच, महापौर ने किया शुभारंभ

अब एक क्लिक में पर्यटकों को मिलेगी प्राचीन मंदिरों की संपूर्ण जानकारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

मंडी दर्शन ऐप लांच करने के दौरान महापौर, छात्र व पार्षद।

नगर निगम के महापौर वीरेंद्र भट्ट शर्मा द्वारा गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में मंडी दर्शन ऐप का शुभारंभ किया गया। मंडी दर्शन ऐप का उद्देश्य मंडी नगर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को डिजिटल माध्यम से देश-विदेश तक पहुंचाना है। यह ऐप विशेष रूप से पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों को भी शहर की जानकारी एक क्लिक में उपलब्ध कराने के लिए विकसित किया गया है। इस ऐप को सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के छात्रों साहिल वत्सी, आशीष शर्मा, मोहित ठाकुर, सौरभ राणा और भरत प्रकाश स्टार्टअप द्वारा डिजाइन व विकसित किया गया है, जो तकनीकी नवाचार और सामाजिक सरोकार का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर पार्षद अलकनंदा हांडा, नेहा कुमारी, निर्मल वर्मा, यशकांत कश्यप, नितिन भाटिया, संजय कुमार, गैर सरकारी संगठनों के सदस्य एवं निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऐप की प्रमुख विशेषताएं: 360 डिग्री वर्चुअल टूल द्वारा प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी, इस ऐप में इंटरैक्टिव मोड बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक और रोचक अनुभव मिल सके, बाजार और पार्किंग की जानकारी स्थानीय सुविधा के लिए सहज नक्शे, कस्टम मैप फीचर, यूजर-फ्रेंडली नेविगेशन और लोकेशन गाइडेंस की सुविधा प्रदान की जाएगी तथा शीघ्र ही सार्वजनिक शौचालयों की लोकेशन को भी ऐप में जोड़ा जाएग। इस ऐप से जनता व पर्यटक नगर निगम के क्षेत्राधिकार में होने वाले त्यौहारों, कार्यक्रमों की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। आम जनमानस व पर्यटक www.Mandi-Darshan.com के माध्यम से भी सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

राहत-बहाली कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त: सोहन लाल

बरसात के नुकसान का पूर्व सीपीएस ने लिया जायजा, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों संग की बैठक

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

सुंदरनगर में बरसात से हुए नुकसान की जानकारी लेते हुए पूर्व सीपीएस सोहन लाल ठाकुर।

सुंदरनगर विधानसभा क्षेत्र में बरसात से हुए नुकसान को लेकर पूर्व सीपीएस सोहन लाल ठाकुर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों संग सुंदरनगर स्थित अपने कार्यालय में बैठक कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बहाली के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि लोगों को समय रहते सुविधा मिले और किसी प्रकार की असुविधाओं का सामना न करना पड़े।

सोहन लाल ठाकुर ने कहा कि बरसात से क्षेत्र में कई सड़कें बाधित हुई हैं, डंगे गिरे और कई जगहों मकानों को भी खतरा बना हुआ है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ई. रोशन लाल ठाकुर को निर्देश दिए कि सभी क्षतिग्रस्त मार्गों को युद्धस्तर पर बहाल किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और यातायात सुचारू रूप से बहाल हो सके। सोहन लाल ठाकुर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को चौकी-कमांद-सेगल सड़क पर चिहुड़ा सलोस के पास सड़क का बहुत बड़ा भाग बरसात के कारण खाई में समाने से सेगल की तरफ से एचआरटीसी और निजी बस सहित अन्य वाहन नहीं आ पा रहे है।

उन्होंने समस्या के समाधान को लेकर लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को मौका करते हुए अतिशीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए सड़क व यातायात बहाली करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी आदेश दिए कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द सुविधाएं बहाल करना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग सब डिवीजन कांगू के सहायक अभियंता ई. संजय शर्मा, सब डिवीजन सुकेत के सहायक अभियंता ई. यशवंत सिंह चंदेल और सब डिवीजन डैहर के सहायक अभियंता ई. कमल किशोर गुप्ता उपस्थित रहे।

पधर में नशे की अवैध खेती रोकने के लिए संयुक्त कमेटी गठित: एसडीएम

कविता, अनंत ज्ञान

- वन, पुलिस व राजस्व विभाग मिलकर करेंगे कार्रवाई
- अवैध भांग की खेती उखाड़ने व साप्ताहिक रिपोर्ट देने के निर्देश

पधर। उपमंडल पधर में नशे की अवैध खेती पर सख्ती से रोक लगाने के लिए प्रशासन ने निर्णायक कदम उठाया है। इसी कड़ी मे बुधवार को एसडीएम कार्यालय पधर में एसडीएम सुरजीत सिंह की अध्यक्षता में वन विभाग, पुलिस विभाग और राजस्व विभाग की एक संयुक्त कमेटी का गठन किया गया।

बैठक में एसडीएम सुरजीत सिंह ने बताया कि उपमंडल के कई क्षेत्रों से लगातार भांग की अवैध खेती की सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं। प्रशासन पूर्व में भी इस पर कार्रवाई कर चुका है, लेकिन अब इसे पूरी तरह खत्म करने के लिए संगठित प्रयास आवश्यक हैं।

इसी उद्देश्य से यह संयुक्त कमेटी बनाई गई है। कमेटी को तत्काल प्रभाव से भांग की अवैध खेती उखाड़ने और कार्रवाई की साप्ताहिक रिपोर्ट एसडीएम कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, पुलिस विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि जिन पंचायतों में भांग की खेती के ज्यादा मामले हैं, वहां जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव और अवैध खेती के कानूनी परिणामों की जानकारी दी जा सके।

वहीं एसडीएम सुरजीत सिंह ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे भांग जैसी अवैध फसलों की खेती छोड़कर नगदी फसलों और प्राकृतिक खेती को अपनाएं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल किसानों की आजीविका सुरक्षित होगी, बल्कि समाज को नशे की बुराई से भी बचाया जा सकेगा।

बच्चों ने बनाई गणेश की प्रतिमा

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

नन्हे-मुन्ने बच्चे गणेश की प्रतिमा के साथ।

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल जोगिंद्रनगर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मासूम कल्पनाओं और कोमल हाथों से भगवान गणेश की सुंदर प्रतिमाए बनाईं। बच्चों की इस कला और उत्साह को देखकर सभी अभिभावक और शिक्षक गदगद हो उठे। कार्यक्रम में स्कूल प्रधानाचार्य संजय ठाकुर ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि बचपन से ही बच्चों को अच्छे संस्कार और धार्मिक परंपराओं से जोड़ना माता-पिता और शिक्षकों का दायित्व है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां न केवल बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती हैं बल्कि उनमें सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना भी विकसित करती हैं प्रधानाचार्य ने यह भी कहा कि गणेश चतुर्थी जैसे पर्व बच्चों को भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। इस तरह के आयोजन बच्चों को धार्मिक उत्सवों का महत्व समझाने के साथ-साथ उनमें सामूहिकता और आपसी सहयोग की भावना भी जागृत करते हैं।

आस्था | गणेश महोत्सव का शुभारंभ, पहली भजन संध्या में संदीप शर्मा ने बांधा समां

जोगिंद्रनगर में गूंजा गणपति बप्पा मोरया

अभिषेक, अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर में गणेश महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर श्रद्धालु।

जोगिंद्रनगर। बुधवार को जोगिंद्रनगर में गणेश महोत्सव का आगाज भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। नगरभर में गाजे-बाजे और जयकारों के बीच शोभायात्रा निकाली गई।

इसके उपरांत विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गणपति बप्पा की स्थापना की गई। समिति की ओर से जानकारी दी गई कि महोत्सव के दौरान सुबह साढ़े आठ बजे और शाम को साढ़े सात बजे आरती का आयोजन होगा। महोत्सव की पहली भजन संध्या में गणपति बप्पा के दोनों पंडालों में प्रदेश के बेहतरीन कलाकारों ने अपनी कला का मनमोहक प्रदर्शन कर भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। संध्या की शुरुआत परंपरा के अनुसार गणपति बप्पा की आरती से हुई।

इसके बाद प्रसिद्ध भजन गायक संदीप शर्मा ने अपनी मधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने गणेश वंदना से संध्या का शुभारंभ किया और फिर रख लाज मेरी गणपति अपनी शरण में लीजिओ, जप ले शिव का नाम प्यारे, नाता जोड़ लिया तुमसे प्रभु नाता जोड़ लिया जैसे भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन संध्या के दौरान संदीप शर्मा ने आगे वृंदावन जाऊंगी सखी बरसाना जाऊंगी, अगर कहीं मां के चरणों में मेरा भी प्यार हो जाता, मेरे गणपत दा जगराता अज होना सारी रात, बाबा जी तेरे कुंडलुएं कुण्डलुएं बाल, तेरी मैया जरूर सुनेगी जैसे गीत प्रस्तुत किए, जिन पर श्रोताओं ने देर रात तक भावविभोर होकर भक्ति का आनंद लिया।

समिति के प्रेस सचिव अमित सूद ने बताया कि गणेश महोत्सव की पहली भजन संध्या बेहद सफल रही। आने वाले दिनों में भी भक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे नगरवासियों को धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण का लाभ मिल सके।

हरियाणा से संबंध रखते हैं डॉ. आस्था के आईएएस मंगेतर

राजेश शर्मा, अनंत ज्ञान

ऊना। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की बेटी, डॉ. आस्था अग्निहोत्री का रिश्ता हरियाणा से जुड़ गया है। हाल ही में उनकी सगाई आईएएस अधिकारी सचिन शर्मा के साथ हुई। इस मिलन ने देवभूमि हिमाचल और पड़ोसी राज्य हरियाणा के बीच एक नया बंधन जोड़ दिया है। सचिन मूलत: हरियाणा के गुरुग्राम जिले के एक गांव से संबंध रखते हैं।

हिमाचल प्रशासनिक सेवा केडर के अधिकारी सचिन इस समय एसडीएम अंब तैनात हैं। डॉ. आस्था शिक्षा के क्षेत्र में एक दमदार पहचान रखती हैं। दिल्ली विवि से पढ़ाई करने के बाद उन्होंने इंग्लैंड से एलएलबी की स्नातकोत्तर उपाधि और फिर प्रदेश विवि से पीएचडी. की डिग्री हासिल की। वर्तमान में वे हिमाचल प्रदेश विवि में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। सादगी, ज्ञान और आत्मविश्वास ने उन्हें युवाओं के बीच विशेष पहचान दिलाई है। वहीं, उनके होने वाले जीवनसाथी आईएएस सचिन शर्मा हरियाणा के गुरुग्राम जिले के जहाजगढ़ गांव से ताल्लुक रखते हैं। वे पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त सुनील दत्त के पुत्र हैं। डीएवी स्कूल सेक्टर-14 से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड में बीटेक किया। निजी नौकरी के दौरान ही सचिन ने संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी शुरू की और दिन में 16-18 घंटे मेहनत कर 329वीं रैंक हासिल की। वर्तमान में वे अंब उपमंडल में एसडीएम के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। सचिन पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे हैं। यह रिश्ता केवल दो परिवारों का नहीं, बल्कि शिक्षा, प्रशासन और राजनीति के संगम का प्रतीक माना जा रहा है। साल 2024 में परिवार ने प्रोफेसर सिम्मी अग्निहोत्री के निधन से गहरा दुख झेला था, लेकिन अब इस रिश्ते ने घर-परिवार में एक नई उम्मीद और खुशी की किरण जगाई है। सगाई के बाद उपमुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया, जिसमें वे अपनी दिवंगत धर्मपत्नी को याद करते दिखाई दिए। इस वीडियो ने सभी की आंखें नम कर दीं और यह एहसास कराया कि यह सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि अधूरी खामोशियों में नई रोशनी का आगाज है। अब पूरे प्रदेश की निगाहें उस पल पर टिकी हैं, जब डिप्टी सीएम के आंगन में शहनाइयां गूंजेंगी और हिमाचल-हरियाणा का यह बंधन मिसाल बनेगा। रिश्ता तय होने के बाद उपमुख्यमंत्री ने अपनी बेटी के साथ और सचिन शर्मा ने अपने स्वजनों के साथ माता चिंतपूर्णी के दरबार में हाजिरी लगाई थी।

चक गांव के खेतों में खड़ा हुआ पानी, फसल तबाह

पंचायत भवन और आंगनबाड़ी केंद्र जलमग्न, ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान

अंब। अंब उपमंडल की पंचायत बेहड़ जसवां के चक गांव में पिछले करीब 20 दिनों से खेतों में पानी जमा होने के कारण हालात गंभीर बन गए हैं।

पंचायत घर के साथ लगते खेत अब तालाब का रूप ले चुके हैं। लगातार भरे पानी से जहां किसानों की खड़ी मक्की और सब्जियों की फसलें पूरी तरह चौपट हो गई हैं। वहीं, आसपास रहने वाले ग्रामीणों व दुकानदारों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के किसान नवीन कुमार, जो ऑर्गेनिक सब्जियों का उत्पादन करते हैं, बताते हैं कि उनकी पूरी सब्जी की फसल पानी में सड़ चुकी है। वहीं, मुलखराज, अशोक कुमार, विजय कुमार और अशोक चौधरी समेत कई किसानों की मक्की की फसल लगातार पानी भरे रहने से सूख गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी की निकासी का कोई प्रबंध न होने से उनकी सालभर की मेहनत पर पानी फिर गया है। खेतों में जमा पानी से दुर्गंध उठने लगी है। इससे पास स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को बिठाना मुश्किल हो गया है। पंचायत भवन तक पहुंचना भी लोगों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। हालात इतने खराब हैं कि पंचायत में बैठना भी कठिन हो गया है। साथ लगते दुकानदारों को भी बदबू के कारण दुकान पर बैठना मुश्किल हो गया है। पंचायत बेहड़ जसवां का पुराना भवन और उससे जुड़ा टॉयलेट भी पानी से चारों ओर से घिर गया है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया, तो यह भवन कभी भी गिर सकता है और हादसा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार, हालिया बनी नई सड़क ऊंची कर दी गई है, लेकिन पानी की निकासी पहले एक पुली थी, जो कि दूसरी ओर किसी की मलकियती भूमि होने के कारण बंद कर दी गई। दूसरी ओर गांव का सारा पानी पंचायत घर के आगे से डाइवर्ट होकर सीधा खेतों में जमा हो रहा है। पानी निकासी के लिए कोई द्वार नहीं छोड़ा गया। यही कारण है कि बारिश का सारा पानी खेतों में भरकर तालाब बन गया है। प्रधान से कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों ने पंचायत व प्रशासन से तत्काल समाधान की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि जल्द पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में हालात और भी बिगड़ सकते हैं। ब्लॉक समिति सदस्य राज पाल शर्मा का कहना है कि यह पंचायत की नाकामी है समय रहते समाधान करना चाहिए था, अगर पंचायत से समाधान नहीं होता है, तो उनको प्रशासन से बात करनी चाहिए। पंचायत प्रधान नीलम ने बताया कि समस्या गंभीर है। पंचायत स्तर पर इसको हल करने का प्रयास किया जाएगा और प्रशासन से भी प्रार्थना की जाएगी कि जल्द से जल्द स्थायी समाधान निकाला जाए।

चक गांव के खेतों में खड़ा हुआ बारिश का पानी।

विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र के उच्चारण के महत्व से कराया अवगत

संजीव जसवाल, अनंत ज्ञान

पंजावर। श्रावणी उपाकर्म पर्व व चतुर्वेदी शतकम महायज्ञ के पंचम दिवस का आयोजन अत्यंत गरिमामयी व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पूरा डीएवी स्कूल अंबोटा परिवार वैदिक मंत्रों की गूंज और यज्ञ की सुगंध से अभिभूत हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएवी ऊना के सेवानिवृत्त शिक्षक तिलक राज शर्मा के हार्दिक स्वागत व अभिनंदन से हुआ। तत्पश्चात उन्होंने हवन यज्ञ की पवित्र आहुतियों में सहभागिता निभाई। उनके द्वारा सामवेद की पचास आहुतियां अर्पित की गईं। इससे पूरे अनुष्ठान की गरिमा और बढ़ गई। वैदिक मंत्रोच्चारण की पवित्र ध्वनियों और हवन की सुगंध ने वातावरण को दिव्य और आध्यात्मिक बना दिया। हवन यज्ञ के पश्चात आए हुए अतिथि तिलक राज शर्मा ने विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र के उच्चारण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने सामवेद को प्रमुख वेद बताते हुए कहा कि इसमें 1875 मंत्र संकलित हैं। साथ ही चारों वेदों का संक्षिप्त परिचय देकर उन्होंने बच्चों को भारतीय ज्ञान परंपरा की गहराई से जोड़ने का संदेश दिया। स्कूल के प्रधानाचार्य एवं एआरओ नामित शर्मा ने विशिष्टातिथि को स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को बताया कि यजुर्वेद ज्ञान और कर्म का अद्भुत संगम है। उन्होंने बच्चों को यह प्रेरणा दी कि सुनने की कला जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पंचम दिवस का यह आयोजन न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान रहा, बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए वैदिक ज्ञान, जीवन मूल्यों और प्रेरणा का अनुपम संगम बनकर स्मरणीय बन गया।

हवन यज्ञ करते स्कूल के छात्र और विद्वान।

प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया

अनंत ज्ञान, जोल। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर बुधवार को जोल उपतहसील के अंतर्गत खुरवाई बाजार स्थित श्री अमृतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों गणेश भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। मंदिर के पुजारी संजीव शर्मा द्वारा इस भंडारे का आयोजन श्रद्धा और समर्पण भाव से किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय समाजसेवियों का भी सराहनीय सहयोग देखने को मिला। समाजसेवी रोहित कुमार ककराणा, देशराज, डॉक्टर सरवन, सुरेश कुमार, बबलू व अन्य सहयोगियों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। भक्तों ने भगवान गणेश और भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूरे वातावरण में भक्ति और उल्लास की भावना छाई रही। यह आयोजन सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर क्षेत्रवासियों के लिए एक प्रेरणास्रोत सिद्ध हुआ।

102 ग्रामीणों का जांचा स्वास्थ्य

अनंत ज्ञान, हरोली

सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में, प्रयास संस्था द्वारा संचालित सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा लगातार लोगों की सेवा में समर्पित है। इसी पहल की कड़ी में, हरोली विधानसभा की ग्राम पंचायत भड़ियारां में टीम रुचि, कपिला, मनीष ठाकुर, निहाल सिंह ने डॉ. प्रदीप कुमार के नेतृत्व में एकदिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 102 ग्रामीणों ने लाभ उठाया। जांच में 12 मरीज उच्च रक्तचाप (बीपी), 14 मरीज मधुमेह (शुगर) और 39 मरीज जोड़ों के दर्द से पीड़ित पाए गए। शिविर में सर्वप्रथम सभी मरीजों की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की गई, जिसके बाद उनकी रक्त जांच भी की गई। चिकित्सकों और टीम सदस्यों ने ग्रामीणों को संतुलित आहार, स्वस्थ दिनचर्या और जीवन शैली संबंधी जागरूकता प्रदान की। इसके अलावा, सभी मरीजों को आवश्यक दवाइयां निशुल्क रूप से वितरित की। यह आयोजन न केवल चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने वाला था, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और समरसता को भी बढ़ावा देता है। इस शिविर ने स्थानीय समुदाय में विश्वास पैदा किया और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तरीके से पहुंचाने का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

जांच शिविर में लोगों का चेकअप करते डॉक्टर।

24 से 27 तक किया नशा मुक्ति केंद्र का सोशल ऑडिट

अनंत ज्ञान, हरोली। हरोली सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग द्वारा एकीकृत नशा मुक्ति केंद्रों का सोशल ऑडिट 24 से 27 अगस्त तक सोशल जस्टिस सेल के सदस्यों द्वारा किया गया। मंगलवार को घालुवाल स्थित नशा मुक्ति केंद्र का सोशल ऑडिट सोशल जस्टिस के सदस्यों द्वारा किया गया। केंद्र की वित्तीय जानकारियां एकत्रित की गईं तथा उनके द्वारा मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं की जानकारी ली गई।

केंद्र में उपचाराधीन मरीजों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर केंद्र के सुरेश कुमार, परियोजना समन्वयक डॉ. बलदेव डोगरा, परवीन कुमारी, जगदीश राम, अमन राजेश तथा ग्राम पंचायत उपप्रधान अनिल जसवाल मौजूद रहे।

मनीषा हत्याकांड के विरोध में रोष प्रदर्शन

मनीषा हत्याकांड के खिलाफ महाराणा प्रताप कॉलेज, अंब में में प्रदर्शन करते एनएसयूआई के पदाधिकारी व विद्यार्थी।

अनंत ज्ञान, अंब

महाराणा प्रताप कॉलेज, अंब में बुधवार को एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) के नेतृत्व में मनीषा हत्याकांड के खिलाफ जोरदार रोष प्रदर्शन और नारेबाजी की गई।

कैंपस प्रेसिडेंट शिवम भाटिया की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रदर्शन में छात्रों ने एकजुट होकर मनीषा के लिए न्याय की मांग की। हरियाणा के भिवानी जिले की रहने वाली मनीषा, एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखती थी। उनकी नृशंस हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने सरकार से मांग की कि दोषियों को जल्द सख्त सजा दी जाए और मनीषा के परिवार को न्याय मिलना चाहिए। इस अवसर पर एनएसयूआई से जुड़े चिराग, मोती, माण्विक, नवीन, कृष, नितिन, कारण, शुभम, सिमरन, महक, प्रियंका, असीम, प्रेरणा, पूनम, पायल सहित कई छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और एकजुट होकर भारत सरकार से कार्रवाई की अपील की। छात्रों का कहना था कि ऐसे अपराधों पर यदि समय रहते कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो समाज में भय और असुरक्षा का माहौल और गहरा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन किसी एक लड़की के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज की बेटियों की सुरक्षा के लिए है। प्रदर्शन शांति पूर्ण रूप से संपन्न हुआ और छात्रों ने संकल्प लिया कि जब तक मनीषा को न्याय नहीं मिलेगा, उनकी आवाज उठाते रहेंगे।

नशे को रोकने के लिए पंचायत और स्कूल कॉलेज स्तर पर बने कमेटी : विनोद

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी

हिमाचल प्रदेश में नशे के बढ़ते मामलों पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद शर्मा ने चिंता जाहिर की है। प्रेस वार्ता में विनोद शर्मा ने बताया कि हर पंचायत स्तर पर कमेटियां बनाई जाएं, उस कमेटी में प्रधान के साथ गांव का एक्स सर्विसमेन और बुद्धिजीवी लोगों को इन कमेटियों में डाला जाए और पंचायत स्तर पर नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदारी समस्त ब्लॉक बीडीओ को दी जाए और ऐसे ही सभी स्कूलों में व कॉलेजों में पीटीए प्रधानों के साथ नशा निवारण कमेटी गठित हो, ताकि बच्चों को नशा न करने बारे जागरूक किया जा सके। जिले में डीसी और बीडीओ द्वारा पंचायत स्तर पर नशे को दूर करने के लिए पंचायत में जागरूकता शिविरों का आयोजन करवाया जाए। बाकी पंचायत स्तर पर बीडीओ और स्कूल स्तर पर शिक्षा अधिकारी समय-समय पर कमेटियों का निरीक्षण भी करें। उन्होंने बताया कि युवा इस नशे के दलदल में धंसते जा रहे हैं। चिट्टे के मामले प्रदेश में रोज पकड़े जा रहे हैं, लेकिन चिट्टे के सौदागरों पर अभी तक पुलिस शिकंजा नहीं कस पाई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है प्रदेश में नशे के ऊपर धरातल पर कार्य हो। इसमें हर विभाग की जिम्मेदारी तय हो। नशे के ऊपर सिर्फ पुलिस की कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं, बड़े दुख की बात है कि गरीब मां का बेटा जो अपनी मां के दुख में सहारा बनने की बजाय नशे में अपनी जिंदगी तबाह कर रहा है। विनोद शर्मा ने बताया कि इस महाभियान को धरातल पर उतारने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण खेल गतिविधियों का आयोजन भी युद्धस्तर पर होना चाहिएताकि बच्चे नशे से दूर रहकर अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हों।

रैली से नशा मुक्ति का दिया संदेश

अनंत ज्ञान, बड़ूही। राजकीय महाविद्यालय चौकीमनयार में एनएसएस स्वयंसेवियों द्वारा रेड रिबन क्लब के सहयोग से नशा मुक्ति जनजागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। रैली की अगुवाई कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलवंत सिंह राणा ने हरी झंडी दिखाकर की। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम सिंह ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व समाज को नशे की बुराइयों से अवगत कराना तथा युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। रैली के दौरान स्वयंसेवियों ने नशा मुक्ति के नारे लगाते हुए जनजागरूकता के गीत और स्लोगन प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटकों और कविताओं के माध्यम से भी स्थानीय जनता को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित जनसमूह ने नशा मुक्त व प्रगतिशील समाज निर्माण की शपथ ली। इस मौके पर डॉ. रामकुमार नेगी, प्रोफेसर कविता कौशल, डॉ. सगुन डोगरा और प्रोफेसर नवीन शर्मा भी मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

हरियाली रोपकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अनंत ज्ञान, अंब

महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक पौधरोपण अभियान का आयोजन किया।

इस अभियान के तहत एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न व्यक्तियों से पौधे एकत्र किए और सीनियर सेकेंडरी स्कूल कालरूही में पौधरोपण का कार्य शुरू किया। एनसीसी कैडेट्स ने स्कूल में 20 से अधिक पौधे लगाए। एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट अनिल वर्मा ने बताया कि कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर दर्शन कुमार, प्रोफेसर अमित शर्मा और डॉ. कुशल कुमार पांडेय ने भी स्कूल का दौरा किया और इस पौधरोपण अभियान में भाग लिया। स्कूल के प्राचार्य अनिल कुमार ने सभी कैडेट्स और अधिकारियों का स्वागत किया और इस सहयोगात्मक गतिविधि की सराहना की।

उन्होंने एनसीसी कैडेट्स द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। एनसीसी कैडेट्स ने स्कूल के छात्रों और संकाय सदस्यों को एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के बारे में भी जागरूक किया। इस अभियान के तहत एनसीसी कैडेट्स ने 100 से अधिक पौधे एकत्र किए। एनसीसी कैडेट्स का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को भी इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

बिहार के निर्वाचकों की संशोधित सूची प्रकाशित

अनंत ज्ञान, ऊना। सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में हिमाचल में अस्थायी रूप से रह रहे बिहार राज्य के निर्वाचकों से संबंधित अद्यतन सूची जारी कर दी गई है। यह सूची उन मतदाताओं की है, जिनका नाम वर्ष 2025 की बिहार निर्वाचक सूची (प्रारूप प्रकाशन से पूर्व) में दर्ज था, लेकिन 1 अगस्त को प्रकाशित प्रारंभिक प्रारूप सूची में शामिल नहीं पाया गया। डीसी ऊना जतिन लाल ने बताया कि सूची में प्रत्येक मतदाता का नाम कारण सहित दर्ज किया गया है। इसमें मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टि जैसी श्रेणियां शामिल हैं। यह सूची बिहार राज्य के प्रत्येक जिले की विधानसभा व मतदान केंद्रवार तैयार की गई है और इसे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार, सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के कार्यालयों तथा बिहार राज्य की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में निवास कर रहे बिहार के निर्वाचक भी अपने ईपिक संख्या के माध्यम से इस सूची में कारण सहित अपनी प्रविष्टि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही यह सूची बिहार राज्य के सभी प्रखंड कार्यालयों, पंचायत कार्यालयों, नगर निकाय कार्यालयों और मतदान केंद्रों में भी प्रदर्शित की गई हैं। डीसी ने बताया कि यदि कोई निर्वाचक अपनी प्रविष्टि को लेकर असंतुष्ट है, तो वह अपने आधार कार्ड की एक प्रति संलग्न कर संबंधित कार्यालय में अपना दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

जिम्मेदारी | उपमंडल बंगाणा के जल शक्ति विभाग थानाकलां में नए अधिशाषी अभियंता हरभजन सिंह भज्जी ने संभाला कार्यभार

जनता को बेहतर पेयजल सुविधाएं देना प्राथमिकता

अनंत ज्ञान, बंगाणा

उपमंडल बंगाणा के जल शक्ति मंडल थानाकलां में बुधवार को नई तैनाती के बाद अधिशाषी अभियंता हरभजन सिंह भज्जी ने विधिवत रूप से कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया।

उन्होंने कहा कि उपमंडल बंगाणा क्षेत्र की जनता को जल शक्ति विभाग द्वारा सुचारू और गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनकी पहली जिम्मेदारी होगी। अधिशाषी अभियंता ने कहा कि राज्य सरकार और कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा के सहयोग से क्षेत्र में नई पेयजल योजनाओं की दिशा में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। कई योजनाओं की डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार हो चुकी है। वहीं, कुछ योजनाओं की डीपीआर निर्माणाधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन योजनाओं को धरातल पर उतारने और जल्द से जल्द जनता तक लाभ पहुंचाने के लिए वह स्वयं निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा कि कुटलैहड़ क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से विविधताओं वाला इलाका है। यहां मैदानी और पहाड़ी दोनों तरह के गांव हैं, जहां पर पानी की उपलब्धता में कठिनाई बनी रहती है। बरसात के मौसम में कई बार पेयजल लाइनों को नुकसान पहुंचने से योजनाएं बाधित होती हैं। वहीं, गर्मियों में सूखे के हालात के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इन समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर और ठोस कदम उठाए जाएंगे। हरभजन सिंह भज्जी ने कहा कि जल शक्ति विभाग जनता से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। पेयजल की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि किसी भी पंचायत, गांव या कस्बे में पानी को लेकर दिक्कत आती है, तो लोग विभागीय कर्मचारियों के साथ-साथ सीधे उनसे भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि हर शिकायत का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। पारदर्शिता और जवाबदेही उनकी कार्यशैली की नींव होगी। योजनाओं में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे होंगे। इसके लिए विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

नई पेयजल योजनाओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और विधायक विवेक शर्मा का लक्ष्य है कि उपमंडल बंगाणा का कोई भी गांव पेयजल संकट से जूझता न रहे। इसी दृष्टि से दर्जनों नई परियोजनाओं की डीपीआर बनाई गई है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से आने वाले समय में उपमंडल बंगाणा के अधिकांश हिस्सों में स्थायी समाधान उपलब्ध होगा। अधिशाषी अभियंता ने कहा कि जनता का सहयोग और सहभागिता इस प्रक्रिया में सबसे अहम है। उन्होंने ग्रामीणों व शहरी क्षेत्रों के लोगों से अपील की है कि वे पेयजल योजनाओं के रखरखाव में विभाग का सहयोग करें। अनावश्यक पानी की बर्बादी न करें और पेयजल कनेक्शनों में अवैध जोड़-तोड़ से बचें। उन्होंने कहा कि विभाग अब तकनीकी साधनों का भी सहारा लेगा, ताकि पेयजल वितरण प्रणाली को और अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाया जा सके।

ऑनलाइन शिकायत प्रणाली को सशक्त किया जाएगा

उन्होंने संकेत दिए कि भविष्य में ऑनलाइन शिकायत प्रणाली को और अधिक सशक्त किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी आसानी से विभाग तक अपनी समस्या पहुंचा सकें। हरभजन सिंह भज्जी ने कहा कि जनता की सुविधा के लिए समय-समय पर शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में न केवल पेयजल से संबंधित समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि लोगों को पानी की बचत और स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कुटलैहड़ को बनाएंगे प्राकृतिक खेती का हब : विवेक

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा ने विधानसभा सत्र के दौरान में चर्चा के दौरान प्राकृतिक खेती को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि कुटलैहड़ को प्राकृतिक खेती का हब बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री सुक्खू की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए हर संभव आर्थिक सहयोग दे रही है, जिससे प्रदेश में टिकाऊ और सुरक्षित कृषि व्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है।

विवेक शर्मा ने कहा कि आज के समय में प्राकृतिक खेती की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक हो गई है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ किसान आधुनिक कृषि पद्धतियों में रासायनिक खादों और जहरीली दवाइयों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं। इस कारण न केवल जमीन की उर्वरा शक्ति कम हो रही है, बल्कि खाद्य पदार्थों में जहरीले तत्व बढ़ने से मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने सदन में साफ कहा कि

रासायनिक दवाइयों के छिड़काव से बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और कैंसर जैसी घातक बीमारियों का भी बड़ा कारण यही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है। इससे न केवल उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार आएगा, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। विवेक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा प्राकृतिक खेती को लेकर बनाई जा रही नीतियां और किसानों को दी जा रही आर्थिक मदद एक दूरदर्शी पहल है। सरकार का उद्देश्य है कि किसान आत्मनिर्भर बनें और साथ ही उपभोक्ताओं को शुद्ध, सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री मिले। कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में प्रत्येक पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाएं। इन अभियानों के माध्यम से किसानों और आम जनता को रासायनिक दवाइयों के दुष्प्रभाव और प्राकृतिक खेती के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर आकर्षित करने के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे और उन्हें तकनीकी जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने सदन में जोर देकर कहा कि कुटलैहड़ क्षेत्र को प्राकृतिक खेती का हब बनाने के लिए वह स्वयं लगातार प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र का हर किसान प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाए, तो यह मॉडल पूरे प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है।

ब्यास व पार्वती का प्रचंड रूप देखकर जिया के ग्रामीणों की उड़ी नींद

अनंत ज्ञान, भुंतर

जिला कुल्लू में बीते दिनों हुई भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। ब्यास व पार्वती नदी प्रचंड रूप में थी। घाटी में नदी-नालों में आई बाढ़ के कारण छह पुल बह गए हैं। कुल्लू के रामशिला में ब्यास नदी के उफान में तीन दुकानें और चार मकान बह गए।

पर्यटन नगरी मनाली के बाहंग को भी पूरी तरह से खाली करवाया गया और यहां पर भी चार मकान, एक रेस्टोरेंट व चार दुकानें ब्यास नदी की चपेट में आने से बह गए हैं। कुल 16 भवन बह गए हैं। ब्यास पार्वती ऐतिहासिक नदियां इतनी प्रचंड थी की जिया गांव को भारी खतरा उतपन्न हो गया। मंगलवार को पूरा दिन ग्रामीण भय में रहें और रात जाग कर बिताई। ब्यास किनारे संगम के पास टाइल फैक्टरी व अन्य नदी किनारे सभी घरों को खतरा हो गया।

जनता ने अपने बचाव के लिए खुद सुरक्षा दीवारें लगाई थी भले उन्हें नुकसान पहुंचा, लेकिन बचाव बहुत कर गई। ग्रामीण जीत राम, पवन, पुने राम, राजु, कृष्णा देवी, कांता देवी, जयबंती,आदि का कहना है कि प्राकृतिक आपदा से नुकसान हर जगह हो रहा है, लेकिन जिया गांव में सुरक्षा दीवार न लगाकर जान बूझकर आफत में धकेला जा रहा है। इनका कहना है कि दो अढ़ाई सालों से कोई भी जिया गांव का हाल जानने नहीं आ रहा। जिया गांव की अनदेखी कर लोगों को काले पानी की सजा से भी भयानक सजा दी जा रही हैं क्योंकि बारिश में अब ग्रामीण भयभीत हो जाते हैं। बाढ़ की स्थिति देख कर कई बार छोटे- छोटे बच्चों व बाजुर्गों को लेकर घर छोड़ कर भागना पड़ता हैं।

जिला कुल्लू की ऐतिहासिक नदियों के बीच बसा जिया गांव लावारिस जैसा बन गया है। बरसात पूरे यौवन पर है, लेकिन गांव की दायनीय हालात सुधारने की बात तो दूर कोई हाल जानने नहीं आता है, जबकि शासन व प्रशासन को जनता सुरक्षा दीवार लगाने की गुहार कई बार लगा चुकी हैं, लेकिन जिला प्रशासन डेंजर जोन में सुरक्षा दीवार तक नहीं लगा पाया। शायद सरकार और प्रशासन अनहोनी का इंतजार कर रहा होगा। 2023 की बाढ़ ने जिया में बहुत नुकसान किया। वहीं, फुट ब्रिज को भी बाढ़ ने क्षति ग्रस्त कर दिया। उसका भी पुनरनिर्माण नहीं हो पाया ग्रामीण परेशान हैं।

जिले में हो रही फ्लैश फ्लड की घटनाओं से लोग सहम गए हैं रात-रात भर सो भी नहीं पात, अब दोबारा दोनों नदियों में बाढ़ से मलबा भर गया स्थिति ज्यादा भयानक हो गई हैं।

जिला कुल्लू में बीते दिनों हुई भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर, जिया में कुछ इस तरह दिखा ब्यास व पार्वती का प्रचंड रूप।

बागीपुल-जाओं मार्ग 8 से 10 दिन में खुलेगा

अनंत ज्ञान, आनी। उपमंडल निरमंड की चायल पंचायत को जोड़ने वाला बागीपुल-जाओं मार्ग अगले 8 से 10 दिनों में यातायात के लिए पुनः शुरू हो जाएगा। एसडीएम निरमंड मनमोहन सिंह ने स्पॉट का निरीक्षण कर लोक निर्माण विभाग को कार्य में तेजी लाने और ग्रामीणों को शीघ्र आवागमन सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। क्षेत्रवासियों ने एसडीएम के समक्ष अपनी दिक्कतें रखते हुए बताया कि मार्ग अवरुद्ध होने से उन्हें रोजमर्रा की गतिविधियों में खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। लगभग 15 दिनों से यह सड़क बंद है। ढारा नामक स्थान पर हुए भूस्खलन के कारण यातायात पूरी तरह से ठप पड़ा है। निरीक्षण के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि सड़क का पिछला हिस्सा अभी नहीं काटा जाएगा। एसडीएम ने लोगों को आश्वासन दिया कि मार्ग बहाली कार्य को प्राथमिकता देकर निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाएगा।

जिले में पेट्रोल पंपों को आपातकालीन सेवाओं के लिए रिजर्व स्टॉक रखना अनिवार्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू में लगातार हो रही भारी वर्षा से सड़क मार्ग बाधित हो गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-3 सहित वैकल्पिक मार्ग कांडी-कटौला भी कई स्थानों पर बंद होने से भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। प्रशासन का अनुमान है कि बहाली में एक से दो दिन का समय लग सकता है। स्थिति को देखते हुए डीसी कुल्लू व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष तोरुल एस रवीश ने आदेश जारी किए हैं। इसके तहत जिले के सभी पेट्रोल पंपों को आपातकालीन सेवाओं के लिए आगामी आदेशों तक न्यूनतम रिजर्व स्टॉक बनाए रखना अनिवार्य कर दिया गया है। निर्धारित नियमों के अनुसार 25,000 लीटर से अधिक क्षमता वाले पंपों को कम से कम 5000 लीटर डीजल और 3000 लीटर पेट्रोल रिजर्व रखना होगा। 25,000 लीटर से कम क्षमता वाले पंपों को कम से कम 3000 लीटर डीजल और 2000 लीटर पेट्रोल रिजर्व रखना होगा। इसके अलावा हल्के वाहनों को एक बार में अधिकतम 20 लीटर और भारी वाहनों को 100 लीटर तक ही ईंधन मिलेगा। जबकि एंबुलेंस, फायर टेंडर, आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई और सड़क बहाली कार्यों में लगे वाहनों को वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ईंधन उपलब्ध करवाया जाएगा। किसी भी पेट्रोल पंप पर जमाखोरी या काला बाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आदेश की अवहेलना पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188, 269, 270 तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा 51 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दो वर्ष तक की सजा या जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं।

वर्षा से प्रभावितों को दी फौरी राहत

प्रभावितों को राहत के तौर पर बांटी 15-15 हजार रुपए की राशि

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

अखाड़ा और छरूडू क्षेत्र में भारी वर्षा से प्रभावित लोगों, किरायेदारों और दुकानदारों को विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने फौरी राहत प्रदान की।

उन्होंने बताया कि भारी वर्षा के चलते ब्यास नदी में जलस्तर बढ़ने से कई भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं और लोगों की जमीन भी बह गई है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद परिस्थिति है, लेकिन प्रदेश सरकार संकट की इस घड़ी में हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। विधायक ने कहा कि प्रशासन द्वारा प्रभावितों को राहत के तौर पर 15-15 हजार रुपए की राशि उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार के रिलीफ मैनुअल के अनुसार आगे भी सभी पात्र प्रभावितों को उचित सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुक्खू स्वयं प्रभावितों की स्थिति को लेकर गंभीर और चिंतित हैं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रभावित परिवार को स्थापित करने तथा पुनर्वास की प्रक्रिया को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की स्थिति न बने, इसके लिए प्रभावित क्षेत्रों में प्रोटेक्शन वर्क को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रभावितों को रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा समाजसेवी संस्थाओं को भी इस कार्य में जोड़ा जाएगा, ताकि व्यापक स्तर पर राहत सामग्री और सहायता प्रदान की जा सके। विधायक ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है और जल्द ही पुनर्वास कार्यों को गति दी जाएगी।

कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर वर्षा प्रभावित लोगों को ढांढस बंधाते हुए।

डीसी ने प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

डीसी तोरुल एस रवीश ने बुधवार को छरूडू, रामशिल्हा तथा अखाड़ा बाजार क्षेत्रों का अधिकारियों के साथ दौरा किया। यहां लोगों को ब्यास नदी में अत्यधिक पानी आने से भारी नुकसान झेलना पड़ा है। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता व सहयोग का आश्वासन दिया।

उन्होंने बताया कि जिले में भारी बारिश के कारण ब्यास नदी और नालों का जलस्तर अचानक बढ़ गया था। इससे भवन, जमीन और सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं तथा पुलों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि समय असुरक्षित भवनों को खाली करवाने से किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन प्राथमिकता के आधार पर अवरुद्ध सड़क मार्गों, पेयजल योजनाओं और बिजली आपूर्ति को बहाल करने में जुटा हुआ है। इससे लोगों की आवाजाही और आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति जल्द बहाल की जा सके। उन्होंने कहा कि मंडी कुल्लू 305 राष्ट्रीय उच्च मार्ग और कांडी कटौला सड़क मार्ग को भी खोलने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। उन्होंने कहा कि मोबाइल कनेक्टिविटी अधिकतर क्षेत्र में शुरू कर दी गई है और प्रशासन लगातार शेष क्षेत्रों के लिए मोबाइल ऑपरेटर्स के संपर्क में हैं। डीसी ने बताया कि सरकार की सारी मशीनरी राहत व बचाव कार्यों में सक्रिय है और प्रभावित लोगों की हर संभव मदद सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से परहेज करें तथा नदी-नालों और भूस्खलन संभावित खतरनाक क्षेत्रों से दूर रहें। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में नागरिक तुरंत जिला प्रशासन को सूचित करें, ताकि राहत व बचाव कार्य समय पर किया जा सके। इस अवसर पर एसपी डॉ. कार्तिकेयन गोकुलचंद्रन, एडीसी अश्वनी कुमार, एएसपी संजीव चौहान सहित अन्य विभागों के अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

डीसी तोरुल एस रवीश ने छरूडू, रामशिल्हा तथा अखाड़ा बाजार क्षेत्रों का अधिकारियों के साथ दौरा किया। यहां लोगों को ब्यास नदी में अत्यधिक पानी आने से भारी नुकसान झेलना पड़ा।

माय भारत पोर्टल उपयोगिता व लाभों की जानकारी दी

अनंत ज्ञान, आनी। राजकीय महाविद्यालय आनी स्थित हरिपुर की दोनों एनएसएस इकाइयों द्वारा माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी प्रो. विजय कुमार व प्रो. सीमा ने किया। एनएसएस वॉलंटियर लीडर दिव्यांशी नेगी और इवेंट मैनेजर देश राज ने पोर्टल की उपयोगिता व लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. विजय कुमार ने कहा कि यह पोर्टल स्वयंसेवियों को राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ने व अपनी सेवाओं को दर्ज करने का अवसर देता है। वहीं प्रो. सीमा ने इसे राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र और पंजीकरण की व्यावहारिक प्रक्रिया के साथ हुआ। सभी नव-नामांकित स्वयंसेवकों ने सफलतापूर्वक पोर्टल पर अपना पंजीकरण पूरा किया।

करियर संभावनाओं के बारे में जानकारी दी

अनंत ज्ञान, आनी

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, निरमंड में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का नामांकन समारोह बुधवार को बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और कैडेट्स के रूप में संगठन से जुड़कर अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की दिशा में कदम बढ़ाया। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. संदीप कुमार ठाकुर ने कहा कि एनसीसी, जो भारत का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन है, युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सेवा-भावना और जिम्मेदारी की भावना का विकास करता है। कॉलेज में आयोजित नामांकन प्रक्रिया 8 एचपी एनसीसी बटालियन, रामपुर बुशहर, जिला शिमला के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विपिन सरकेक के मार्गदर्शन तथा कॉलेज की प्राचार्या डॉ. राजन देवी नेगी के संरक्षण में संपन्न हुई। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. संदीप कुमार ठाकुर, जेसीओ नर सिंह, एनसीओ मनोज राणा और जीसीआई अनुक्षा सहित बटालियन के स्टाफ ने नामांकन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को एनसीसी के प्रशिक्षण कार्यक्रम, वार्षिक शिविरों, सामाजिक सेवा गतिविधियों और करियर संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. राजन देवी नेगी ने कहा कि एनसीसी युवाओं के व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। यह न केवल अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करता है, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए तैयार करता है। नामांकित कैडेट्स में नरेश, राहुल, नितेश, राजेश, दिनेश, चेत राम, अंकुश, कनिका, रिया, नैना, काम्या, हर्षिता और जैस्विन शामिल हैं। नव-नामांकित कैडेट्स ने कहा कि यह अवसर उनके जीवन को नई दिशा देगा और उन्हें देशसेवा तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

एनसीसी का नामांकन समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

तीज-त्योहारों से आपसी सौहार्द व सहयोग और प्रेमभाव बढ़ता : गुलेरिया

अनंत ज्ञान, भुंतर

मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाल एकता समाज नगर समिति भुंतर द्वारा हरतालिका तीज पर्व भुंतर शहर के मेला ग्राउंड में बड़े ही धूमधाम से मनाया।

इसमें दि लोअर कुल्लू किसान बागवान संगठन के अध्यक्ष करतार सिंह गुलेरिया ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र शर्मा व संजय पठानिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाल एकता समाज नगर समिति ने मुख्यातिथि व विशेष अतिथियों का जोरदार स्वागत कर नेपाली परंपरा के अनुसार सम्मानित किया। नेपाली मूल के लोगों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसमें नेपाली संस्कृति की झलक देखने को मिली। हरतालिका तीज को शिव-पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। इस तरह हिंदू औरतें करवाचौथ का ब्रत रखती हैं। इसी तरह नेपाली मूल की महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। पूरे दिन झूमती गाती हैं और मनोरंजन करती हैं। महिला समाज के लिए प्रेम, श्रद्धा और विश्वास का अद्वितीय मंगल पर्व है। भुंतर में यह पर्व धार्मिक और सामाजिक रूप बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। गुलेरिया ने कहा कि मेले व त्योहार हमारी संस्कृति को संजोए रखते हैं यह आपसी भाईचारे के प्रतीक हैं। इन अवसरों पर लोग जाति, वर्ग और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर साथ मिलकर उत्सव मनाते हैं। इससे आपसी सौहार्द, सहयोग और प्रेमभाव बढ़ता है। इस मौके पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी बीना शर्मा, काउंसलर चिल्ड्रन हेल्प लाइन कमला देवी व सुमित सुपरवाइजर, मंजू देवी केस वर्कर इसके अलावा मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाल एकता समाज अध्यक्ष कन्हैया चौधरी , दिनेश कुमार सचिन, जगत प्रसाद सलाहकार, मनीराम, सतपाल, बालवीर, प्रेम, सोनू मंगल, दावा तामांग, कोपिल, सुनीता, माया चौधरी, हीरालाल, गोपाल, सुन्नी, मनोज आदि उपस्थित रहे।

भुंतर में हरितालिका तीज के अवसर में गणमान्य लोग।

जिला मुख्यालय से टूटा हवाई श्याह व आशनी गांव का संपर्क

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। 25 और 26 अगस्त को आसमान से बरसी भारी बारिश के कारण गड़सा घाटी के तीन गांवों हवाई, श्याह और आशनी गावों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। सड़क मार्ग टूटने से गांव के लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। गावों के किसानों और बागवानों को कई किलोमीटर पैदल चलकर अपना सामान सड़क तक पहुंचाना पड़ रहा है। वनाला में सड़क बैठने से गाड़ियों की आवाजाई पूरी तरह से बंद हो गई है, जिस से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग सड़क को जल्द से जल्द ठीक करें, ताकि लोगों को दिक्कतों से निजात मिले, जब तक सड़क का बहाल नहीं की जाती ग्रामीणों का मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

कहर मनाली में मोबाइल सिग्नल और बिजली, पानी सहित कटा संपर्क, कई गांव अभी भी अंधेरे में

कुल्लू व लाहौल-स्पीति में जनजीवन अस्त-व्यस्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू/केलांग

जिला कुल्लू व लाहौल-स्पीति में बीते दो दिनों से हुई भारी बारिश के चलते जहां जमकर तबाही हुई। वहीं, इससे सड़क मार्गों को भी खासा नुकसान पहुंचा है। हालांकि, बुधवार को घाटी में मौसम साफ रहा, लेकिन बीते दिन हुई भारी बारिश के चलते कुल्लू से मनाली का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। मनाली की स्थिति बेहद खराब है न बिजली, पानी और न ही तो मोबाइल सिग्नल ऐसे हालातों में लोगों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। इसके अलावा मनाली से लाहौल का संपर्क भी कट गया है। कुल्लू जिले में 100 से अधिक सड़कें बाधित हैं। वहीं, कई गांव अंधेरे में हैं और सिंचाई व पेयजल योजनाएं भी बारिश के कारण प्रभावित हुई हैं और पेयजल की भी दिक्कत से भी अब लोगों को जुझना पड़ रहा है। वहीं, ओट से आनी के बीच भी जगह-जगह हुए भूस्खलन के चलते सड़क बंद पड़ी हुई है। ऐसे में जिला प्रशासन ने सड़क बहाल करने का कार्य तेज कर दिया है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर सड़कें भूस्खलन के कारण बंद पड़ी हुई हैं। इसके चलते प्राइवेट और निजी बसों के पहिए भी थम गए हैं। लिहाजा, दोनों जिलों में जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त है।

कुल्लू व लाहौल-स्पीति में बीते दो दिनों से हुई भारी बारिश के चलते यहां जमकर तबाही हुई।

मनाली से कुल्लू का संपर्क कटा

जिला कुल्लू के रामशिला में ब्यास नदी में आई बाढ़ के चलते सड़क बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। हालांकि, बुधवार शाम के समय छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए रोड़ खुल गया है। इसके अलावा रायसन में भी सड़क पूरी तरह से बह गई है। पतलीकूहल से आगे बिंदु ढांक और मनाली के समीप भी ब्यास नदी में सड़क पूरी तरह बह गई है। कुल्लू-मनाली वाम तट सड़क मार्ग में भी छरूडु के पास सड़क ब्यास नदी की भेंट चढ़ गई है। ऐसे में मनाली का संपर्क कुल्लू से पूरी तरह से कट गया है। वहीं, भूस्खलन के चलते जगह-जगह पेड़ भी टूट कर गिरे हैं। इससे बिजली की लाइन भी प्रभावित हुई है। जिला कुल्लू के ग्रामीण इलाकों में बिजली व्यवस्था भी बदहाल पड़ी हुई है। वहीं, मनाली से आगे भी सड़क ब्यास नदी की भेंट चढ़ गई। इससे मनाली से लाहौल का संपर्क भी आपस में कट गया है।

मनाली-लेह मार्ग पर फंसे वाहन

बीते दिन हुई भारी बारिश से आई बाढ़ से मनाली-लेह हाईवे पर तेलिंग और पागलनाला के बीच करीब 350 वाहन फंस गए हैं, जिन्हें अब वहां से निकालने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इन वाहनों में 120 लोग मनाली की और निकलने का इंतजार कर रहे हैं। इनमें कुछ बुजुर्ग और बच्चे शामिल हैं और एक लड़की बीमार हैं। प्रशासन ने अब तक 41 यात्रियों को रेस्क्यू कर सिस्सू पहुंचाया है। वहीं, बीते दिन हालात का जायजा लेने के लिए खुद डीसी और डीएसपी मौके पर तैनात रहे हैं। लाहौल घाटी में नेटवर्क और बिजली ठप होने के चलते राहत कार्यों में भी दिक्कतें आ रही हैं। इसके अलावा मनाली-लेह, उदयपुर-किलाड, कोकसर-लोसर और दारचा-शिंकुला सड़क बंद हैं।

सड़क बहाली का कार्य तेज कर दिया

डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने कहा कि जिला कुल्लू में मौसम साफ होने के बाद बुधवार सुबह से सड़क बहाली का कार्य तेज कर दिया गया है। ऐसे में देर शाम तक कुल्लू से मनाली सड़क मार्ग वैष्णों माता मंदिर के पास से छोटे वाहनों के लिए खोल दिया गया है। वहीं, बिजली और जल व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जा रहा है। घाटी में खराब मौसम के चलते कई लोगों की संपत्ति बह गई है और प्रशासन द्वारा पूरे नुकसान की रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है। बहाली कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

माता हिडिंबा के आदेशानुसार रघुनाथ मंदिर में छोटी देव संसद आयोजित

देव प्रकोप के चलते हो रही भारी आपदा

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू। माता हिडिंबा के आदेशानुसार बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित भगवान रघुनाथ जी के मंदिर में छोटी जगती (देव संसद) का आयोजन किया गया। मनाली का कुल्लू से संपर्क कटने के कारण इस मौके पर हालांकि माता हिडिंबा के गूर उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन अन्य देवी-देवताओं के गूर मौजूद रहे।

इस मौके पर भगवान रघुनाथ जी के मुख्य छड़ीबरदार महेश्वर सिंह ने बताया कि देव स्थलों से छेड़छाड़ से देवता नाराज हैं। उन्होंने बताया कि छोटी देव संसद में देवताओं ने गूर के माध्यम से भविष्यवाणी में कहा देव प्रकोप के चलते ही भारी आपदा हो रही है। उन्होंने कहा कि बिजली महादेव में रोपवे के निर्माण को लेकर देवता नाराज हैं और आज भी देव संसद में सभी देवी-देवताओं ने रोपवे से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि माता हिडिंबा ने आदेश दिए थे कि छोटी जगती करो और वह भी जल्दी नहीं तो बहुत गड़बड़ हो जाएगी। वहीं, उन्होंने कहा कि देवताओं ने कहा है कि ढालपुर मैदान में जो खुदाई हो रही है, वह हम देवताओं को मजबूर नहीं। देवताओं ने जिला कारदार संघ को भी राजनीति से दूर रहने की बात कही है। वहीं, उन्होंने कहा कि देवताओं ने इस बात पर भी नाराजगी जताई है कि देवनीति में राजनीति हो रही है, जो कि गलत है। उन्होंने कहा कि छोटी जगती में देवी-देवताओं ने बड़ी जगती के भी दिए आदेश दिए हैं।

- देववाणी में फिर बिजली महादेव प्रोजेक्ट को इंकार
- ढालपुर मैदान में बंद की जाए छेड़छाड़

कहां-कहां होती है जगती

जगती का आयोजन भगवान रघुनाथ जी के मंदिर, नगर में स्थित जगती पट्ट मंदिर, ढालपुर मैदान में किया जाता है। इसमें देवता किसी समस्या पर इसे करवाने के लिए कहते हैं। कई बार राज परिवार के सबसे बड़े सदस्य यानी राजा भी किसी विशेष समस्या या विश्व शांति के लिए इसको बुलाते हैं।

क्या है जगती

जगती शब्द जगत से आया है और जगती पूछ का मतलब है कि वह पवित्र स्थान जहां पर बैठकर जगत यानी पूरे ब्रह्मनाद के बारे में पूछताछ की जाए और किसी विपदा के बारे में जानकरी ली जाए। सदियों पुरानी इस परंपरा को कुल्लू में आज भी कायम रखा गया है। इस परंपरा को लोकतंत्र का एक बेहतर उदाहरण कहा जा सकता है, जिसमें देव समाज एकजुट होकर संस्कृति के बचाव और विश्व कल्याण बारे बात करता है। जगती में आने वाले निर्णय का पूरा समाज पालन करता है ।

इन देवताओं की विशेष भूमिका

जगती के दौरान इसमें भाग लेने वाले देवताओं को निमंत्रण के बाद इसमें भाग लेना न लेना उनकी मर्जी पर होता है, लेकिन इसमें नगर की देवी त्रिपुरा सुंदरी, कोटकंडी के पंजवीर देवता, देवता जमलू और माता हिडिंबा की मुख्य भूमिका रहती है। पूछ के दौरान इनको विशेष तौर पर पूछा जाता है।।

न्यूज ब्रीफ

गणेश चतुर्थी पर स्थापित की गणपति की मूर्ति

अनंत ज्ञान, सोलन। गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रेम निवास सोलन में धूमधाम के साथ भगवान गणपति की मूर्ति स्थापित की गई। इस दौरान गणपति मौर्या गूंज के साथ पूजा-अर्चना की गई। दिनेश शर्मा ने कहा कि रोज दो वक्त की पूजा के बाद 31 अगस्त को साधुपुल में मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा। शर्मा ने बताया कि देश भर में गणपति उत्सव को धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसको लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

आंगनबाड़ी के पदों के लिए एक सितंबर तक आवेदन

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। बाल विकास परियोजना अधिकारी पांवटा साहिब ने जानकारी देते हुए बताया कि आंगनबाडी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के रिक्त पदों को भरने के लिए 1 सितंबर तक आवेदन आंमत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आंगनबाडी केंद्र भनेत डाबरा ग्राम पंचायत भनेत हल्दवाड़ी में आंगनबाडी कार्यकर्ता के स्थानांतरण का मामला बाल-विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय पांवटा साहिब में प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि आंगनबाडी कार्यकर्ता केंद्र भनेत डाबरा में रिक्त पद को रद्द किया जाता है। अतः आंगनबाडी केंद्र भनेत डाबरा में आंगनबाडी कार्यकर्ता के पद के लिए साक्षात्कार नहीं होगा।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अनंत ज्ञान, सोलन। सत्य साईं सेवा समिति सोलन ने अंजली चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ मिलकर प्रेम समूह तरु प्रोजेक्ट के तहत एक वर्ष का समझौता किया है। इनमें बोतलबंद पौधे, बोगनविलिया और हार शिंगार जैसे विभिन्न प्रजातियों के सैपलिंग्स के पौधे शामिल हैं। ये पौधे बीएसएनएल ऑफिस के पास, आशा भवन के नजदीक, फेज 2 हाउसिंग बोर्ड में लगाए गए हैं। इससे पहले समिति ने प्रेम तरु परियोजना के तहत आश्रय गो सदन बाइपास कथेड़ में भी 50 विभिन्न प्रजातियों के पौधे जैसे आंवला, रीठा, शहतूत, बाण, भजोल और अन्य पौधे लगाए।

एचआईवी एड्स के बारे में किया जागरूक

अनंत ज्ञान, नाहन। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नाहन में रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में उपप्राचार्य डॉक्टर देवराज शर्मा की अध्यक्षता में मुक्त हिमाचल शपथ ग्रहण समारोह का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेड रिबन क्लब के संयोजक डॉक्टर विनीत कुमार ने विद्यार्थियों को एचआईवी एड्स के बारे में जागरूक किया। समारोह में अधिक से अधिक युवाओं में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समाज में इस बीमारी को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से छात्रों को शपथ दिलाई गई। इस शपथ ग्रहण में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

खेल क्लब के डॉ. दीपक गुप्ता बने अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, सोलन। राजकीय महाविद्यालय सोलन में खेल क्लब का गठन किया गया। इस अवसर पर क्लब की नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इसमें डॉ. दीपक गुप्ता को अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर डॉ. योगेश जैन, उपाध्यक्ष पद पर डॉ. मुकेश कुमार शर्मा एवं डॉ. बृजेश पांडे चुने गए। महासचिव पद पर सतीश ठाकुर, संयुक्त सचिव पद पर डॉ. प्रमोद ठाकुर एवं डॉ. रमेश का चयन किया गया। वहीं, कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी डॉ. रविराम को सौंपी गई। क्लब के सलाहकार के रूप में डॉ. एवी निधि, डॉ. कमल, डॉ. चमन शर्मा एवं डॉ. अनिल ठाकुर को चुना गया। क्लब के अध्यक्ष डॉ. दीपक गुप्ता ने कहा कि खेल क्लब वर्षभर विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन करेगा।

सामाजिक समरसता मंच का समारोह 7 को

अनंत ज्ञान, राजगढ़। आगामी सात सितंबर को होने वाले सामाजिक समरसता मंच के द्वितीय वार्षिक समारोह में राजगढ़ क्षेत्र की सात महान विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। सामाजिक समरसता मंच के अध्यक्ष अरविंद राय ने बताया कि देश सेवा के लिए पाहलु हाब्बन गांव के शहीद प्रवीण शर्मा के माता-पिता रेखा और राजेश शर्मा को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार समाज सेवा के लिए ग्राम टिक्कर कावगा के शेर सिंह, पत्रकारिता व समाज सेवा के लिए ग्राम सनियो दीदग के वेद प्रकाश चौहान, कृषि व बागवानी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रगतिशील किसान विनोद तोमर, साहित्य व शिक्षा के लिए कनोग धंघड़ेल के निवासी प्रेमपाल आर्य, संगीत के लिए भूईरा की डॉ. सविता सहगल और खेल व स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए जेलग गांव की शालिनी ठाकुर को मंच द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

इनरव्हील क्लब ने उठाया बच्चों की शिक्षा का जिम्मा

अनंत ज्ञान, सोलन। इनरव्हील क्लब सोलन सामाजिक कार्यों में हमेशा ही बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। इसी कड़ी में क्लब ने सोलन के साथ लगते सीनियर सेकेंडरी स्कूल भोज आंजी के जमा एक कक्षा में पढ़ने वाले निर्धन परिवार के एक छात्र व एक छात्रा का सारा खर्च वहन करने का जिम्मा उठाया है। क्लब ने दोनों छात्रों की पूरे वर्ष की स्कूल फीस व कंप्यूटर फीस दी। इसके अलावा दो जोड़ी वर्दी, दो-दो जोड़ी शूज व किताबें भी बच्चों को दी, ताकि बच्चों की पढ़ाई में को परेशानी न हो। क्लब के इस सराहनीय कदम ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान ला दी।

डीएवी स्कूल सराहां ने जीती योगा प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान, सराहां। डीएवी स्कूल नाहन के चंबा मैदान में कलस्टर 8 खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस अवसर पर क्लस्टर हेड व मासूमा सिंघा प्रधानाचार्या, डीएवी परवाणू हरनीत कौर, प्रधानाचार्य डीएवी नाहन जसविंदर वर्मा और एआरओएचपी जॉन ई स्नेह रेना ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इन दो दिवसीय प्रतियोगिता में डीएवी स्कूल सराहां ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में योगा अंडर-17 में लड़कों के वर्ग में तेजस, शिवम, आरव, और दीक्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल व ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, अंडर-17 योगा में लड़कियों के वर्ग में एंजेल, प्रियल, अनंता, वृत्ति और आरूषि ने भी फर्स्ट रनरअप रह कर सिल्वर मेडल व ट्रॉफी प्राप्त की। इस वर्ष शतरंज प्रतियोगिता में भी अंडर 14 वर्ग में शिवम, श्रद्धयवेर, अभव, सत्यांश ने विजेता को कड़ी टक्कर देते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त कर अपने खेल से सभी का मन जीत लिया।

आर्य समाज का वार्षिक उत्सव 12 से 15 तक

अनंत ज्ञान, राजगढ़। आर्य समाज सभा राजगढ़ का 54वां वार्षिक उत्सव आगामी 12 से 15 सितंबर तक राजगढ़ में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सभा के प्रधान प्रेम चंद चौहान ने बताया कि इस कार्यक्रम में उच्चकोटि के वेद प्रचारक व भजनीक भाग लेगें। इनमें दिल्ली व उदगीथ साधना स्थली डोहर के वेदप्रवक्ता आचार्य नरेश, पानीपत हरियाणा से वेद प्रवक्ता आचार्य ओम प्रकाश शास्त्री, नारग से वेद प्रवक्ता देवेंद्र शास्त्री और चंडीगढ़ के भजनोपदेशक उपेंद्र आर्य अपने प्रवचन व भजनों से ज्ञानगंगा का प्रवाह करेंगे। इस कार्यक्रम में राजगढ़ के डीएवी स्कूल, दस्सन पब्लिक स्कूल और पीच वैली इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों के अतिरिक्त राजगढ़ शहर और आसपास के महिला मंडलों की महिलाएं भी अपना सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगी।

गोल्ड मेडल जीतकर लौटे सुषांत का स्वागत

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन में राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर लौटे सुषांत ठाकुर का भव्य स्वागत किया गया। सुषांत ने कालाअंब, नाहन में आयोजित राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। उनके सम्मान में सेंटा रोजा में सभी युवाओं व ग्रामवासियों ने मिलकर उनका अभिनंदन किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पेंशनर्स की मांगों के बारे में ज्ञापन सौंपा

अनंत ज्ञान, सोलन। शिमला में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश महासचिव भूपराम वर्मा के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश वरिष्ठ उप महालेखाकर जयप्रकाश से मिला। इस दौरान पेंशनर्स की मांगों के बारे में एक ज्ञापन सौंपा और उनके साथ विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि महालेखाकार कार्यालय ने पीपीओ और पेंशन को डिजिटाइजेशन ऑनलाइन करने का फैसला लिया है। इससे पेंशन धारी सीधे महालेखाकार कार्यालय से जुड़ जाएंगे और पेंशन केस स्वीकृत करने में भी देरी नहीं होगी। इस फैसले का पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश स्वागत करती है और धन्यवाद करती है।

टोल वसूली बंद करने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान, सोलन। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन सोलन इकाई ने एसडीएम के माध्यम से उपायुक्त सोलन को ज्ञापन भेजा, जिसमें कालका-शिमला नेशनल हाईवे, विशेषकर परवाणू से सोलन तक सड़क की जर्जर स्थिति पर चिंता जताई गई। यूनियन ने कहा कि सनवारा टोल प्लाजा पर खराब सड़क होने के बावजूद टोल वसूली जारी है, जो अनुचित है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि टोल वसूली तभी वैध है, जब सड़कें सुरक्षित और मोटरेबल हों। उन्होंने आरोप लगाया कि एनएचएआई और ठेकेदारों की असुरक्षित कटिंग पद्धतियों से भूस्खलन और दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क पूरी तरह चालू नहीं हुई और कई स्थानों पर सिंगल लेन की तरह है। यूनियन ने टोल बंद कर स्थायी समाधान की मांग की।

नाले कवर कर बनेंगे रास्ते व एंबुलेंस रोड

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यरो

सोलन। शहर में पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे नालों को कवर करने के लिए नगर निगम ने बजट का प्रावधान किया है। निगम के जनरल हाउस में टाइड बजट से करीब 5 करोड़ को खर्च कर शहर के नालों को कवर कर रास्ते और एंबुलेंस सड़कें बनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत निगम ने प्रत्येक वार्ड को 35-35 लाख रुपए मंजूर किए हैं। बता दें कि बजट की कमी से नालों को कवर करने की योजना लंबे अरसे से लटकी हुई है। एक अनुमान के मुताबिक शहर के करीब एक दर्शन नालों को कवर करने के लिए करीब 50 करोड़ रुपए की लागत आएगी। कर्ज में डूबी प्रदेश सरकार से यह राशि मिला संभव नहीं है। शहर में नालों के प्रदूषण से लोगों को प्रदूषित माहौल में जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। नालों का प्रदूषण लोगों की सेहत के लिए खतरा बनता जा रहा है। नगर निगम अब इस दिशा में गंभीर नजर आ रही है। योजना के मंजूर होने से जहां शहर के नालों को कवर कर प्रदूषण मुक्त बनाया जा सकेगा। वहीं, सड़क व पार्किंग के विकल्प भी बनेंगे।

वार्ड-14 में खुला पड़ा ड्रेन नाला।

पर्यावरण को हो रहा नुकसान

शहर में कई दशकों से खुले में बह रही नालों की गंदगी से जहां पर्यावरण का नुकसान पहुंच रहा है। वहीं, इसके नजदीक स्थित दर्जनों कॉलोनियों को प्रदूषित माहौल में जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। नालों में डाली गई सीवरेज की पाइपों से तो समस्या और भी गंभीर हो चुकी है। कहने को तो शहर में सीवरेज की समस्या को हल करने के लिए 190 करोड़ रुपए की सीवरेज योजना बनाई है, लेकिन यह किन्ही कारणों से अधर में है। योजना के अधर में होने से नालों के किनारे भवनों की सीवरेज को खुले में छोड़ा गया है। इससे हमेशा बीमारियां फैलने का अंदेशा रहता है। विश्व स्वास्थ्य मानकों के मुताबिक आवासीय कॉलोनियों के आसपास खुले में बहते नालों को कवर करना जरूरी होता है। नालों में सीवरेज को छोड़ना भी प्रतिबंधित है। बावजूद इसके शहर में इन नियमों का जमकर उल्लंघन किया गया है।

बरसात में बंद पड़ जाते हैं नाले

शहर में रेलवे लाइन व हाईवे की तरफ बहते नाले हमेशा गंदगी से अटे रहते हैं। नियमित साफ-सफाई नहीं होने से बारिश की स्थिति में नाले ब्लॉक हो जाते हैं। इसके चलते नालों का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस जाता है। बावजूद इसके नालों के चैनालाइज के लिए आज तक ठोस योजना नहीं बन पाई। शहर में इस समय करीब एक दर्जन से अधिक नाले बह रहे हैं। इसमें अधिकांश खुले पड़े हैं। योजना के तहत नालों को कवर कर आसपास के घरों तक सड़क व पार्किंग की सुविधा प्रदान की जानी है। आवासीय कॉलोनियों के आसपास खुले में बह रहे नाले लोगों के लिए खतरा बन चुके हैं। साथ ही इसके आसपास के गुजारी पेयजल की पाइप लाइनों में भी गंदा पानी घुलने का खतरा रहता है। धोबीघाट, डीसी ऑफ से सरदार मौहल्ला की तरफ जाता नाला, माल रोड से कथेड़ की तरफ बहता नाला, मोहन कॉलोनी का नाला, गंज बाजार का नाला, चंबाघाट का नाला, माल रोड से कलीन, सन्नी साइड से कलीन का नाला, हाउसिंग कॉलोनी नाला, लक्कड़ बाजार का नाला, शूलिनी कॉलोनी का नाला, चौक बाजार का नाला, रेलवे स्टेशन से बस स्टेंड तक जाता नाला इस समय काफी प्रदूषित हो चुका है।

> **शहर** के नालों को कवर करने के लिए हर वार्ड में 35 लाख खर्च किए जाएंगे। नालों को कवर कर एंबुलेंस रोड व पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। इससे पार्किंग की समस्या हल होने के साथ लोगों को प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी।
>
> **उषा शर्मा, मेयर, नगर निगम, सोलन।**

होम वर्क करने के लिए बच्चे कर रहे एंड्रॉयड फोन का अधिक उपयोग

बीआर चौहान, अनंत ज्ञान

राजगढ़। राज्य के शिक्षा विभाग ने स्कूलों में गाइड अथवा हेल्प बुकों से पढ़ाई करवाने पर हाल ही में एक पत्र जारी करके प्रतिबंध लगाया गया है। इसमें हेल्प बुकों का क्लास रूम में उपयोग करने पर संबंधित शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है, जबकि विद्यार्थी गाइड अथवा हेल्प बुकों की तुलना में एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल होम वर्क करने के लिए सबसे ज्यादा कर रहे हैं। इससे अभिभावकों की बच्चों के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई है। अनेक बुद्धिजीवी वर्ग का कहना है कि शिक्षा विभाग द्वारा हर वर्ष इस प्रकार के आदेश जारी करके हेल्प बुकों पर प्रतिबंध लगाया जाता है, जो कि कागजों तक सीमित रहते हैं।

धरातल पर इन आदेशों का कोई प्रभाव देखने को नहीं मिलता है। स्कूलों में हेल्प बुक और घरों में बच्चों द्वारा एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। इससे शिक्षा का स्तर दिन-प्रतिदिन गिर रहा है। हालांकि, आदेशों के अनुसार हेल्प बुकें का इस्तेमाल करने वाले शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बता कही गई है। राजगढ़ क्षेत्र के राजेंद्र शर्मा, प्रदीप कुमार, सुरेंद्र कुमार सहित अनेक अभिभावकों का कहना है कि कोरोना काल के बाद बच्चों द्वारा स्कूल से दिया गया होम वर्क एंडरायड फोन से देखकर किया जा रहा है, जिस बारे बच्चों का कहना है कि गुरू जी द्वारा एंडरायड फोन से प्रश्नों का उत्तर लिखने बारे कहा जाता है। इस पर अभिभावक बच्चों को एंडरायड फोन देने के लिए मजबूर हो गए हैं। शिक्षाविद गोपाल शर्मा, देवेंद्र कुमार, रामस्वरूप शर्मा का कहना है कि अतीत में पढ़ाई केवल सरकार द्वारा निर्धारित पाठय पुस्तक से करवाई जाती थी। इनका कहना है कि वर्तमान में पढ़ाई का सारा ढांचा बदल गया है। अधिकांश स्कूलों में शिक्षक गाईड का सहारा लेते हैं और घर पर बच्चों को एंडरायड फोन का नशा हो चुका है। इससे बच्चों का भविष्य धूमिल हो रहा है। फोन से नकल करने की आदत होने से बच्चे प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं में जाकर लुढ़क जाते हैं। अभिभावकों ने सरकार से मांग है कि हेल्प बुकों के अतिरिक्त पढ़ाई के लिए इस्तेमाल किए जा रहे एंडरायड फोन पर भी प्रतिबंध लगाया जाए।

नशा तस्कर को 12 साल का कारावास, एक लाख जुर्माना

एसपी जैरथ, अनंत ज्ञान, नाहन। जिला सिरमौर नाहन के विशेष न्यायाधीश-1 योगेश जसवाल की अदालत ने नशीली दवाओं की तस्करी के दोषी नासिर मोहम्मद पुत्र जाफरदीन निवासी गांव मिश्रवाला, तहसील पांवटा साहिब को आबकारी एक्ट की धारा 22 के तहत 12 वर्षों के कठोर कारावास और एक लाख रुपए का जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है।

जुर्माना अदा न करने की सूरत में दोषी को 2 वर्ष का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। अदालत में मामले की पैरवी जिला न्यायवादी चंपा सुरील ने की। जिला न्यायवादी ने बताया कि मामला 20 जुलाई, 2020 का है। जिला के पुलिस थाना पांवटा साहिब में गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नासिर मोहम्मद अपनी मोटरसाइकिल पर हथिनी कुंड की तरफ से पांवटा साहिब की ओर आ रहा है। इसके कब्जे से प्रतिबंधित दवाएं बरामद हो सकती हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने बहराल बैरियर पर नाका लगाया। इसी बीच एक काले रंग की बाइक कलेसर (हरियाणा) की तरफ से पांवटा साहिब की ओर आती हुई दिखाई दी, जिसे पुलिस ने जांच के लिए रोका। इस दौरान बाइक के बाईं तरफ हैंडल पर एक नीले रंग का पॉलीथीन का कैरी बैग लटका था। तलाशी लेने पर इस बैग के अंदर से 12 काले रंग के पॉलिथीन के पैकेट मिले। इन अलग-अलग पैकेटों से पुलिस ने कुल 1800 प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद किए। इस पर पुलिस थाना पांवटा साहिब में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच पूरी होने के बाद अदालत में चालान पेश किया।

अंतर- सदनीय शतरंज प्रतियोगिता में ट्रॉफी के साथ देवदार सदन के छात्र।

देवदार सदन के नाम रही शतरंज प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान, सोलन

पाइनग्रोव स्कूल सुबाथू के बहुउद्देशीय हॉल में अंतर-सदनीय शतरंज प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इसमें सभी सदनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य बौद्धिक विकास, एकाग्रता और राजनीतिक सोच को बढ़ावा देना साथ ही स्पष्ट प्रतिस्पर्धा और खेल भावना के मूल्यों को प्रोत्साहित करना था। अंत में देवदार सदन को शतरंज प्रतियोगिता विजेता बनने पर ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

भारी बरसात में बच्चों को छुट्टी शिक्षकों को बुलाना असंगत : संघ

अनंत ज्ञान, सोलन

प्राकृतिक आपदा के दौरान स्कूल बंद होने पर भी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के सरकारी आदेश का प्रवक्ता संघ ने विरोध किया है।

प्रवक्ता संघ जिला सोलन के अध्यक्ष जयलाल जलपाइक व महासचिव हेमंत कुमार ने कहा कि जब प्रशासन स्वयं मानता है कि भारी बारिश से अधिकतर मार्ग अवरूद्ध हो गए हैं। साथ ही आपदा प्रबंधन प्रदेश के लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की हिदायत दे रहा है, तो ऐसे वातावरण में शिक्षकों को बुलाना न केवल असंगत है, बल्कि उनकी जान को भी खतरे में डालने वाला कदम है। शिक्षक भी समाज का हिस्सा है। आपदा की घड़ी में उनका दायित्व भी परिवार, समाज, पड़ोस की सुरक्षा व सहयोग सुनिश्चित करना है। ऐसे आदेश शिक्षकों की संवेदनशीलता, उनकी मानवीय परिस्थितियों की अनदेखी है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसी भयानक तस्वीरें देखने को मिल रही हैं कि शिक्षक अपनी जान पर खेल कर सड़कें, नदी नाले पार करके स्कूल पहुंच रहे हैं, जब मार्ग उफनते हुए, नदी-नाले, स्कूल, भवन छात्रों के लिए असुरक्षित हो गए हैं, तो शिक्षकों के लिए कैसे सुरक्षित हो सकते हैं।

प्रदेश में हजारों विद्यालय ऐसी जगह हैं, जहां न केवल सड़क, न बाजार, न स्वास्थ्य सेवाएं हैं। हजारों स्कूल ऐसी लोकेशन पर हैं, जहां मौसम की प्रतिकूलता के पहुंचना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में शिक्षकों को केवल हाजिरी लगवाने के लिए स्कूल आना इतना आवश्यक क्यों समझा जा रहा है। संघ का कहना है कि विभाग को चाहिए कि ऐसे आदेशों को तुरंत प्रभाव से निरस्त किए जाएं।

नगर परिषद के जनरल हाउस में 27 .59 करोड़ का बजट पास

अनंत ज्ञान, नाहन

अपने ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध नाहन शहर को विकास की एक नई उम्मीद मिली। नगर परिषद के जनरल हाउस में 27.59 करोड़ रुपए का बजट पारित किया गया, जो शहर के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगर परिषद अध्यक्ष श्यामा पुंडीर की अध्यक्षता में हुए इस हाउस में न केवल सड़कों और नालियों की मरम्मत जैसे पारंपरिक कार्यों पर ध्यान दिया गया, बल्कि शहर के समग्र विकास को गति देने का खाका भी तैयार किया गया। यह बजट शहर के सभी 13 वार्डों के लिए एक उम्मीद की किरण है, जहां नालियों, सड़कों और पार्कों की खराब स्थिति से लोग परेशान हैं। संजय कुमार, नगर परिषद के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, ने बताया कि इस भारी-भरकम बजट से शहर की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। हालांकि, यह बजट केवल पैसों का हिसाब नहीं है। यह नाहन शहर के निवासियों की उन उम्मीदों का प्रतीक है, जो वर्षों से बेहतर नागरिक सुविधाओं का इंतजार कर रहे हैं। इस बजट का सही उपयोग करके नाहन को न केवल एक स्वच्छ और सुंदर शहर बनाया जा सकता है, बल्कि यहां के निवासियों के जीवन स्तर को भी सुधारा जा सकता है। अब देखना यह होगा कि क्या यह बजट सिर्फ कागजों तक सीमित रहता है, या फिर यह नाहन की बदहाली दूर कर उसे विकास के पथ पर आगे ले जाता है। यह बजट नाहन के लिए एक मौका है, एक सुनहरा अवसर, ताकि यह शहर अपनी पुरानी शान को फिर से हासिल कर सके।

> **शहर के समग्र विकास को गति देने का खाका भी तैयार किया गया**

सर सोभा सिंह ट्रस्ट पाइनग्रोव स्कूल के जरूरतमंद छात्रों को प्रदान करेगा छात्रवृत्ति

अनंत ज्ञान, सोलन

पाइनग्रोव स्कूल ने परमिंदर सिंह और उनकी बेटी सुश्री अंबा सिंह, जो न्यूयॉर्क में एक कुशल विशेष शिक्षिका हैं और द लॉरेंस स्कूल सनावर के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र हैं, उनके तत्वावधान में सर सोभा सिंह पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट छात्रवृत्ति की घोषणा की है।

इस सहयोग के माध्यम से ट्रस्ट हिमाचल के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के दो योग्य बच्चों की आवासीय स्कूली शिक्षा को प्रायोजित करेगा। एक बच्चा हिमाचल प्रदेश बाढ़ पीड़ितों की अनाथ बेटी है, जो शिमला में 2023 में हुई भीषण मंदिर त्रासदी में अनाथ हो गई थी। दूसरी सोलन जिले की एक गरीब सरकारी स्कूल की छात्रा है। यह प्रायोजन दो छात्रों के लिए ट्यूशन, बोर्डिंग, लॉजिंग और संबंधित शैक्षिक खर्चों को कवर करेगा, जो एक दशक तक चलने की उम्मीद है। इससे उन्हें पाइनग्रोव की समग्र, उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित होगी।

इसके अतिरिक्त, ट्रस्ट ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी की अन्य लड़कियों तथा स्कूल में नामांकित अन्य अनाथ बच्चों की वर्दी की लागत का समर्थन करने में रुचि व्यक्त की है। कार्यकारी निदेशक कैप्टन एजे सिंह ने ट्रस्ट के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह उदार भाव न केवल चयनित दोनों बच्चों के जीवन को बदल देगा, बल्कि उनके परिवारों और उनके ग्राम समुदायों पर भी स्थायी प्रभाव डालेगा। हम शिक्षा के माध्यम से युवा मस्तिष्कों को सशक्त बनाने की ट्रस्ट की प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। स्कूल इस सामाजिक दायित्व के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना 2023 के तहत हिमाचल के अनाथ बच्चों को शिक्षित करता है।

2012 से सिक्किम सरकार द्वारा अनुमोदित छात्रवृत्ति स्कूल के रूप में मान्यता प्राप्त है और 2016 से अलका पुरी और पिडिलाइट इंडस्ट्रीज के सीईओ भरत पुरी के प्रायोजन से सोलन जिले की कई सरकारी स्कूल की लड़कियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। संयोग से भरत पुरी टाटा बोर्ड के सदस्य हैं और एक पुराने सनावेरियन भी हैं, जो अपने परोपकारी और उदार स्वभाव के लिए जाने जाते हैं।

> **शिक्षा से समाज सेवा पूर्व छात्रों और ट्रस्ट का प्रेरणादायक योगदान**

मोबाइल नेटवर्क की समस्या को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। शिमला संसदीय क्षेत्र के सांसद सुरेश कश्यप से उनके निवास स्थान पर भाजपा जिला अध्यक्ष धीरज गुप्ता, जामनीवाला पंचायत प्रधान बलबीर धीमान व बुटीराम, रोहित ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को बताया कि गांव खारा व इसके आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से मोबाइल नेटवर्क की गंभीर समस्या बनी हुई है। नेटवर्क कमजोर होने के कारण लोगों को फोन कॉल करने, इंटरनेट इस्तेमाल करने, ऑनलाइन पढ़ाई करने तथा सरकारी योजनाओं से जुड़ी डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा, किसानों को सरकारी पोर्टल्स और आम लोगों को आपातकालीन स्थिति में संचार साधनों का उपयोग करने में दिक्कतें आती हैं। ग्रामीणों ने कहा कि मोबाइल नेटवर्क न होने से कई बार स्वास्थ्य व आपातकालीन सेवाओं में भी बाधा उत्पन्न होती है। प्रतिनिधिमंडल ने गांव खारा में एक मोबाइल टावर लगाने के लिए ज्ञापन सौंपा। सांसद ने आश्वासन दिया कि मोबाइल नेटवर्क की समस्या का जल्द समाधान करवाया जाएगा।

परेशानी निर्माण कंपनी और प्रशासन नहीं ले रहा सुध लोगों को हो रही परेशानी

टिंबी गांव से होकर जाने वाली सड़क की हालत खस्ता

अनंत ज्ञान, शिलाई

जिला सिरमौर का पांवटा साहिब-शिलाई-गुम्मा राष्ट्रीय राजमार्ग 707 की हालत खस्ता होने से यात्रियों व ड्राइवरों के लिए सफर जोखिम भरा और खतरनाक साबित हो रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की हालत इस कदर खराब है कि यह बताना मुश्किल है कि सड़क गड्ढों से भरी है या गड्ढे खुद सड़क हैं। शिलाई तहसील के टिंबी गांव से होकर जाने वाली सड़क की हालत तो बद से बदतर हो चुकी है। स्थानीय निवासी हिमांशु ठाकुर, नरेंद्र ठाकुर, शुभम राणा, भाव सिंह, कुलदीप चौहान, राकेश चौधरी, संतराम चौहान, अरुण चौहान, जय प्रकाश, मुकेश चौहान और दिनेश चौहान का कहना है कि सड़क की हालत बहुत बुरी है। सड़क पर वाहन चलाना खतरे से खाली नहीं है। वहीं, पैदल चलना भी मुश्किल है। इससे किसानों को अपने उत्पाद मंडियों तक पहुंचना चुनौती बन चुका है। खस्ताहालत सड़क की सुध न तो निर्माण कंपनी ले रही है और न ही प्रशासन ग्रामीणों की मांग पर गौर कर रहा है, जबकि कई वाहन दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। बता दें कि भारी बारिश से स्थिति दिनों-दिन खराब हो रही है।

टिंबी गांव से होकर जाने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 707 की खस्ता हालत।

इससे गड्ढों को जलप्रपात हो गया है और सड़क को और नुकसान पहुंचा है, जबकि भारी वाहनों के बार-बार टूटने और महंगी मरम्मत का सामना करना पड़ता है, दो-पहिया वाहन सवार गंभीर दुर्घटना जोखिमों के संपर्क में हैं। रात में जब पानी से भरे गड्ढे अदृश्य होते हैं, तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है, जो राजमार्ग को एक खतरनाक मार्ग में बदल देता है।

एनएच -7 की खराब स्थिति पांवटा साहिब और कलाअंब में संचालित औद्योगिक इकाइयों के लिए एक भारी बोझ बन गई है। शिलाई क्षेत्र से आने वाले श्रमिकों को काम पर पहुंचने में देरी के साथ नुकसान और असुरक्षित यात्रा की स्थिति से पीड़ित हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप करने और स्थिति बिगड़ने से पहले राजमार्ग को बहाल करने का आग्रह किया है। गंभीर वास्तविकता के बावजूद सिरमौर में राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार अधिकारी उदासीन दिखाई देते हैं। यात्रियों का आरोप है कि एनएच विंग ने संकट के लिए आंखें मूंद ली।

सतौन में डिस्पेंसरी के पास कूड़े का ढेर बीमारी को दे रहा न्योता

अनुराग गुप्ता, अनंत ज्ञान

पांवटा साहिब। सिरमौर जिले के सतौन बाजार में डिस्पेंसरी के पास लंबे समय से कूड़े का ढेर जमा हो गया है।

गंदगी से उठ रही दुर्गंध से स्थानीय लोगों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मच्छरों व मक्खियों की भरमार ने संक्रामक बीमारियों का खतरा और बढ़ा दिया है। सतौन निवासी रणजीत सिंह, प्रेम तोमर, विशाल, कुलदीप सिंह, रुपिंदर आदि ने बताया कि डिस्पेंसरी के आसपास के रहने वाले लोग डिस्पेंसरी की दीवार के साथ अपने घर का कूड़ा फेंक रहे हैं। इससे वहां कूड़े का बहुत बड़ा ढेर इकट्ठा हो गया है। इन लोगों ने बताया कि पंचायत को सफाई करने के लिए कई बार लिखित व मौखिक रूप से कह दिया गया है, मगर पंचायत का सफाई कर्मी, वहां नहीं आता है। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य सुविधा देने वाली डिस्पेंसरी के बाहर ही सफाई व्यवस्था ध्वस्त होना गंभीर लापरवाही है। स्थानीय निवासियों ने पंचायत व प्रशासन से मांग की है कि कूड़ा उठाने की उचित व्यवस्था की जाए और लोगों को भी यहां कूड़ा न फेंकने के लिए जागरूक किया जाए।

सिरमौर जिले के सतौन बाजार में डिस्पेंसरी के पास लंबे समय से लगे कूड़े के ढेर।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा की होम स्टे योजना से पर्यटन को नई पहचान

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। सोनीपत जिले में हरियाणा सरकार की होम स्टे योजना को नई दिशा मिल रही है। बुधवार को गांव कामी में स्थापित मेरा गांव मेरा देश टूरिज्म फार्म को आधिकारिक पंजीकरण प्रमाण पत्र दिया गया। यह योजना खास है, गांवों को रोजगार दे रही है और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है। इसी कड़ी में गांव कामी में बने मेरा गांव मेरा देश टूरिज्म फार्म को आधिकारिक मान्यता मिली। बुधवार को अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने फार्म संचालक को पांच साल का पंजीकरण प्रमाण पत्र सौंपा। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि ऐसे प्रयासों से जिला पर्यटन मानचित्र पर अलग पहचान बना रहा है। गांव की शुद्ध हवा, हरियाणवी खानपान, हरियाली और देहाती संस्कृति का अनुभव देने वाला यह फार्म पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। इसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ स्थानीय रंग-ढंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने को मिलेंगे। मुरथल क्षेत्र में स्थित यह फार्म हरियाणवी संस्कृति और सभ्यता का जीवंत नमूना है। यहां हरियाणा के अलग-अलग जिलों के नाम पर रूम बनाए गए हैं, जिनसे आगंतुक स्थानीय पहचान और परंपराओं से जुड़ते हैं। इसे विलेज थीम पार्क और मड रिसॉर्ट के रूप में विकसित किया गया है, जहां गांव की असली झलक और आधुनिक सुविधाओं का संगम है। पर्यटकों के लिए एडवेंचर एक्टिविटीज, झूले, खेल, स्विमिंग पूल और मिनी जू जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। परिवार के साथ आने वालों के लिए यह स्थान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और फन एक्टिविटीज का भी केंद्र है। दिल्ली-एनसीआर और आसपास के लोग वीकेंड पर सुकून और मनोरंजन के लिए अक्सर मुरथल का रुख करते हैं।

बारिश से छत गिरी, महिला की मौत

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। क्षेत्र में कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण बादशाहपुर के टीकली गांव में मंगलवार देर रात एक मकान की छत गिर गई। छत के मलबे के नीचे दबने से वहां सो रही 60 वर्षीय महिला महादेवी की मौत हो गई, जबकि महिला का पति श्याम लाल छत के मलबे के नीचे दबने से गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार महादेवी और उसका पति श्याम लाल टीकली गांव में रह रहे थे। इनके अलावा घर में और कोई नहीं था। घर की छत कच्ची बनी हुई थी, जो लगातार हो रही बारिश के कारण कमजोर हो गई और मंगलवार की रात अचानक छत गिर गई। आस पास के लोगों ने किसी तरह दोनों लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल लेकर गए। छत के मलबे के नीचे दबने से महादेवी की मौत हो गई जबकि उनका पति श्याम लाल गंभीर रूप से घायल हो गया। श्याम लाल का दिल्ली सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अग्रोहा को मिलेगा उपतहसील का दर्जा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हिसार के अग्रोहा को उप-तहसील का दर्जा मिल सकता है। सरकार इस पर सकारात्मक है। उकलाना विधायक नरेश सेलवाल ने अग्रोहा क्षेत्र की 'राजधानी-अग्रोहा' के महत्व को बताते हुए बुधवार को यह बात कही। विधायक सेलवाल ने कहा कि अग्रोहा क्षेत्र में कुछ गांव उकलाना तो कुछ आदमपुर में पड़ते हैं, जबकि हिसार तहसील लगती है। ऐसे में लोगों को परेशानी होती है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि उप-तहसील को लेकर प्रस्ताव आ चुका है। कैबिनेट सब-कमेटी की पिछली बैठक में इस पर चर्चा भी हुई थी। कमेटी इस पर गंभीरता से विचार कर रही है और जल्द ही फैसला लिया जाएगा। सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान प्रश्नकाल में जानकारी देते हुए बताया कि अग्रोहा को उप-तहसील के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन है।

जयंत चौधरी का स्वागत करने उमड़े पार्टी कार्यकर्ता

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी, जो केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री भी हैं, वह बुधवार को सरकारी कार्यक्रमों के सिलसिले में चंडीगढ़ आए, तो शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आगमन पर पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कार्यकर्ताओं से पंजाब-हरियाणा में ग्रामीण स्तर पर कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह की नीतियों व पार्टी के कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल की हर जिले और ब्लॉक में मजबूती से इकाई गठित करनी है तथा किसानों, ग्रामीणों, नौजवानों व गरीब मजदूरों की समस्याओं का समाधान करने के लिए जुटना होगा।

सिरसा में अवैध कॉलोनियों के मामले में मुख्यमंत्री सैनी सख्त

जल्द ही करेंगे अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई की समीक्षा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

जिला नगर योजनाकार की कार्रवाई से नहीं हुए संतुष्ट

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अवैध कॉलोनियों के संबंध में जिला नगर योजनाकार (डीटीपी), सिरसा की रिपोर्ट से तीव्र नाराज हैं और इस पूरे मामले की पुन: समीक्षा करने की कड़ी में हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि उन एनफोर्समेंटएक्शन्स का संपूर्ण तीन वर्षों का संकलन तैयार किया जाए, जो अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध राज्य भर में किए गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस विषय पर बैठक बुलाकर शीघ्र समीक्षा करेंगे।

23 अगस्त को मुख्यमंत्री सैनी सिरसा निवासी डबवाली कस्बे में आयोजित यूथ मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाने पहुंचे थे। इससे पहले उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक भी की थी। बैठक में उन्होंने डीटीपी से अवैध कॉलोनी मामलों में की जा रही कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा मांगा। डीटीपी, सिरसा ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया कि पिछले तीन वर्षों में सिरसा क्षेत्र में कुल 32 अवैध कॉलोनियों की पहचान की गई। लेकिन इनमें से केवल 9 कॉलोनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, और उनमें से 6 को बाद में रद्द कर दिया गया। इस रिपोर्ट ने मुख्यमंत्री को संतुष्ट नहीं किया क्योंकि कार्रवाई की दिशा और प्रभाव अपेक्षानुरूप नहीं दिखा। इसलिए, उन्होंने राज्य स्तर पर समन्वित रूप से किए गए एनफोर्समेंटएक्शन्स का त्वरित विवरण मंगाया है ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से जोर दिया कि यह केवल रिपोर्टिंग का मामला नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास को बचाने और कानून की सर्वोच्चता सुनिश्चित करने की दिशा में एक गंभीर मुद्दा है। अवैध कॉलोनियों के मामले को लेकर उनकी चिंता यह दर्शाती है कि केवल योजनाओं की पहचान कर लेना पर्याप्त नहीं है; उनकी कानूनी रूप से कार्यवाही, एफआआईआर, रद्दीकरण, और सर्वोच्च न्यायपालिका द्वारा मान्यता प्राप्त प्रवाहवाहक व्यवस्था सभी की समीक्षा आवश्यक है।

इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीददारों की बल्ले-बल्ले

एकमुश्त खरीद प्रोत्साहन के लिए आज से खुला पोर्टल

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के खरीददारों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसमें जिन वाहन मालिकों ने 40 लाख रुपए से लेकर 70 लाख रुपए तक की कीमत के इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे हैं और उन वाहनों का पंजीकरण 1 मई, 2025 से 24 जुलाई, 2025 के बीच हुआ है, तो वे इन्वेस्ट हरियाणा पोर्टल पर एकमुश्त खरीद प्रोत्साहन के लिए आवेदन कर सकेंगे। ऐसे सभी पात्र खरीददार इस पोर्टल पर 28 अगस्त, 2025 से 27 सितंबर, 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। यह पोर्टल केवल 1 महीने के लिए खुला रहेगा। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग से न सिर्फ पर्यावरण को बेहतर बनाने में सहयोग मिलेगा, बल्कि आम लोगों के खर्च में भी कटौती होगी।

युवाओं को हीरो नहीं, प्रेरणा दें

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा। कानून एवं व्यवस्था पर विपक्ष द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान यह चिंता व्यक्त की गई कि कुछ सोशल मीडिया मंचों पर गैंगस्टरों और अपराधियों को महिमामंडित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस विषय पर गंभीर चर्चा के बाद सदन ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मीडिया मंचों को यह प्रस्ताव भेजने पर सहमति जताई। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सरकार की ओर से यह प्रस्ताव सदन में रखा। उन्होंने कहा कि अपराधियों का महिमामंडन हमारे युवाओं में उनकी छवि को एक नायक के रूप में प्रस्तुत करता है। यह प्रवृत्ति न केवल समाज की सांस्कृतिक एवं नैतिक नींव को कमजोर करती है, बल्कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन-रात कार्यरत पुलिस बल की मेहनत को भी आघात पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि सदन का मत है कि सभी मीडिया संस्थानों को अपराधियों व गैंगस्टरों के किसी भी प्रकार के महिमामंडन से परहेज करना चाहिए।

कोसली में बाइपास का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि कोसली में बाइपास का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। विधानसभा सत्र में कोसली के विधायक अनिल यादव द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री गंगवा ने कहा कि प्रस्तावित बाईपास 3.83 किलोमीटर लंबा है और निर्माण के लिए 23.09 एकड़ भूमि खरीदी जानी है। इस भूमि की खरीद की दरों को उच्चाधिकार प्राप्त भूमि क्रय समिति (एचपीएलपीसी) द्वारा 6 जुलाई, 2024 को अनुमोदित किया गया था और उपायुक्त रेवाड़ी व झज्जर को प्रत्येक भूमि स्वामी से शपथ पत्र पर सहमति प्राप्त करने का निर्देश दिया गया था। वर्तमान में 507 भूमि स्वामियों में से 201 भूमि स्वामियों द्वारा शपथ पत्र दिए जा चुके हैं। पूरी जमीन उपलब्ध होने के उपरांत निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि कोसली में बायपास का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। विधानसभा सत्र में कोसली के विधायक अनिल यादव द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री गंगवा ने कहा कि प्रस्तावित बाईपास 3.83 किलोमीटर लंबा है और निर्माण के लिए 23.09 एकड़ भूमि खरीदी जानी है। इस भूमि की खरीद की दरों को उच्चाधिकार प्राप्त भूमि क्रय समिति (एचपीएलपीसी) द्वारा 6 जुलाई, 2024 को अनुमोदित किया गया था और उपायुक्त रेवाड़ी व झज्जर को प्रत्येक भूमि स्वामी से शपथ पत्र पर सहमति प्राप्त करने का निर्देश दिया गया था।

गृह मंत्रालय ने दी चंडीगढ़ नगर निगम को 125 करोड़ रुपए की स्वीकृति

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

चंडीगढ़ के लिए एक बड़ी राहत और उपलब्धि के रूप में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने नगर निगम को 125 करोड़ रुपए का विशेष अनुदान स्वीकृत किया है। यह राशि अनुदान संख्या 53 चंडीगढ़ के अंतर्गत 27 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार मंजूर की गई। इस अनुदान से शहर में बुनियादी नागरिक सेवाओं और विकास कार्यों को गति मिलेगी, जो वित्तीय कमी के कारण लंबे समय से प्रभावित थे।

इस राशि के उपयोग से नगर निगम स्वच्छता, जलापूर्ति, कचरा प्रबंधन और सड़क प्रकाश जैसी आवश्यक सेवाओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कर सकेगा। साथ ही वी4, वी5 और वी6 सड़कों के कालीनन (कारपेटिंग) और रखरखाव जैसे कई अधूरे पड़े प्रोजेक्ट्स को भी पुन: आरंभ किया जाएगा। वित्तीय अभाव के चलते जिन विकास कार्यों की गति थम गई थी, वे अब तेज़ी से आगे बढ़ पाएंगे।

इस उपलब्धि पर मेयर हरप्रीत कौर बबला ने कहा कि यह निर्णय चंडीगढ़ के निवासियों के लिए एक बड़ी राहत है। उन्होंने इस सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाब चंद कटारिया, भाजपा चंडीगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर मल्होत्रा के साथ-साथ मुख्य सचिव, गृह सचिव, वित्त सचिव, नगर निगम आयुक्त और प्रशासन के सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। यह मंजूरी इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि केंद्र सरकार और भाजपा-शासित नगर निगम के समन्वित प्रयासों से चंडीगढ़ को ठोस परिणाम मिल रहे हैं।

भ्रष्टाचार में पकड़े गए निरीक्षक को चार साल की कैद

अनंत ज्ञान, सोनीपत। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, रोहतक की कार्रवाई में पकड़े गए गोहाना के तत्कालीन खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक भूपेंद्र सिंह को अदालत ने दोषी मानते हुए चार साल की कैद और दस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सोनीपत ने सुनाया है। मामला जनवरी 2023 का है। शिकायतकर्ता, जो गोहाना आदर्श नगर में राशन डिपो चलाता है, ने ब्यूरो को दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि नवंबर और दिसंबर 2022 में डिपो पर कुल 65.26 क्विंटल बाजरा राशन कार्डधारकों के लिए आया था। निरीक्षक भूपेंद्र ने इस पर एक रुपए प्रति किलो के हिसाब से 6500 रुपए रिश्वत की मांग की। बातचीत के बाद छह हजार रुपए देने पर सहमति बनी। ब्यूरो की टीम ने शिकायत की पुष्टि करते हुए भूपेंद्र को छह हजार रुपए नकद लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ पीसी एक्ट और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। अदालत ने साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए कहा कि सार्वजनिक सेवक का रिश्वत लेना गंभीर अपराध है। चार साल की सजा और जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त जेल की सजा भुगतनी होगी।

एमसीएम डीएवी कॉलेज में 'लीन स्टार्टअप-एमवीपी' पर हुई कार्यशाला

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग ने इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल आईआईसी) के सहयोग से 'लीन स्टार्टअप और मिनिमम वायबल प्रोडक्ट/बिजनेस' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

पहले दिन आरसीईडी (चंडीगढ़) के वाइस प्रेसिडेंट बलबीर सिंह और कॉर्पोरेट ट्रेनर व बिजनेस कंसल्टेंट तरुण कुमार बनर्जी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। बलबीर सिंह ने युवाओं को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया, वहीं श्री बनर्जी ने लीन स्टार्टअप मॉडल और पीडीसीए चक्र की व्यावहारिक उपयोगिता पर चर्चा की। दूसरे दिन बलबीर और आरसीईडी निदेशक परमहंस सिंह ने सत्रों का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रमुख उद्यमी गुणों जैसे जोखिम उठाने, समय प्रबंधन और निर्णय क्षमता पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में भारत सरकार की स्टार्टअप योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यवाहक प्राचार्या नीना शर्मा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्राओं में नवाचार, आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करती हैं।

देश-विदेश

चुनौतियां बड़ी हैं, पर हमारा संकल्प उससे भी बड़ा: राजनाथ

देश के लिए किसी भी हद तक जाएंगे

एजेंसी, महू

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही ने महू में रण संवाद में युद्ध और तकनीक पर संबोधन दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें किसी की जमीन नहीं चाहिए, लेकिन अपनी जमीन की रक्षा के लिए हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब हम आगे की ओर देखते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि भारत के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन हमारा संकल्प और साहस उससे भी बड़ा है। दुनिया हमें सिर्फ हमारी शक्ति के लिए ही नहीं, बल्कि सत्य, शांति और न्याय के प्रति हमारे समर्पण के लिए भी सम्मान देती है। उन्होंने कहा- देश की रक्षा केवल सीमा पर तैनात सैनिकों द्वारा ही नहीं की जाती, बल्कि नई तकनीक विकसित करने वाले वैज्ञानिकों, हथियार प्रणाली बनाने वाले उद्योगपतियों और अगली पीढ़ी को युद्ध के लिए तैयार करने वाले शिक्षकों द्वारा भी की जाती है।

राजनाथ ने यह बात महू में आयोजित रण संवाद 2025 के दूसरे दिन बुधवार को कही। उन्होंने कहा- हमें अपनी एकता, अपनी स्पष्ट नीयत और पूरी प्रतिबद्धता के साथ इस देश को आगे ले जाना है। इसी आत्मविश्वास के साथ हम 2047 की ओर पूर्ण आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे। भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। रक्षा मंत्री मंगलवार रात करीब 9 बजे महू पहुंचे थे। यहां उन्होंने आर्मी वॉर कॉलेज में विश्राम किया। (अनंत ज्ञान)

रणनीति को मजबूत करेगा 'रण संवाद'

रक्षामंत्री राजनाथ ने कहा कि आज का 'रण संवाद' सिर्फ विचारों का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि सुरक्षा, नीति निर्माण और तीनों सेनाओं के विभिन्न पहलुओं को समझने का एक अवसर है। यहां होने वाली चर्चाएं हमें यह सोचने का अवसर देंगी कि हम भारत को कैसे और अधिक सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बना सकते हैं। ये न केवल रक्षा रणनीति को मजबूत करेंगी, बल्कि एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाने में भी मददगार साबित होंगी।

बदल रहा युद्ध का स्वरूप

आधुनिक दौर में युद्ध अब सिर्फ जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि अंतरिक्ष और साइबर स्पेस तक फैल चुके हैं। सैटेलाइट सिस्टम, एंटी-सैटेलाइट हथियार और स्पेस कमांड सेंटर अब शक्ति के नए साधन बन गए हैं। आज साइबर वॉरफेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और सैटेलाइट आधारित निगरानी युद्ध की नई दिशा तय कर रहे हैं।

नॉन लीनियर और मल्टी डोमेन वारफेयर की चुनौती

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज के समय में युद्ध का कोई तयशुदा स्वरूप नहीं है। यह युग नॉन लीनियर और मल्टी डोमेन वारफेयर का है। ऐसे में हमें अपनी रणनीति को लचीला और समयानुकूल बनाना होगा। किसी निश्चित युद्ध नीति पर आंख मूंदकर भरोसा करना अब संभव नहीं है।

अफगानिस्तान में बस हादसे में 25 की मौत

एजेंसी, काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिम में बुधवार सुबह एक यात्री बस के पलट जाने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी तालिबान के आंतरिक मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने दी। मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि यह घटना दक्षिणी कंधार को काबुल से जोड़ने वाले राजमार्ग पर अरघांडी इलाके में हुई और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। पुलिस और आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत संज्ञान लिया और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाया। यह दुर्घटना पश्चिमी हेरात प्रांत में हुई एक दुर्घटना के एक हफ्ते से भी कम समय बाद हुई है, जिसमें लगभग 80 लोग मारे गए थे। (अनंत ज्ञान)

राहुल गांधी बोले-गुजरात के गुमनाम दलों को 4300 करोड़ कहां से मिले?

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को गुजरात में गुमनाम राजनीतिक दलों को मिले 4300 करोड़ रुपए के चंदे पर चुनाव आयोग से सवाल किए। उन्होंने कहा कि गुमनाम 10 पार्टियों ने इतना बड़ा चंदा तो लिया, लेकिन सिर्फ 39 लाख रुपए खर्च दिखाया।

उन्होंने एक्स पर लिखा- गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं जिनका नाम किसी ने नहीं सुना, लेकिन 4300 करोड़ का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है, या उन पर खर्च किया है। ये हजारों करोड़ आए कहां से? चला कौन रहा है इन्हें? और पैसा गया कहां? क्या चुनाव आयोग जांच करेगा या फिर यहां भी पहले एफिडेविट मांगेगा? या फिर कानून ही बदल देगा, ताकि ये डेटा भी छिपाया जा सके? (अनंत ज्ञान)

गुजरात मॉडल चोरी का मॉडल

मुजफ्फरपुर। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का बुधवार को 11वां दिन था। यात्रा मुजफ्फरपुर पहुंची है। यहां जारंग हाई स्कूल मैदान में राहुल सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'इन लोगों ने महाराष्ट्र और गुजरात का चुनाव चोरी किया। 2014 से पहले ये गुजरात में शुरू हुआ। गुजरात मॉडल आर्थिक मॉडल नहीं है।' गुजरात मॉडल वोट चोरी करने का मॉडल है। जिसे ये लोग 2014 में राष्ट्रीय स्तर पर लाए। हम कुछ कहते नहीं थे, क्योंकि हमारे पास कोई सबूत नहीं थे, लेकिन महाराष्ट्र में हमें सबूत मिल गया।

पीएम मोदी फोन पर डील नहीं करते: भारतीय राजनयिक

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर 25 फीसदी के सामान्य आयात शुल्क के ऊपर जुर्माने के तौर पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला 27 अगस्त से प्रभावी हो गया है। इसी बीच, यह सामना आया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 4 बार फोन किए, लेकिन पीएम मोदी ने एक बार फिर भी उनके फोन कॉल्स का जवाब नहीं दिया। दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका-भारत के रिश्तों में हलचल बढ़ा दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के हफ्तों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चार फोन का जवाब नहीं दिया। यह ऐसे समय सामने आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद गहराता जा रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि ट्रंप लगातार फोन कॉल्स का जवाब न मिलने से बेहद नाराज हो गए हैं। इस पूरे मुद्दे पर अब एक चौंकाने वाला किया जा रहा है। एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक ने स्पष्ट किया कि मोदी फोन पर संवेदनशील मुद्दों पर बातचीत नहीं करते। अधिकारी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की कार्यशैली नहीं है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के जटिल मामलों पर फोन पर समझौता करें। (अनंत ज्ञान)

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से जस्टिस नागरत्ना असहमत

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जज बीवी नागरत्ना ने मंगलवार को पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली को सुप्रीम कोर्ट में जज बनाने की कॉलेजियम की सिफारिश पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा, 'यह नियुक्ति न्यायपालिका के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है।' जस्टिस पंचोली अगर सुप्रीम कोर्ट में जज बनते हैं तो वे अक्टूबर 2031 में सीजेआई बन सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जस्टिस नागरत्ना ने मई में ही इस प्रस्ताव पर असहमति जताई थी। तब पहली बार जस्टिस पंचोली का नाम सामने आया था। बाद में जस्टिस एन वी अंजारिया को जस्टिस पंचोली से पहले सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया था। तीन महीने बाद जब फिर से जस्टिस पंचोली का नाम सामने आया, तो जस्टिस नागरत्ना ने औपचारिक रूप से असहमति दर्ज की। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता में 25 अगस्त को हुई कॉलेजियम की बैठक में बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस पंचोली के नाम सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर केंद्र को भेजे गए। 5 सदस्यीय कॉलेजियम में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना शामिल थीं। (अनंत ज्ञान)

सीरिया में इसराइली ड्रोन हमले में 6 की मौत

एजेंसी, दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी इलाके में इसराइली ड्रोन हमलों में छह सीरियाई सैनिकों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। यह जानकारी सीरिया की सरकारी मीडिया और एक युद्ध निगरानी संगठन ने दी। सरकारी टीवी चैनल के अनुसार, मंगलवार को दमिश्क के दक्षिणी उपनगर किस्वाह में यह हमला हुआ। यहां हुए हमले में छह सैनिकों की जान गई। वहीं, इस हमले पर इसराइली सेना ने अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी ने बताया कि इलाके में कई ड्रोन हमले किए गए हैं। बता दें कि दिसंबर 2024 में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता से गिरने के बाद से इसराइल सीरिया के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों हवाई और ड्रोन हमले कर चुका है। इन हमलों में सीरियाई सेना की कई संपत्तियां और ठिकाने तबाह हो चुके हैं। (अनंत ज्ञान)

पाकिस्तान में पीटीआई नहीं लड़ेगी उपचुनाव

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान में उपचुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री और जेल में बंद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा के होने वाले उपचुनावों में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। यह फैसला इमरान खान की राय के आधार पर लिया। गौरतलब है कि मई 2023 दंगों में शामिल नेताओं की सजा के बाद कई सीटें खाली हुई थीं। इमरान खान ने मंगलवार को अदियाला जेल में अपनी कानूनी टीम से मुलाकात के बाद यह संदेश भेजा था। बाद में उनकी बहन अलीमा खान ने मीडिया को यह राय बताई। शुरू में समिति ने वोटिंग के जरिए चुनाव में हिस्सा लेने का रुख अपनाया था, लेकिन रात में हुए घटनाक्रम में इमरान की राय को मानते हुए फैसला पलट दिया गया। (अनंत ज्ञान)

जम्मू में 24 घंटे में 296 मिमी बारिश

52 साल का रिकॉर्ड टूटा, 1973 में 272.6 मिमी बारिश दर्ज की गई थी

एजेंसी, नई दिल्ली

जम्मू में बारिश का 52 साल का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार सुबह 8:30 बजे से बुधवार सुबह 8:30 बजे तक 296 मिमी बारिश हुई। इससे पहले 52 साल पहले 1973 में 9 अगस्त को 272.6 मिमी बारिश हुई थी। पंजाब में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं।

बांधों से पानी छोड़ने के कारण बुधवार को पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन, होशियारपुर, कपूरथला, फिरोजपुर और फाजिल्का में बाढ़ आ गई है। गुरदासपुर के दबुरी स्थित नवोदय विद्यालय में 400 से ज्यादा स्टूडेंट्स और टीचर्स बाढ़ में

पंजाब के गुरदासपुर में 400 स्टूडेंट्स-टीचर्स फंसे

फंस गए हैं। स्कूल के ग्राउंड फ्लोर पर 5 फुट पानी भर गया है। स्टूडेंट्स और टीचर्स को निकालने के लिए एनडीआरएफ और सेना की टीमें भेजी गई हैं। राज्य में भारी बारिश के चलते सभी स्कूलों को 30 अगस्त तक बंद करने के आदेश दिए गए हैं। वहीं, रावी नदी में बाढ़ के चलते करतारपुर साहिब कॉरिडोर में भी 7 फुट तक पानी भर गया है। इसके कारण पाकिस्तान का श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा भी डूब गया है। करतारपुर कॉरिडोर 4.7 किलोमीटर लंबी एक रोड है जो भारत में डेरा बाबा नानक को पाकिस्तान में करतारपुर साहिब गुरुद्वारे से सीधे जोड़ता है। इसका उद्घाटन 9 नवंबर, 2019 को किया गया था। दूसरी तरफ, पंजाब के पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स में सेना ने बाढ़ के पानी से घिरी एक जर्जर बिल्डिंग से 22 CRPF जवानों और 3 नागरिकों का हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के लिए सेना का हेलिकॉप्टर जर्जर बिल्डिंग की छत पर उतरा था। छत से उड़ान भरने के बाद ही बिल्डिंग का अगला हिस्सा पानी में समा गया। इसके बाद भी सेना ने जर्जर बिल्डिंग की छत पर फंसे सभी लोगों को बचाया। (अनंत ज्ञान)

नीतीश के मंत्री-विधायक को गांववालों ने एक किमी खदेड़ा

एजेंसी, नालंदा

बिहार के नालंदा में बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ प्रेम मुखिया पर लोगों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने दोनों को लाठी-डंडे लेकर दौड़ाया। जान बचाने के लिए दोनों नेता एक किलोमीटर भागे और 3 गाड़ियां बदलीं। जानकारी के अनुसार 23 अगस्त को पटना के फतुहा में हिलसा के 9 लोगों की सड़क हादसे में मौत हुई थी। विधायक और मंत्री मलामा गांव में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। मुलाकात के थोड़ी देर बाद दोनों नेता वहां से लौटने लगे। गांववालों ने उन्हें कुछ देर और रुकने को कहा। इस पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, 'सभी पीड़ित परिवारों से मुलाकात हो गई है, उन्हें आगे के कार्यक्रम में जाना है।' इस पर ग्रामीण नाराज हो गए। भीड़ ने पहले स्थानीय पत्रकार और विधायक कृष्ण मुरारी को घेर लिया। लाठी-डंडे निकालकर ले आए। गांववालों का कहना था कि विधायक ने कहने पर ही घटना के दिन किए गए जाम को हटाया था, आज तक सही मुआवजा नहीं मिला। यह कहते हुए ग्रामीण उग्र हो गए। (अनंत ज्ञान)

मुआवजे की मांग को लेकर भड़के लोग

रूस से ट्रेड करना चाहता है अमेरिका

एनर्जी डील करने की हो रही कोशिश, प्रतिबंध हटाने पर विचार

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

भारत पर रूसी तेल खरीदने की वजह से 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने वाला अमेरिका खुद रूस से एनर्जी डील करने की कोशिश कर रहा है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ट्रंप और पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में हुई मुलाकात के दौरान इस डील पर बातचीत हुई थी। अमेरिकी कंपनी एक्सॉन मोबिल ने रूस के सखालिन-1 ऑयल और गैस प्रोजेक्ट में फिर से शामिल होने और रूस को अमेरिकी इक्विपमेंट बेचने की बात की थी। यूक्रेन पर 2022 में रूसी हमले के बाद अमेरिका ने रूस के एनर्जी सेक्टर पर कई प्रतिबंध लगाए थे, जिससे रूस को विदेशी निवेश मिलना बंद हो गया। अब अमेरिकी अधिकारी रूस को शांति के लिए राजी करने के लिए कुछ प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका रूस से एटमी एनर्जी से चलने वाले आइस ब्रेकर शिप्स खरीदने को भी सोच रहा है। (अनंत ज्ञान)

15 अगस्त को डील का ऐलान करना चाहते थे ट्रंप

रॉयटर्स ने सूत्र के हवाले से बताया कि व्हाइट हाउस 15 अगस्त को ट्रंप-पुतिन की अलास्का बैठक के बाद एक बड़े निवेश सौदे का ऐलान करना चाहता था। ट्रंप को लग रहा था कि यह उनकी जीत होगी, लेकिन 3 घंटे की बैठक के बाद भी कोई बड़ा समझौता नहीं हो पाया। इससे पहले 6 अगस्त को अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को दौरे के दौरान राष्ट्रपति पुतिन और रूसी इन्वेस्टमेंट प्रतिनिधि किरिल दिमित्रिव के साथ इस मुद्दे पर बात की थी। राष्ट्रपति ट्रंप को इस बातचीत की जानकारी थी। ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे खुले बाजार में मुनाफे के साथ बेच रहा है। भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि रूस के हमले से यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

एमेच्योर मन्नत बरार ने डब्ल्यूपीजीटी के पहले दौर में बनाई बढ़त

एजेंसी, होसुर (तमिलनाडु)। एमेच्योर मन्नत बरार ने लगातार चार बर्डी की मदद से बुधवार को यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के 12वें चरण के पहले दौर में बाद बढ़त बना ली। मन्नत ने 15 लाख रुपए इनामी प्रतियोगिता के पहले दौर में दो अंडर 70 का स्कोर बनाया और क्लोवर ग्रीन्स कोर्स पर अंडर पार स्कोर बनाने वाली एकमात्र खिलाड़ी रहीं। मन्नत ने पांच बर्डी और तीन बोगी की। मन्नत ने संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर मौजूद कीर्ति चव्हाण, जैस्मिन शेखर और अनन्या गर्ग पर दो शॉट की बढ़त बना रखी है। इन तीनों ने पार 72 का स्कोर बनाया। एमेच्योर अराध्या शेट्टी और रिया झा एक ओवर 73 के स्कोर से संयुक्त पांचवें पायदान पर हैं। पिछले हफ्ते की उप विजेता एमेच्योर लावण्या गुप्ता, एमेच्योर दीया सी पाटिल, करिश्मा गोविंद, रवजोत के दोसांज और अनन्या दतार दो ओवर 74 के स्कोर से संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। (अनंत ज्ञान)

अगर भारतीय देशभक्त हैं तो पाकिस्तानी...: वसीम अकरम

एजेंसी, लाहौर। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 14 सितंबर को होगा जिसे क्रिकेट प्रेमियों ने लेकर खासा उत्साह बना रखा है। इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर पाकिस्तानी दिग्गज क्रिकेटर वसीम अकरम ने अपनी अहम राय दी है जो इस समय चर्चा का विषय बनी हुई है। वसीम अकरम ने कहा है कि इस बार भी भारत-पाकिस्तान मैच मनोरंजक रहेगा और टीम इंडिया जीत की प्रबल दावेदार होगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि दोनों देशों के खिलाड़ी और दर्शक अपनी सीमाओं में रहकर इस मुकाबले का आनंद लेंगे। अकरम ने कहा की अगर भारतीय फैंस देशभक्त हैं और अपनी टीम की जीत चाहते हैं तो वही बात पाकिस्तान पर भी लागू होती है। टीम इंडिया की हालिया फॉर्म बेहतरीन रही है और वह जीत के लिए मजबूत दावेदार है। अंत में जो टीम दबाव को बेहतर झेल पाएगी वही विजेता होगी। हालांकि, पूरे भारत में इस मांग को लेकर आवाज उठी है कि टीम इंडिया को पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेलना चाहिए, लेकिन वसीम अकरम ने इस विवाद से अलग अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि उनका मकसद केवल इस दिग्गज मुकाबले के जरिए अच्छा मनोरंजन पेश करना है। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान इस बार कुल तीन बार आमने-सामने आ सकते हैं। पहला मुकाबला 14 सितंबर को ग्रुप स्टेज में होगा उसके बाद सुपर-4 स्टेज और संभावित फाइनल में भी दोनों टीमों की टक्कर हो सकती है। वसीम अकरम ने भविष्य में भारत-पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज की भी इच्छा जाहिर की है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि भारत सरकार की नई नीति के चलते फिलहाल ऐसी द्विपक्षीय सीरीज खेलना संभव नहीं है। नई नीति के अनुसार भारत पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगा। इतना ही नहीं, एशिया कप इतिहास में भारत और पाकिस्तान के बीच कुल 18 मुकाबले हो चुके हैं जिनमें से टीम इंडिया ने 10 मैच जीते हैं, पाकिस्तान ने 6 और दो मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। (अनंत ज्ञान)

मारिया शारापोवा खूबसूरत अंदाज में

रूस। विश्व की पूर्व नंबर वन खिलाड़ी रूस की मारिया शारापोवा अपनी सुंदरता के चलते काफी चर्चित रहीं। वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाली रूस की पहली महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। शारापोवा दुनिया की सबसे सुंदर टेनिस खिलाड़ियों में से एक हैं।

आर अश्विन ने आईपीएल को कहा अलविदा

ट्विटर पर दी जानकारी, अब दूसरे देशों के टी-20 लीग में लेंगे हिस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन ने आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। आईपीएल में पांच अलग-अलग टीमों के लिए खेल चुके अश्विन ने इस खबर की जानकारी ट्वीट करके दी है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वह अब दुनियाभर के अलग-अलग फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। अश्विन ने अपने ट्वीट में लिखा कि खास दिन और इसलिए एक खास शुरुआत। कहते हैं हर अंत की एक नई शुरुआत होती है, एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है, लेकिन विभिन्न लीगों में एक खिलाड़ी के रूप में मेरा समय आज से शुरू हो रहा है। इतने सालों से मिली शानदार यादों और रिश्तों के लिए सभी फ्रेंचाइजी का शुक्रिया। आईपीएल और बीसीसीआई का भी बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने अब तक मुझे जो कुछ भी दिया है। आगे जो भी है, उसका आनंद लेने और उसका पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। (अनंत ज्ञान)

आईपीएल में अश्विन के आंकड़े

अश्विन के आईपीएल करियर की बात करें तो वह इस लीग में 16 सीजन में खेल चुके हैं। 16 सीजन में उन्हें कुल 221 मैचों में खेलने का मौका मिला, जहां उन्होंने 30.22 के औसत से 187 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उनका बेस्ट प्रदर्शन 34 रन देकर 4 विकेट रहा और वह सिर्फ एक बार चार विकेट हॉल लेने में कामयाब हो सके। वहीं, बल्लेबाजी में आर अश्विन के रिकॉर्ड की बात करें तो वहां उन्होने 833 रन बनाए और उनका हाईएस्ट स्कोर 50 रन रहा। इस लीग में उनके नाम एक अर्धशतक दर्ज है।

आईपीएल 2025 में सीएसके की टीम का थे हिस्सा

आईपीएल 2025 में अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी का हिस्सा थे। सीएसके ने मेगा ऑक्शन में अश्विन को 9.75 करोड़ में खरीदा था। हालांकि, इस बार उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा। आईपीएल 2025 में अश्विन को 9 मैचों में खेलने का मौका मिला, जहां उन्होंने 7 विकेट अपने नाम किए थे। सीएसके के अलावा अश्विन इस लीग में दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए भी खेले थे।

सीएसके के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

अश्विन आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में पांचवें नंबर पर हैं। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स के लिए वह तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। चेन्नई के लिए खेलते हुए अश्विन ने 130 मैचों में 24.62 के औसत से 127 विकेट लिए हैं। इस लिस्ट में टॉप पर ड्वेन ब्रावो का नाम है, उन्होंने 130 मैचों में 154 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रवींद्र जडेजा का नाम आता है। उन्होंने 200 मैचों में 152 विकेट झटके हैं।

गॉफ और नाओमी ओसाका अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी, न्यूयॉर्क

तीसरी वरीय अमेरिकी कोको गॉफ और 23वीं वरीय जापान की नाओमी ओसाका ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

नए सर्विस कोच के साथ खेल रही गॉफ ने मैच में 10 बार डबल फॉल्ट किया और छह बार अपनी सर्विस गंवाई, लेकिन इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया की एजला तोमालानोविच को पहले दौर के कड़े मुकाबले में 6-4, 6-7 (2), 7-5 से हराने में सफल रहीं। गॉफ ने मैच के बाद कहा, ''यह मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था लेकिन मैं जीत दर्ज करके खुश हूं।'' दो बार की चैंपियन ओसाका को हालांकि बेल्जियम की ग्रीट मिनेन को 6-3, 6-4 से हराने के दौरान अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। पुरुष एकल में तीसरे वरीय जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेजांद्रो ताबियो को सीधे सेट में 6-2, 7-6, 6-4 से हराया जबकि अमेरिका के 14वें वरीय टॉमी पॉल ने एल्मर मोलेर के खिलाफ 6-3, 6-3, 6-1 की आसान जीत दर्ज की। (अनंत ज्ञान)

शुरुआती तीरंदाजी प्रीमियर लीग दिल्ली में दो से 12 अक्तूबर तक

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने बुधवार कहा कि शुरुआती तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी के यमुना खेल परिसर में दो से 12 अक्तूबर तक किया जाएगा। एएआई ने लीग के 'लोगो' का भी अनावरण किया।

विज्ञप्ति में संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, ''हमें राष्ट्रीय राजधानी में इस ऐतिहासिक लीग की मेजबानी करने पर गर्व है जो इस खेल को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर ऊंचा उठाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके आयोजन की तारीखों का फैसला कई चीजों को ध्यान में रखते हुए किया गया है जिनमें तीरंदाजों का कार्यक्रम और उनके कार्यभार के अलावा शहर के मौसम की स्थिति शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''इस लीग के साथ हमारा लक्ष्य केवल दुनिया भर की शीर्ष प्रतिभाओं को प्रदर्शित करना ही नहीं है, बल्कि भारत की समृद्ध तीरंदाजी विरासत को उजागर करना और उसका जश्न मनाना भी है।'' इस लीग में 36 भारतीय तीरंदाज और 12 शीर्ष वैश्विक तीरंदाज छह फ्रेंचाइजी में भाग लेंगे। फ्रेंचाइजी के संबंध में जानकारी जल्द ही घोषित की जाएगी। (अनंत ज्ञान)

कैरेबियन लीग में एक बॉल पर बने 22 रन

एजेंसी, नई दिल्ली। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में एक बॉल पर 22 रन बने। मामला सेंट लूसिया ग्राउंड पर गयाना अमेजन वॉरियर्स और सेंट लूसिया किंग्स के बीच खेले गए मैच का है। टॉस जीतकर गयाना अमेजन वॉरियर्स पहले बैटिंग कर रही थी। रोमारियो शेफर्ड और इफ्तिखार अहमद क्रीज पर थे। 15वें ओवर की तीसरी गेंद पर 22 रन बने। ओशाने थॉमस ने ओवर की तीसरी गेंद नो बॉल डाली। इस पर बल्लेबाज और कोई रन नहीं बना सका। उन्होंने अगली गेंद वाइड डाली। फिर अगली दो गेंदें नो बॉल डाली। इन दोनों गेंदों पर बल्लेबाज शेफर्ड ने दो छक्के जड़ दिए। थॉमस ने अगली गेंद सही डाली। इस पर भी शेफर्ड ने छक्का जड़ दिया। इस तरह तीसरी गेंद पर कुल 22 रन बन गए। इसकी डिटेल्स अगले ग्राफिक्स में देख सकते हैं। शेफर्ड ने 34 गेंदों में नाबाद 73 रन की पारी खेली। हालांकि, इस मैच को सेंट लूसिया किंग्स ने 4 विकेट से जीत लिया। (अनंत ज्ञान)

नो, वाइड; फिर लगातार 2 नो बॉल पर 2 सिक्स, अगली बॉल पर भी सिक्स

कजाखस्तान 1994 के बाद पहली बार एशिया कप हॉकी में खेलने को तैयार

एजेंसी, राजगीर

कजाखस्तान की पुरुष हॉकी टीम 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए यहां पहुंच गई है। टीम 1994 के बाद से इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा ले रही है।

येरकेबुलान द्युसेबेकोव की अगुवाई में टीम मंगलवार रात यहां पहुंची जो भारतीय सरजमीं पर उनका पहला टूर्नामेंट है। कजाखस्तान 1994 में हिरोशिमा एशिया कप में पांचवें स्थान पर रहा था। उसी वर्ष टीम ने एशियाई खेलों में भी छठा स्थान हासिल किया। एफआईएच विश्व रैंकिंग में वर्तमान में 81वें स्थान पर काबिज कजाखस्तान को पूल-ए में मेजबान भारत, जापान और चीन के साथ रखा गया है। कजाखस्तान अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को जापान के खिलाफ करेगा, उसके बाद टीम 31 अगस्त को चीन से भिड़ेगी और फिर एक सितंबर को भारत के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप चरण मुकाबला खेलेगी।

हॉकी इंडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में द्युसेबेकोव के हवाले से कहा गया, ''हम पहली बार भारत आकर बेहद उत्साहित हैं। इस देश को हॉकी का गढ़ माना जाता है और हमारे लिए ऐसे माहौल में खेलना एक बेहद खास मौका है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी टीम काफी युवा है और पिछले कुछ महीनों से हमारी तैयारी इन खिलाड़ियों को आत्मविश्वास और उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन देने पर केंद्रित रही है। टीम में ऊर्जा और उत्साह शानदार है और हम हर मैच के साथ सीखने और आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हैं।'' चुनौतीपूर्ण पूल के बारे में द्युसेबेकोव ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, ''भारत, जापान और चीन के साथ एक ग्रुप में होना एक कड़ी चुनौती होगी, लेकिन हम इसे एशिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खुद को परखने का एक शानदार मौका मानते हैं।'' (अनंत ज्ञान)

एआईएफएफ पर प्रतिबंध का खतरा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने संकटग्रस्त अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को सख्त चेतावनी दी है कि उसे 30 अक्तूबर तक नया संविधान अपनाना और उसकी पुष्टि करनी होगी या फिर निलंबन का जोखिम उठाना पड़ेगा।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को मंगलवार को लिखे दो पन्नों के कड़े पत्र में दोनों अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने 2017 से उच्चतम न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद महासंघ द्वारा अपने संविधान को अंतिम रूप देने में विफलता पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की। शीर्ष अदालत वीरवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

फीफा और एएफसी ने 30 अक्तूबर की समयसीमा की तय

निलंबन का मतलब होगा कि राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और साथ ही अहमदाबाद में 2036 के ओलंपिक खेलों के लिए भारत की महत्वाकांक्षी बोली भी अनिश्चितता में पड़ जाएगी। फीफा और एएफसी ने चौबे के नेतृत्व वाले एआईएफएफ को संशोधित संविधान को मंजूरी देने के लिए उच्चतम न्यायालय से एक 'निश्चित आदेश' प्राप्त करने, इसे फीफा और एएफसी के अनिवार्य नियमों के अनुरूप बनाने और 30 अक्तूबर की समय-सीमा से पहले अगली आम सभा की बैठक में इसकी पुष्टि करने का निर्देश दिया है।

पत्र में कहा गया है, ''इस कार्यक्रम का पालन नहीं करने पर हमारे पास इस मामले को निर्णय लेने वाली फीफा की संबंधित संस्था के पास विचार और निर्णय के लिए भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा, जिसमें निलंबन की संभावना भी शामिल है।'' इस पत्र पर फीफा के मुख्य सदस्य संघ अधिकारी एल्खान मामादोव और एएफसी के उप महासचिव (सदस्य संघ) वाहिद कर्दानी ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए हैं। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय फुटबॉल को इस तरह की शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। (अनंत ज्ञान)

फिडे विश्व कप की मेजबानी करना भारत के लिए खुशी की बात : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दो दशक से अधिक समय के बाद प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए प्रसन्नता की बात है। मोदी ने कहा कि शतरंज युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे और दुनियाभर के शीर्ष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा, ''प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए प्रसन्नता की बात है और वह भी दो दशक से अधिक समय के बाद।''

टूर्नामेंट में देखने को मिलेंगे रोमांचक मैच

फिडे शतरंज विश्व कप का आयोजन गोवा में 30 अक्तूबर से 27 नवंबर तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में अगले साल के कैंडिडेट टूर्नामेंट के लिए तीन स्थान और 20 लाख डॉलर की इनामी राशि दांव पर लगी होगी। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डी गुकेश, मैग्नस कार्लसन, फाबियानो करुआना और आर प्रज्ञानानंदा सहित 206 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। (अनंत ज्ञान)

विदेशी क्रिकेटरों पर भड़के सुनील गावस्कर

बोले-यह हमारा मामला, बाहरी लोग इससे रहें दूर

एजेंसी, नई दिल्ली

एशिया कप-2025 की टीम चयन में श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल के बाहर होने पर काफी प्रतिक्रियाएं आईं। इनमें कुछ विदेशी खिलाड़ी भी शामिल रहे। इन आलोचनाओं पर सुनील गावस्कर ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि भारतीय टीम चयन पर बाहरी दखल अनावश्यक है और चयनकर्ताओं के फैसलों पर टिप्पणी करना उनका काम नहीं।

15 सदस्यीय टीम में कुछ खिलाड़ियों के न होने पर बीसीसीआई और चयनकर्ताओं की काफी आलोचना की गई। विशेषकर श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को न चुनने पर। वैसे जायसवाल भारत की रिजर्व टीम का हिस्सा जरूर हैं, लेकिन अय्यर को तो वहां भी जगह नहीं मिली है। दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने पर भारत ही नहीं ऑस्ट्रेलिया से भी आवाजें उठने लगी थीं। इस मामले के ज्यादा बढ़ने पर सुनील गावस्कर ने मोर्चा थामा है। उन्होंने विदेशी क्रिकेटरों द्वारा भारतीय टीम चयन पर टिप्पणी करने को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। लिटिल मास्टर ने सवाल उठाया कि आखिर विदेशी खिलाड़ी क्यों भारतीय चयनकर्ताओं के फैसलों पर राय देने की जरूरत महसूस करते हैं।

गावस्कर ने हैरानी की बात यह है कि विदेशी खिलाड़ी, जिनका भारतीय क्रिकेट में कोई दखल नहीं है और जिनकी जानकारी भी सीमित है, वे इस बहस में कूदकर आग में घी डाल रहे हैं। चाहे वे कितने भी बड़े खिलाड़ी रहे हों और चाहे कितनी भी बार भारत आ चुके हों, लेकिन भारतीय टीम का चयन पूरी तरह हमारा मामला है, उनका नहीं। (अनंत ज्ञान)

लिटिल मास्टर बोले- विदेशी खिलाड़ी क्यों भारतीय चयनकर्ताओं के फैसलों पर दे रहे राय

हैडिन और डिविलियर्स ने की थी टिप्पणी

हालांकि गावस्कर ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी ब्रैड हैडिन और एबी डिविलियर्स जैसे खिलाड़ियों की इस विषय पर राय के बाद आई है। पंजाब किंग्स के कोच रहे हैडिन ने कहा था कि वे हैरान थे और सोचा कि अय्यर शायद चोटिल हैं, वे उन्हें कप्तान के तौर पर देख रहे थे, जबकि उनको टीम में ही नहीं चुना गया है। वहीं, डिविलियर्स ने भी इशारों में कहा था कि फैसले के पीछे बंद दरवाजों के भीतर की बातें हैं, हालांकि उनका लहजा संतुलित रहा। उन्होंने भारतीय मीडिया को भी कटघरे में खड़ा किया कि कितनी बार हमने विदेशी दौरों पर देखा है कि भारतीय मीडिया वहां के पूर्व खिलाड़ियों का पीछा करता है, ऐसे खिलाड़ी जिन्हें उनका अपना देश भी भूल चुका है और उनसे इंटरव्यू करता है। मानो भारतीय क्रिकेट और उसके खिलाड़ियों की मान्यता हमें विदेशी खिलाड़ियों से ही लेनी हो।

क्रिकेट क्रिकेट के मैदान पर फिर चलेगा बल्ला, खिलाड़ियों के लिए काफी कुछ दांव पर

दलीप ट्रॉफी की पारंपरिक प्रारूप में वापसी

एजेंसी, बेंगलुरु

युवा और महत्वाकांक्षी खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के मंच पर अपना दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे, जब वीरवार से लाल गेंद की इस प्रतियोगिता की अपने पारंपरिक क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी होगी और इसके साथ ही भारत के घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत होगी। 6 क्षेत्रीय टीम 1960 के दशक में शुरू की गई इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। पिछले सत्र में जब यह प्रतियोगिता अव्यवस्थित ढंग से तैयार भारत ए, बी, सी और डी टीमों के बीच खेली गई थी, तो हितधारक खुश नहीं थे और फिर उम्मीद के मुताबिक प्रतियोगिता की पुराने प्रारूप में वापसी हुई है।

इस टूर्नामेंट ने पहले अधिक सुर्खियां नहीं बटोरी थीं, लेकिन बीसीसीआई द्वारा अपने स्टार खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में नहीं होने या चोटिल नहीं होने पर घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेना अनिवार्य करने के बाद यह फिर से प्रासंगिक हो गया है। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल शार्दुल ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें श्रेयस अय्यर, सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल शामिल हैं।

भारत की टेस्ट टीम में अपनी जगह गंवा चुके अय्यर ढेरों रन बनाना चाहेंगे, जबकि सरफराज के साथ भी यही स्थिति है जिन्हें हाल ही में इंग्लैंड दौरे के लिए नजरअंदाज किया गया था। एशिया कप टी20 के लिए नहीं चुना जाना अय्यर के लिए प्रेरणा का एक अतिरिक्त स्रोत होगा जिनके बाहर होने पर राय विभाजित हैं। जायसवाल को भी उनकी कोई गलती नहीं होने के बावजूद एशिया कप टीम से बाहर कर दिया गया था।

घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर भारत के लिए लाल गेंद से उनका प्रदर्शन विशेष रहा है और वह अपने सत्र की शुरुआत अच्छी पारियों से करना चाहेंगे। तिलक वर्मा की अगुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र की टीम में सभी की नजरें आर साई किशोर पर होंगी, जो हाथ की चोट के कारण बुची बाबू टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। लोकेश राहुल और साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं।

देवदत्त पडिक्कल चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं और प्रभावशाली प्रदर्शन उन्हें फिर से राष्ट्रीय टीम में जगह दिला सकता है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण किया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह गंवा बैठे थे।

पूरे इंग्लैंड दौरे के दौरान मौके का इंतजार करते रहे अभिमन्यु ईश्वरन चोटिल इशान किशन की अनुपस्थिति में पूर्वी क्षेत्र की टीम की कप्तानी करेंगे। जाहिर है कि इंग्लैंड में लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने के बाद ईश्वरन मैदान पर आकर रन बनाने के लिए बेताब होंगे।

कई मौकों पर भारतीय टीम का हिस्सा होने के बावजूद ईश्वरन अभी तक पदार्पण नहीं कर पाए हैं और उन्हें घरेलू क्रिकेट में रन बनाते रहना होगा। गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शमी की लाल गेंद की फिटनेस का आकलन किया जाएगा, क्योंकि चोट के कारण उन्होंने टेस्ट टीम में अपनी जगह खो दी है। (अनंत ज्ञान)

गिल की जगह अंकित कुमार संभालेंगे कमान

शुभमन गिल को उत्तर क्षेत्र की कप्तानी के लिए चुना गया था, लेकिन बीमारी के कारण वह शुरुआती मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं। गिल की अनुपस्थिति में उपकप्तान अंकित कुमार टीम की कमान संभाल सकते हैं। एशिया कप टीम में शामिल अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा संभवतः केवल शुरुआती मैच में ही खेलेंगे और फिर यूएई जाने वाली टी20 टीम से जुड़ जाएंगे। राणा लंबे प्रारूप में फिलहाल राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की योजना का हिस्सा नहीं हैं और इसलिए उत्तर क्षेत्र के लिए अपने शुरुआती मैच में खुद को पूरी तरह झोंकने के उनके पास पर्याप्त कारण हैं। ध्रुव जुरेल और रजत पाटीदार मध्य क्षेत्र की टीम में उल्लेखनीय नाम हैं। टूर्नामेंट में जुरेल के नेतृत्व कौशल का आकलन किया जाएगा, जबकि पाटीदार पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम से अपनी जगह गंवाने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करने की कोशिश करेंगे।